बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
विजया VIJAYA | देना DENA

अक्षय्यम्

बैंक ऑफ़ बड़ौदा की तिमाही हिंदी पत्रिका

अप्रैल–जून 2023 अंक

'बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान' की शुरुआत

बैंक ने भारतीय भाषाओं के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत 'बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान' की वर्ष 2023 से शुरुआत की है। 'राष्ट्र की भाषाएं, राष्ट्र की धरोहर' की संकल्पना के आधार पर बैंक द्वारा इस सम्मान की शुरुआत की गई है। 'बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान' के शुभारंभ की घोषणा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री संजीव चड्ढा द्वारा 20 जनवरी, 2023 को जयपुर में आयोजित 'जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल' के एक विशेष सत्र में की गई। बैंक द्वारा इस सम्मान की शुरुआत भारतीय भाषाओं में साहित्यिक लेखन एवं उनके हिंदी अनुवाद कर्म को प्रोत्साहित करने के लिए की गई है। इस सम्मान योजना हेतु देशभर के उपन्यासकारों से प्राप्त प्रविष्टियों के मूल्यांकन के उपरांत निर्णायक मंडल द्वारा विजेता उपन्यास के लेखकों एवं अनुवादकों को शॉर्टलिस्ट किया गया। दिनांक 11 जून, 2023 को प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अध्यक्षता एवं कार्यपालक निदेशकों की उपस्थिति में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन

बैंक ने दिनांक 18–20 मई, 2023 को कोवलम (तिरुवनंतपुरम) में अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन किया। इस अवसर पर बैंक के कार्यपालक निदेशक, श्री अजय के खुराना, प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह, एर्णाकुलम के अंचल प्रमुख श्री श्रीजित कोट्टारत्तिल, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र एवं अन्य कार्यपालकगण तथा देश भर के राजभाषा प्रभारी/ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना ने सभी राजभाषा अधिकारियों को संबोधित किया तथा वर्ष के दौरान श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने वाले अंचलों/ क्षेत्रों के राजभाषा अधिकारियों/ प्रभारियों को पुरस्कृत किया गया।

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

प्रिय साथियो,

बैंक की हिंदी पत्रिका '**अक्षय्यम्**' के डिजिटल संस्करण के माध्यम से आप सभी से अपने विचार साझा करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है।

दशकों के बैंकिंग अनुभव की समृद्ध विरासत एवं ग्राहकों के अटूट भरोसे की नींव पर खड़े भारत के अंतर्राष्ट्रीय बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के दायित्व का निर्वहन करते हुए मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। हालांकि बतौर कार्यपालक निदेशक मैं मार्च, 2021 से ही एक बड़ौदियन के रूप में इस संगठन की कार्य-पद्धति, संस्कृति और विगत वर्षों में अर्जित की गई उपलब्धियों का प्रत्यक्ष रूप से साक्षी रहा हूँ। आपसी समन्वय के साथ काम करने की भावना, श्रेष्ठ बुनियादी मूल्य और उत्तम नैतिक मूल्य वाले कार्मिक ही इस संस्था को महान संस्थानों की कतार में अग्रिम स्थान पर खड़ा करने में सहयोग कर रहे हैं।

बैंक हमेशा ही नई चुनौतियों, अनुभवों और नए प्रयोगों को स्वीकार करने में अग्रणी रहा है। इनमें निजी संस्थान से प्रमुख नियुक्त करने, आईआईटी में नवाचार केंद्र स्थापित करने या बीजीएसएस के रूप में परिचालन संस्थान स्थापित करने जैसे हमारे प्रयोगों का अन्य संगठनों ने अनुसरण किया है। कॉर्पोरेट गवर्नेंस, जोखिम प्रबंधन, ग्राहक सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व, प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में हमारा श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन लगातार प्राप्त होने वाले पुरस्कारों एवं सम्मानों से परिलक्षित होता है। मुझे विश्वास है कि हम ग्राहकों, कारोबारियों और वैश्विक समुदाय के पसंदीदा साझेदार बनने के उद्देश्य से बदलती बैंकिंग जरूरतों के लिए स्वयं को विकसित और समय के हिसाब से ढालना जारी रखेंगे।

हम यह भी मानते हैं कि सफलता अपने साथ जिम्मेदारियां और चुनौतियां लेकर लाती है। जब आप फील्ड में काम कर रहे होते हैं, तब आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है या आप लक्ष्य अर्जित करने का दबाव महसूस कर सकते हैं, लेकिन यही वो क्षण होते हैं जब आपकी वास्तविक प्रतिभा और मानसिक दृढ़ता उभर कर सामने आती है। ऐसे समय में, अपनी और अपने बैंक की क्षमताओं और सामर्थ्य पर भरोसा रखें। एक उत्कृष्ट बैंक में अपनी प्रभावशीलता को कभी भी कम करके न आंके। याद रखें कि आप महज एक कर्मचारी नहीं हैं, बल्कि परिवर्तन के ध्वजवाहक हैं।

विगत वित्तीय वर्ष के परिणाम शानदार रहे हैं। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान बैंक ने 16.6% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ 21 लाख करोड़ के कुल व्यवसाय के मील स्तंभ को पार कर लिया है। इस दौरान 26.8% की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) के साथ रिकॉर्ड ₹14110 करोड़ का शुद्ध लाभ जमीनी स्तर पर काम कर रही हमारी सभी परिचालन इकाइयों की जी-तोड़ मेहनत को परिलक्षित करता है। इस लाभप्रदता का फ़ायदा बैंक के स्टाफ सदस्यों के साथ हमारे शेयरधारकों को भी हुआ है जिन्हें हम प्रति शेयर ₹5.50 का लाभांश जारी करने में सफल रहे हैं। वसूली टीमों के अथक प्रयासों के कारण हमारी आस्ति गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया है, वहीं अग्रिम क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण बैंक के रिटेल ऋण पोर्टफोलियो में भी 26.8% की समग्र वृद्धि हुई है।

इन उपलब्धियों में हमारे डिजिटल चैनल्स की भूमिका अहम है जो आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में नई पीढ़ी के ग्राहक वर्ग की पहली पसंद बन गए हैं। बॉब वर्ल्ड ऐप में अन्य बैंकों के खातों को इंटीग्रेट करने की सुविधा जैसी विशेषताओं ने इस ऐप को और ख़ास बना दिया है। बॉब वर्ल्ड और डिजिटल ऋण पोर्टल के माध्यम से पूर्व स्वीकृत ऋणों के विकल्प के चलते बैंक ने रिटेल अग्रिम के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है।

ग्राहक अनुभव को और बेहतर बनाने की दिशा में बैंक ने अपनी वेबसाइट पर 'बॉब वीडियो चैट' और 'बॉब लाइव चैट' की सुविधा आरंभ की है जो ग्राहकों की सभी समस्याओं और शंकाओं का तत्काल निस्तारण करेगी। साथ ही, ग्राहक सपोर्ट के लिए 11 भाषाओं में एक ही टोल नंबर 1800 5700 की 24x7x365 उपलब्धता बैंक और ग्राहक के बीच में सेतु सिद्ध होगी। डिजिटल क्रांति में सबसे आगे रहने की रणनीति के अन्तर्गत अब बैंक के 5393 एटीएम में यूपीआई आधारित 'इंटर ऑपरेबल कार्डलेस नकदी आहरण' (ICCW) की सुविधा दी गई है। नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड की साझेदारी में बैंक द्वारा बड़ौदा इंस्टा प्लेटफॉर्म पर ई-बीजी (इलेक्ट्रोनिक बैंक गारंटी) की सुविधा एवं 'बॉब वर्ल्ड स्टार्ट-अप' के अंतर्गत गिफ्ट सिटी गांधीनगर में आईएफ़एससी शाखा की स्थापना भी नए दौर के उद्यमियों की जरूरतों एवं आकांक्षाओं की पूर्ति की दिशा में बैंक द्वारा की जा रही अभिनव पहलों का ही हिस्सा हैं।

व्यवसाय की इन अभिनव पहलों के बीच इन सुविधाओं को हमारे मूल्यवान ग्राहकों तक पहुंचाने वाले हमारे मानव संसाधन को कार्य-स्थल पर उचित माहौल देकर उनकी प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए उनका बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करना भी हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है। मुझे इस बात की खुशी है कि मानव संसाधन के एक मानक सूचकांक के रूप में हम एक बार फिर 'ग्रेट प्लेस टु वर्क' वाले बैंक के रूप में चयनित किए गए हैं। हम इस वित्तीय वर्ष में भी हमारे कर्मचारियों के लिए और बेहतर पहल करने हेतु प्रयासरत रहेंगे ताकि वे बेहतर दक्षता के साथ लक्ष्य केंद्रित होकर व्यवसाय संवर्धन हेतु कार्य कर सकें।

अथर्ववेद में कहा गया है कि 'कृतं मे दक्षिणे हस्ते जयो मे सव्य आहितः' अर्थात् यदि कर्म करना मेरे दाएं हाथ में है, तो विजय मेरे बाएं हाथ में आ ही जायेगी। इस सूत्र वाक्य के साथ यदि हम अपने प्रयासों को जारी रखेंगे, तो मैं पूर्णतया आशान्वित हूँ कि हम एक बार फिर व्यवसाय के हर मानदंड पर सफलता की दहलीज़ को पार करने में सफल होंगे।

शुभकामनाओं सहित,

देबदत्त चांद

देबदत्त चांद

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

कार्यपालक निदेशक की डेस्क से

प्रिय साथियो,

बैंक की हिन्दी पत्रिका *'अक्षय्यम्'* के नवीनतम अंक के माध्यम से अपने विचार आपसे साझा करना मेरे लिए प्रसन्नता का विषय है। यह पत्रिका राजभाषा विषयक गतिविधियों के साथ-साथ समसामयिक विषयों पर विविध आलेखों को प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम है।

बैंकिंग उद्योग का एक अग्रणी बैंक होने के नाते व्यावसायिक मानदंडों में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु समस्त बड़ौदियन पूरी प्रतिबद्धता एवं समर्पण भाव के साथ कार्यरत हैं। वित्त वर्ष 2022-23 के वित्तीय परिणामों में भी यह प्रतिबद्धता दृष्टिगोचर होती है। हमारे बैंक ने वित्त वर्ष 2022-23 में काफी उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन किया है। हम ₹21.73 लाख करोड़ के कुल कारोबार के साथ देश के दूसरे सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के रूप में स्थापित हो गए हैं। बैंक का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2022 के ₹7,272 करोड़ की तुलना में लगभग दोगुना होकर वित्त वर्ष 2023 में ₹14,110 करोड़ रहा। यह एक रिकॉर्ड प्रदर्शन है। कुल कारोबार के साथ-साथ लाभ में हुई उल्लेखनीय वृद्धि हमारे मानव बल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सभी स्तरों पर समन्वित प्रयासों और टीम भावना से कार्य करने की प्रवृति के परिणामस्वरूप ही बैंक वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने में सफल रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करने की परंपरा को जारी रखते हुए चालू वित्त वर्ष में भी हम श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने में सफल होंगे।

वर्तमान समय की प्रतिस्पर्धी बैंकिंग के दौर में प्रौद्योगिकी आधारित बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराकर बैंक उद्योग में अपनी प्रभावी उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ ही ग्राहकों का पसंदीदा बैंक बनने में सफल हो सकता है। बैंक की सोच है कि ग्राहकों को आसान और बाधारहित बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इस उद्देश्य के अनुरूप बैंक अपनी सभी बैंकिंग सेवाओं और प्रक्रियाओं को डिजिटलीकृत करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। व्हाट्सऐप के माध्यम से बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं ग्राहकों के लिए काफी उपयोगी साबित हो रही हैं। शाखाओं द्वारा ग्राहकों को इस चैनल का अधिक से अधिक उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि उनकी रुटिन बैंकिंग जरूरतें बिना शाखा में आए ही पूरी हो सकें। अभी बैंक ने व्हाट्सऐप बैंकिंग की सेवाएं हिंदी, गुजराती एवं अंग्रेजी में उपलब्ध कराई हैं। बहुत शीघ्र ही हम इस सेवा को देश की अन्य महत्त्वपूर्ण भाषाओं में भी उपलब्ध कराने वाले हैं। बैंक का यह प्रयास ग्राहक अनुभव की दृष्टि से काफी महत्त्वपूर्ण साबित होगा।

राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में हमारा बैंक निरंतर उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन सुनिश्चित कर रहा है और तदनुसार, ग्राहकों को उनकी भाषा में बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु हमने बैंक की विभिन्न सेवाओं में हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं का समावेश किया है। बैंकिंग लेन-देन संबंधी एसएमएस, व्हाट्सऐप बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, बॉब वर्ल्ड-मोबाइल बैंकिंग ऐप, चैटबॉट की सुविधा इत्यादि में प्रमुखता से हिंदी/ क्षेत्रीय भाषाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। ग्राहकों को उनकी अपनी भाषा में सेवाएं देकर हम उत्कृष्ट ग्राहक अनुभव प्रदान कर सकते हैं।

मुझे विश्वास है कि सभी स्तरों पर किए जा रहे संगठित प्रयासों से हम अपने अभीष्ट लक्ष्यों को हासिल करने में सफल होंगे और अपनी व्यावसायिक यात्रा को नई ऊर्जा के साथ जारी रखते हुए बैंक को समग्र रूप में सुदृढ़ता प्रदान करने में सफल होंगे।

शुभकामनाओं सहित,

अजय के. खुराना

कार्यपालक निदेशक की डेस्क से

प्रिय साथियो,

'अक्षय्यम्' के नवीनतम अंक के माध्यम से आपसे संवाद करना मेरे लिए प्रसन्नता की बात है। भारतीय बैंकिंग उद्योग एक अभूतपूर्व प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पिछले वर्ष देश ने स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर धूमधाम से आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया। इस सुनहरे अवसर पर हमने विश्व के सामने न केवल अपने गौरवशाली अतीत की छवि प्रस्तुत की बल्कि भविष्य के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य को भी निर्धारित किया है। देश ने इंडिया100 के सपने के रूप में एक विकसित राष्ट्र की कल्पना को साकार करने का लक्ष्य रखा है। इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए बैंकों की भूमिका सर्वोपरि है। भारतीय बैंकिंग उद्योग ने अपने कठिनतम दौर में भी अच्छा कार्यनिष्पादन कर भारत के आर्थिक विकास को वैश्विक बैंकिंग उद्योग के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया है।

देश के समक्ष उत्पन्न चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बैंकों ने सरकार द्वारा सभी जन-कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के साथ-साथ स्वयं भी आगे बढ़कर जनहित में कार्य किया है। आज बैंक देश के आर्थिक उत्थान के तहत कारोबारियों, उद्यमियों, नागरिकों, कंपनियों आदि को सरल वित्त मुहैया करवाने के साथ रोजगार सृजन के भी कई अवसर प्रदान कर रहे हैं। बैंकों ने देश की समग्र अर्थव्यवस्था के सुधार में अहम भूमिका निभाई है। वित्त वर्ष 23 में बैंकिंग क्षेत्र द्वारा प्रदत्त समग्र ऋण में 15% की वृद्धि हुई है जो कि पिछले 10 वर्षों की अवधि में सर्वाधिक है। इस दौरान रिटेल ऋण में सर्वाधिक 20.6% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल एनपीए पिछले 7 वर्षों के न्यूनतम 5% के स्तर पर आ गया है। साथ ही ईज़ सुधार कार्यक्रम के लागू होने से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और निजी क्षेत्र के बैंकों के बीच व्यवसाय वृद्धि का अंतर कम हुआ है। बैंकों की विभिन्न पहलों ने इन्हें जनता के साथ मजबूती से जोड़ा है और बैंक अपनी सभी सुविधाओं को जनता के अनुकूल कर रहे हैं।

एक सर्वेक्षण के अनुसार अगले पांच वर्षों में संपूर्ण रिटेल लेनदेन में डिजिटल लेनदेन का हिस्सा 90% होने की संभावना है। यह इस तथ्य को दर्शाता है कि नए युग के ग्राहक डिजिटल लेनदेन के माध्यम को प्राथमिकता दे रहे हैं। आज डिजिटल बैंकिंग लोगों की पहली पसंद बन गई है। इसलिए हमारे लिए यह अत्यंत जरूरी है कि हम सरल और सुरक्षित डिजिटल लेनदेन सुविधा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करें। इससे ग्राहक को कम समय में बैंकिंग की सुविधा मिलेगी और हम बैंक की परिचालन लागत को भी कम कर सकेंगे। गौर करने वाली बात यह है कि इंटरनेट बैंकिंग की तुलना में मोबाइल बैंकिंग आज ग्राहक की पहली पसंद है। हमारे बैंक ने भी ग्राहकों की सुविधा की दृष्टि से बैंक के मोबाइल बैंकिंग ऐप बॉब वर्ल्ड में उनकी सहूलियत की कई सुविधाएं शामिल की हैं। पिछले कुछ वर्षों में आप सभी के लगातार प्रयासों से आज हमारा बैंक डिजिटल फ्रंट पर काफी सशक्त है।

हाल के वर्षों में हमारे बैंक ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। कारोबार और लाभप्रदता की दृष्टि से हम सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में भारतीय स्टेट बैंक के बाद पहले पायदान पर खड़े हैं। हमें अपनी इस स्थिति को बनाए रखने और भविष्य में और भी उंचाई हासिल करने के लिए विकास की सभी संभावनाओं पर कार्य करना जरूरी है। हमारा बैंक अनुपालन और बेहतर ग्राहक सेवा और ग्राहक-हित के प्रति भी सदैव जागरूक रहा है। हमें निरंतर रूप से अपनी ग्राहक सेवा को बेहतर बनाना है और ग्राहक-हित को भी सर्वोपरि रखना है। इसके साथ ही सभी परिस्थितियों में हमें बैंक की मजबूत अनुपालन संस्कृति की परंपरा को आगे बढ़ाना है।

मुझे विश्वास है कि आप पूर्व की भांति बैंक के व्यवसाय विकास में भागीदार बनते हुए बैंक को डिजिटल रूप से आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ मजबूत बनाएंगे और इसके साथ ही अनुपालन के साथ उन्नति के मूलमंत्र को ध्यान में रखते हुए अपने प्रयासों को जारी रखेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

जयदीप दत्ता राय

जयदीप दत्ता राय

कार्यपालक निदेशक की डेस्क से

प्रिय साथियो,

बैंक की हिंदी पत्रिका '**अक्षय्यम्**' के नवीनतम अंक के माध्यम से आप सभी के साथ संवाद करना मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान हमारे बैंक ने सभी व्यावसायिक मानदंडों में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन किया है। बैंक का कुल कारोबार ₹21लाख करोड़ के मीलस्तंभ को पार कर गया है और शुद्ध लाभ पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना हो गया है। बैंक के व्यवसाय विकास में हमारे सभी कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण एवं सराहनीय रही है। बैंक द्वारा अपनाई जा रही कार्यपद्धतियों और नवोन्मेषिता को अपनी कार्यशैली में समाहित करना तथा तदनुसार, कार्यव्यवहार सुनिश्चित करना कर्मचारियों की सक्रियता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के वित्तीय परिणामों के अनुसार हमारा बैंक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की श्रेणी में द्वितीय स्थान हासिल करने में सफल रहा है। मुझे विश्वास है कि हम अपनी मानव संपदा द्वारा नियमित श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन और प्रयासों के आधार पर इस मुकाम को कायम रखते हुए शीर्ष स्थान अर्जित करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

बैंक अपने कर्मचारियों को सबसे मूल्यवान आस्ति मानता है और अपने 77000 से अधिक कर्मचारियों के साथ बेहतर जुड़ाव स्थापित करने के लिए लगातार कई पहलें कर रहा है। ये पहलें कर्मचारी संतुष्टि को बेहतर बनाकर, उनकी प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करते हुए उनके स्वास्थ्य और कल्याण तथा क्षमता निर्माण का ध्यान रखती हैं तथा मानव संसाधन को मजबूत और विकसित करने का प्रयास करती हैं। हमारे बैंक को हमेशा मानव संसाधन नीतियों और श्रेष्ठ प्रथाओं के लिए जाना जाता है और लगातार दूसरे वर्ष बैंक को ग्रेट प्लेस टू वर्क के रूप में चुना जाना इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। उपलब्धि की इस विकास यात्रा को और अधिक सकारात्मकता के साथ आगे ले जाने की आवश्यकता है।

बैंकिंग उद्योग के बदलते परिवेश और आवश्यक परिवर्तनों के अनुरूप हम अपनी सेवाओं और प्रक्रियों को तेजी से सरल और डिजिटलीकृत करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। हम अपने दैनिक बैंकिंग कार्यकलापों में ग्राहक केन्द्रीयता को प्राथमिकता दे रहे हैं और ग्राहकों की अपेक्षाओं के अनुरूप बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्प हैं। ग्राहकों के साथ ही स्टाफ सदस्यों के लिए भी बैंक की आंतरिक प्रक्रियाओं में डिजिटलीकरण और पारदर्शिता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में हमारे बैंक की विशेष पहचान है। राजभाषा कार्यों को गति प्रदान करने के लिए बैंक द्वारा निरंतर नवोन्मेषी पहलें की जा रही है। बैंक द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन को संवैधानिक अनुपालन तक ही सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि बेहतर ग्राहक जुड़ाव स्थापित करने और ग्राहकों को उनकी अपनी भाषा में बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने हेतु हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओं का इष्टतम उपयोग किया जा रहा है तथा बैंक की विभिन्न सेवाओं यथा लेनदेन संबंधी एसएमएस, व्हाट्सऐप बैंकिंग, बॉब वर्ल्ड -मोबाइल बैंकिंग ऐप, इंटरनेट बैंकिंग इत्यादि में शामिल किया किया गया है। आप अपने स्तर से ग्राहकों को इन सेवाओं के बारे में जागरूक करें तथा उनका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मैं यह कामना करता हूँ कि आप सभी उत्तम स्वास्थ्य के साथ सदैव प्रगति के पथ पर अग्रसर रहें।

शुभकामनाओं सहित,

ललित त्यागी

कार्यकारी संपादक की कलम से

'***अक्षय्यम्***' के नवीनतम अंक के जरिए आपसे संवाद करना मेरे लिए एक विशेष अवसर है। हम पत्रिका के माध्यम से प्रत्येक अंक में स्टाफ-सदस्यों की प्रतिभा को मंच देने के साथ-साथ बैंक के विभिन्न कार्यालयों की राजभाषा संबंधी गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी भी प्रदान करते हैं। पत्रिका के संबंध में सुधी पाठकों की लगातार बढ़ती रूचि को देखते हुए हमने बैंक के 'बॉब अभिव्यक्ति' ऐप पर उपलब्ध इसके डिजिटल संस्करण में लाइक्स और कमेंट की सुविधा प्रदान की है ताकि लेखन-पठन में रूचि रखने वाले बैंक के स्टाफ-सदस्यों की प्रतिभा को और प्रोत्साहित कर बैंक के भीतर संवाद संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके। इस प्रकार से 'बॉब अभिव्यक्ति' ऐप के माध्यम से बैंक में एक रचनात्मक संवाद का सृजन हो रहा है। एक नूतन पहल के रूप में ऐप पर अब हमारी पत्रिकाओं की श्रेष्ठ रचनाओं की ऑडियो बुक 'बेस्ट ऑफ बॉबमैत्री' आरंभ की गई है जिसमें हमारे प्रतिभावान स्टाफ सदस्यों द्वारा रचनाओं की रोचक शैलियों में की गई रिकॉर्डिंग शामिल है। इन्हें सुनना पाठकों के लिए काफी रोचक होगा।

डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते प्रसार और प्रभाव ने बैंक में भाषाई प्रयोग की संभावनाओं को भी विस्तार दिया है। हमारे बैंक ने भी इन संभावनाओं पर कार्य करते हुए बैंक में राजभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं के प्रयोग को अभूतपूर्व रूप से बढ़ाया है। पिछले कुछ दिनों में बैंक में भारतीय भाषाओं के प्रयोग को लेकर उत्पन्न सकारात्मक माहौल और स्वीकृति बहुत ही सराहनीय है। इंटरनेट यूजर्स की संख्या के आधार पर भारत दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है। भारत में इतनी बड़ी संख्या में इंटरनेट यूजर्स होने से डिजिटल क्षेत्र में भारतीय भाषाओं के बढ़ने के आसार बहुत ही प्रबल हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए हमने अपने बैंक में भी डिजिटल क्षेत्र में भारतीय भाषाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की है।

हमारे बैंक ने भारतीय भाषाओं को केवल राजभाषा नीति के अनुपालन तक सीमित नहीं रखा है बल्कि इनके जरिए बेहतर ग्राहक सेवा भी सुनिश्चित कर रहा है। हम ग्राहकों तक अपनी बात ग्राहक की भाषा में ही पहुंचा रहे हैं ताकि ग्राहक हमसे जुड़ने में सहज महसूस करें। आज संवाद का सबसे लोकप्रिय तरीका - *व्हाट्सऐप* के माध्यम से भी हम लोगों के बीच बैंकिंग सुविधाएं पहुंचा रहे हैं। इस दिशा में कार्य करते हुए हमने बैंक की व्हाट्सऐप बैंकिंग की सुविधाएं अंग्रेजी के अतिरिक्त हिंदी और गुजराती में भी उपलब्ध कराई हैं। अगले चरण में इसे अन्य भारतीय भाषाओं में भी शुरू किया जाना है। बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध चैट बॉट सुविधा भी हमने हिंदी में उपलब्ध करवा दी है। इस प्रकार के बैंकिंग के गतिशील स्वरूपों में भी भारतीय भाषाओं में बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारा ध्येय है।

पत्रिका के इस अंक में हमने अमित कुमार श्रीवास्तव के आलेख '**ईएसजी - कल, आज और कल**' को शामिल किया है जिसमें ईएसजी की पूरी अवधारणा को विस्तार से बताया गया है। डिजिटल युग के हर दौर में भाषा की भूमिका अहम है। जया मिश्रा के आलेख '**डिजिटल बैंकिंग और भाषा**' में भाषा के इसी महत्त्व पर प्रकाश डाला गया है। अमित कुमार के आलेख '**मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता**' में मानसिक रूप से स्वस्थ्य रहने संबंधी प्रमुख बिंदुओं का जिक्र है। इसके अलावा इस अंक में हमने स्टाफ सदस्यों के अनुभवों, प्रमुख गतिविधियों, कविताओं जैसी रोचक सामग्रियों को भी शामिल किया है। आशा है कि पत्रिका का यह अंक आपको पसंद आएगा। पत्रिका के सबंध में आपके अभिमत की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

शुभकामनाओं सहित,

संजय सिंह

प्रमुख - राजभाषा एवं संसदीय समिति

अक्षय्यम्

बैंक ऑफ़ बड़ौदा की हिंदी पत्रिका

वर्ष – 18 * अंक – 74 * अप्रैल–जून 2023

–: कार्यकारी संपादक :–

संजय सिंह

प्रमुख – राजभाषा एवं संसदीय समिति

–: संपादक :–

पुनीत कुमार मिश्र

सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति)

–: सहायक संपादक :–

प्रमोद बर्मन

मुख्य प्रबंधक (राजभाषा)

अजित सिंह

प्रबंधक (राजभाषा)

–: संपर्क :–

राजभाषा विभाग

बैंक ऑफ़ बड़ौदा, बड़ौदा भवन, पांचवी मंजिल,
आर सी दत्त रोड, अलकापुरी, बड़ौदा – 390007

फोन : 0265–2316581 / 6587

ईमेल : rajbhasha.ho@bankofbaroda.com
akshayyam@bankofbaroda.com

राजभाषा विभाग, बैंक ऑफ़ बड़ौदा,
पांचवी मंजिल, आर सी दत्त रोड, अलकापुरी,
बड़ौदा – 390007 से संपादित एवं प्रकाशित।

रुपांकन एवं मुद्रण

मे. प्रिंट प्लस प्रा.लि.,
212, स्वस्तिक चेंबर्स, एस.टी. रोड,
चेंबूर, मुंबई 400071

प्रकाशन तिथि : 11/08/2023

सूचना :

बैंक के स्टाफ सदस्य पत्रिका में प्रकाशन हेतु अपनी रचनाएं/ सामग्री ई–मेल: akshayyam@bankofbaroda.com पर भेज सकते हैं।

अनुक्रम

इस अंक में

ईएसजी – कल, आज और कल 07

डिजिटल बैंकिंग और भाषा 08–10

विश्व जल दिवस और भारत के परिप्रेक्ष्य में
जल प्रबंधन में जन भागीदारी 11–13

कविता – मैं चाहता हूं 13

कविता – जल एक जीवन 13

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता 14–15

रिटेल कारोबार की आवश्यकता,
स्थिति, चुनौतियां एवं संभावनाएं 16–18

आशीर्वाद की शक्ति 19

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 20–21

अग्नि सुरक्षा 25

मेरी अविस्मरणीय यात्रा 26–27

कविता – शंखनाद नई सुबह का 27

डिजिटल मुद्रा का भविष्य की बैंकिंग एवं
अर्थव्यवस्था पर प्रभाव 28–29

अपने ज्ञान को परखिए 38

बेलूर – चेन्नाकेशव मंदिर 39

किसके जैसा 41

बैंकिंग शब्द मंजूषा 42

पुस्तक समीक्षा 43

चित्र बोलता है 50

अक्षय्यम्, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सभी स्टाफ सदस्यों/ पूर्व स्टाफ सदस्यों के लिए प्रकाशित की जाती है। इसमें व्यक्त विचारों से बैंक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

ईएसजी-कल, आज और कल

अमित कुमार श्रीवास्तव
वरिष्ठ प्रबंधक
बीएसएलयू, वाराणसी क्षेत्र

ईएसजी को हर कोई पहचान कर बोल तो लेता है पर समझता हर कोई नहीं है। किसी से भी पूछो तो इसका फुल फॉर्म एनवायरनमेंट (पर्यावरण), सोशल (सामाजिक) एवं गवर्नेंस (शासन) बता देगा, परंतु समझा पाना मुश्किल होगा। यहां हम ईएसजी को समझने का प्रयास करेंगे।

ईएसजी का इतिहास

पर्यावरण, सामाजिक और कॉर्पोरेट प्रशासन (ईएसजी), जिसे पर्यावरण, सामाजिक और शासन के रूप में भी जाना जाता है, कंपनियों में निवेश करते समय विचार किए जाने वाले पहलुओं का एक समूह है जो पर्यावरण, सामाजिक और कॉर्पोरेट प्रशासन से जुड़े बिंदुओं को ध्यान में रखने की सिफ़ारिश करता है।

सन 2020 के बाद से, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की ओर से ईएसजी डेटा को उनके काम के आधार पर सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ जोड़ने हेतु प्रोत्साहन में तेजी आई है, जो सन 1980 के दशक में शुरू हुआ था। ईएसजी शब्द का प्रयोग सबसे पहले सन 2004 में 'हू केयर्स विन्स' नामक रिपोर्ट में किया गया था, जो संयुक्त राष्ट्र के निमंत्रण पर वित्तीय संस्थानों की एक संयुक्त पहल थी।

ईएसजी आज के दौर में

आज के दौर में प्रत्येक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में ईएसजी का बहुत महत्त्व है। ईएसजी का मतलब 'पर्यावरण, सामाजिक और शासन' है। ईएसजी को प्रथाओं (नीतियों, प्रक्रियाओं, मेट्रिक्स, आदि) के एक सेट के रूप में वर्णित किया जा सकता है, जो संगठन पर्यावरण, समाज और शासन निकायों पर नकारात्मक प्रभाव को सीमित करने या सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाने के लिए लागू करते हैं।

हाल के वर्षों में, निवेशक अपने निवेश निर्णयों में ईएसजी मानदंडों के महत्व के बारे में अधिक जागरूक हो गए हैं और इसी क्रम मे कई व्यवसायों ने ईएसजी को अपने संचालन और व्यावसायिक रणनीतियों में सम्मिलित करना भी शुरू कर दिया है।

ऐसी रणनीति जिसमें समाज की भलाई हो, पर्यावरण का कोई नुकसान न हो और इसके साथ ही पारदर्शी नीतियों के माध्यम से संगठन अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर हो, यही ईएसजी का मूल मंत्र है।

प्रभावी निवेश वो निवेश होता है जो न केवल वित्तीय रिटर्न अर्जित करें, अपितु समाज और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव भी डाले। साथ ही, मौलिक रूप से सही मापदंडों को प्रदर्शित भी करे जैसे उदाहरण के तौर पर तंबाकू, शराब और जुआ व्यवसायों से परहेज़ करना।

यहां यह भी ध्यान रखना महत्त्वपूर्ण है कि ईएसजी निवेश सीएसआर और प्रभावी निवेश से अलग है, जैसे ईएसजी निवेश, निवेश निर्णयों को निर्देशित करने के लिए पर्यावरण, सामाजिक और शासन कारकों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और सीएसआर निवेश समाज के प्रति कंपनी की ज़िम्मेदारी पर केंद्रित हैं और प्रभाव निवेश का लक्ष्य वित्तीय रिटर्न के साथ-साथ एक मापने योग्य और सकारात्मक सामाजिक या पर्यावरणीय प्रभाव उत्पन्न कराना है।

व्यवसायों और निवेशकों के लिए ईएसजी का महत्त्व

ईएसजी प्लस एक मूल्यांकन तकनीक के रूप मे कार्य करता है जिसे पर्यावरण, समाज और शासन से जुड़े बिन्दुओं को ध्यान में रख कर बनाया गया है। इस तकनीक के उपयोग से किसी भी कंपनी अथवा किसी भी व्यावसायिक संगठन के जोखिमों और प्रथाओं का मूल्यांकन किया जा सकता है। निजी क्षेत्र की कंपनियां भी इसमें शामिल हैं।

ईएसजी डेटा गवर्नेंस: बैंकों के लिए एक बढ़ती हुई अनिवार्यता

बैंकिंग उद्योग को पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) मुद्दों में तेजी से बदलती मांगों को पूरा करने के लिए बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। नए और विकसित हो रहे नियम ईएसजी-संबंधित डेटा की अधिक पारदर्शिता और प्रकटीकरण की मांग करते हैं। हितधारक और निवेशक निवेश निर्णयों का जलवायु और समाज पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच बढ़ा रहे हैं।

आज के दौर में सभी बैंक इस दिशा में कार्य करने में तत्पर तो हैं पर सभी इस को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं जब कि इस ईएसजी के अनुपालन के लिए अपने आईटी के बुनियादी ढांचे में महत्त्वपूर्ण बदलाव की मांग को पूर्ण करने की जरूरत है ।

सभी बैंकिंग इकाइयों को ईएसजी स्कोर कार्ड जिसमें अपनी नीतियों को पर्यावरण अनुकूल (कम से कम यानी पपेरलेस परंतु भरोसेमंद) आईटी प्लेटफार्म, सामाजिक तौर पर लोगों के हित में और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना अति आवश्यक है और बिना किसी भेद भाव के, सरलता से समाज की बेहतरी के लिए निरंतर कार्य प्रणाली को और उत्कृष्ट बनाने की दिशा में कार्य करना होगा।

***

डिजिटल बैंकिंग और भाषा

जया मिश्रा
मुख्य प्रबंधक एवं शिक्षण प्रमुख
बड़ौदा अकादमी, नई दिल्ली

भारत में बैंकिंग का इतिहास बहुत पुराना रहा है। सन 1770 ई. में बैंक ऑफ़ हिंदुस्तान की स्थापना से शुरू हुई भारतीय बैंकिंग आज विश्व में एक सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। इस सवा दो सौ वर्षों की लंबी यात्रा में भारतीय बैंकिंग ने कई पड़ाव देखे हैं। स्वतंत्रता के पश्चात जब भारतीय अर्थव्यवस्था को एक सशक्त बैंकिंग जैसे मेरुदंड की आवश्यकता थी तब बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया। तत्कालीन सरकार द्वारा 19 जुलाई, 1969 को 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया और इसी क्रम में 1980 में 6 और बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ। राष्ट्रीयकरण के पहले तक भारत में बैंकिंग सेवा एक विशेष वर्ग तक ही सीमित थी जिसे क्लास बैंकिंग की संज्ञा दी गई थी। राष्ट्रीयकरण के पश्चात क्लास बैंकिंग का स्वरूप बदलकर मास बैंकिंग की तरफ अग्रसर हुआ और बैंकिंग को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास सतत् चलता रहा।

अपनी इस लंबी यात्रा में बैंकिंग समय के साथ अपना स्वरूप बदलती रही है। इस लंबी अवधि में भारतीय बैंकिंग ने मैनुअल बैंकिंग से कम्प्यूटर तक का सफर, एक छोटी सी बैंकिंग सेवा जैसे पैसे निकालने के लिए एक लंबी लाइन में खड़े होने से एटीएम से चौबीसों घंटे किसी भी समय पैसे निकाल पाने की सुविधा तक का सफर तय किया है।

यदि हम इधर 10 वर्षों के सफर पर दृष्टिपात करें तो हम पाते हैं कि बैंकिंग सेवा ब्रिक और मोर्टार की पारंपरिक शाखाओं से निकलकर लोगों की हथेली तक पहुंच चुकी है। बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली अधिकांश सेवाएं अब मोबाइल के माध्यम से लोगों को कहीं भी किसी भी समय उपलब्ध हैं। बैंकिंग अब डिजिटल बैंकिंग का स्वरूप ले रही है जहां डिपॉजिट संबंधी सेवाओं से लेकर ऋण प्रदान करने तक का कार्य भी डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से किया जा रहा है।

बैंकिंग का डिजिटल स्वरूप पिछले दस पंद्रह वर्षों से परिवर्तित हो रहा था, लेकिन इसे गति प्रदान की 2016 की नोटबंदी और बाद में कोविड ने। नोट बंदी और कोविड ने लोगों को लेनदेन में डिजिटल माध्यम का उपयोग करने के लिए बाध्य किया और उसके बाद डिजिटल बैंकिंग नित नए आयाम में परिलक्षित हो रही है। अगर हम लेनदेन में डिजिटल स्वरूप की बात करें तो हम पाते हैं कि यूपीआई और मोबाइल बैंकिंग आज विश्व में अपना स्थान बना चुके हैं। विश्व के अन्य कई देशों के कई बैंक यूपीआई को अपनाने की सोच रहे हैं।

डिजिटल बैंकिंग की नींव को भारत सरकार व भारतीय बैंक संघ के ईज़ सुधार एजेंडा ने भी मजबूत किया। ईज़ 1 सुधार एजेंडा में तो विशेषतः एनपीए पर बात की गई और बैंकों को अपनी अनुत्पादक आस्तियों में सुधार के लिए प्रोत्साहित किया गया, लेकिन ईज़ 2 सुधार नियमों के तहत बैंकिंग सेवा को स्मार्ट बनाने पर ज़ोर दिया गया जिससे डिजिटल बैंकिंग को और बल मिला। ईज़ 3 सुधार नियमों के तहत कुछ ऋण सेवाओं को डिजिटल बनाने का लक्ष्य रखा गया जैसे ई शिशु मुद्रा ऋण जिसमें पचास हज़ार तक के ऋण को डिजिटल माध्यम से दिया जाना सुनिश्चित किया गया। ईज़ 4 भी इसी दिशा में एक कदम था जिसमें लोगों तक पहुंचने वाली बैंकिंग सेवा को डिजिटल बनाने पर जोर दिया गया जिससे कि लोग बैंकिंग सेवाओं तक अपनी आसान पहुंच बना सकें। ईज़ 5 सुधार नियमों में तो बैंकिंग को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। डिजिटल बैंकिंग को अधिक से अधिक सुदृढ़ बनाने की बात की गई है जिससे लोगों तक बैंकिंग सेवाओं की पहुंच उस रूप में सुनिश्चित की जा सके जिसकी लोगों को आवश्यकता है। लोगों को आजकल डिजिटल बैंकिंग बहुत भा रही है क्योंकि इस भागदौड़ भरे जीवन में समय का बहुत अभाव है और बैंकिंग सेवाओं के लिए बैंकों की शाखा में जाना लोग पसंद नहीं करते।

इन सुधारों व परिस्थितियों के परिणामस्वरूप बैंकिंग अब करीब-करीब डिजिटल बैंकिंग का स्वरूप धारण कर चुकी है। बैंकों में नित नए डिजिटल उत्पाद अपने ग्राहकों को उपलब्ध कराने की होड सी लग गई है और ग्राहकों का एक तबका ऐसा भी है जिसने कभी बैंक की शाखा में कदम भी नहीं रखा और वे सारी बैंकिंग सेवाएं डिजिटल रूप में प्राप्त कर रहे हैं।

भारत सरकार ने भी, डिजिटल बैंकिंग सुविधा उस वर्ग तक पहुंचाने के लिए जिनके पास डिजिटल बैंकिंग संबंधित आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं या जो तकनीकी रूप से उतने कुशल नहीं हैं, देश के पचहत्तरवें स्वतंत्रता दिवस पर पचहत्तर डिजिटल

बैंकिंग यूनिट्स की स्थापना के निर्देश वाणिज्यिक बैंकों को दिए हैं।

डिजिटलीकरण के इस माहौल में एक यक्ष प्रश्न यह उठता है कि क्या ऐसी भाषा के बगैर जिसकी समझ भारत के हर व्यक्ति को न हो यह डिजिटल बैंकिंग जन-जन तक पहुंच सकती है? बैंकिंग के नए स्वरूप डिजिटल बैंकिंग का जन जन तक पहुँचना अति आवश्यक है क्योंकि बिना सबकी भागीदारी के एक मजबूत अर्थव्यवस्था की नींव नहीं रखी जा सकती जो किसी भी देश की बैंकिंग व्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य होता है। यदि हम भारत में अधिकतम बोली जाने वाले भाषा पर दृष्टिपात करें तो वह स्थान हिंदी को ही प्राप्त है। यदि हम डिजिटल बैंकिंग का फैलाव देश के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुँचाना चाहते हैं तो वह भारत की संपर्क भाषा में ही संभव है और इस संदर्भ में महात्मा गांधी का यह कथन सत्य प्रतीत होता है कि

''हिंदी हमारे राष्ट्र में अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत है।''

राहुल सांकृत्यायन ने भी इस विचार का समर्थन करते हुए लिखा है कि

''इस विशाल प्रदेश के हर भाग में शिक्षित-अशिक्षित, नागरिक और ग्रामीण सभी हिंदी को समझते हैं।''

यदि हम केवल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की तरफ अपना ध्यान आकर्षित करें तो हम पाते हैं कि भारतीय रिज़र्व बैंक के 2020 के आंकड़ों के अनुसार 59.80 प्रतिशत शाखाएं ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं।

मार्च 2020 में सार्वजनिक क्षेत्र की शाखाओं की संख्या

	ग्रामीण	अर्ध शहरी	शहरी	महानगरीय	कुल
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक	29,033	25,647	17,890	18,875	91,445
राष्ट्रीयकृत बैंक	21,214	18,491	13,460	14,269	67,434

भारत मूलतः गांवों का देश है और यदि हम पिछली जनगणना पर दृष्टिपात करें तो हम पाते हैं कि 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की ग्रामीण जनसंख्या 833 मिलियन है जो कुल जनसंख्या का 68.84 प्रतिशत है। अगर हम भारत की साक्षरता दर के आंकड़ों की बात करें तो हम पाते हैं कि स्वतंत्रता के करीब 73 वर्ष बाद भी हम केवल 69.10 प्रतिशत का आंकड़ा ही छू पाए हैं। यद्यपि भारत में अंग्रेजी बोलने और समझने वालों के परिशुद्ध आंकड़े उपलब्ध नहीं है, लेकिन निःसंदेह ये आंकड़े हिंदी बोलने और समझने वालों की तुलना में बेहद कम ही होंगे। जिन बैंकों को अपनी सेवाओं का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण एवं अर्ध शहरी क्षेत्रों को उपलब्ध कराना हो क्या वह भारत में बिना हिंदी के उपयोग के संभव है? निः संदेह नहीं। यदि डिजिटल बैंकिंग को जन-जन तक पहुँचाना है, तो यह केवल हिंदी भाषा की सहायता से ही सुनिश्चित हो सकता है। जनसंख्या के बड़े हिस्से को बैंकिंग सेवा से जोड़ने के लिए अगर कोई सबसे उपयुक्त भाषा संपर्क भाषा हो सकती है तो वह हिंदी और भारतीय भाषाएं ही हो सकती हैं।

एक यक्ष प्रश्न यह भी उठता है कि जहाँ बैंकिंग ने पूर्णतया डिजिटल स्वरूप ले लिया है और बैंकिंग अब डिजिटल बैंकिंग हो चुकी है प्रतिदिन नए ऐप्लिकेशन और नियम व कानून बन रहे हैं, जहाँ दुनियां हथेली में समा चुकी है क्या हिंदी/क्षेत्रीय भाषाएं अपनी वर्तमान स्थिति में मुक़ाबला कर सकेंगी या केवल अंग्रेजी भाषा के सहयोग से डिजिटल बैंकिंग का जन जन तक विस्तार हो सकेगा।

अगर डिजिटल बैंकिंग को जन जन तक पहुँचाना है और लोगों तक डिजिटल बैंकिंग सुविधा को पहुंचा कर देश का समावेशी विकास सुनिश्चित करना है तो हमें डिजिटल बैंकिंग में निम्नलिखित सुधार करने की आवश्यकता है।

सभी डिजिटल बैंकिंग ऐप्लिकेशन में हिंदी व क्षेत्रीय भाषा को अनिवार्य करना: यदि हम मेट्रो शहरों की बात करें तो आजकल लोग अंग्रेजी में ज्यादा सहज महसूस करने लगे हैं, लेकिन यह भाग तो पूरे देश की आबादी का केवल कुछ हिस्सा ही है। भारत गांवों का देश है और अभी भी अधिकांश जनसंख्या गांव और छोटे शहरों में ही निवास करती है तो प्रश्न यह है कि क्या हम बैंकिंग सुविधाओं को डिजिटल रूप में प्रदान करने वाले विभिन्न ऐप्लिकेशन में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग कर इसे जन जन तक पहुँचा सकते हैं - निःसंदेह नहीं। हमें यदि जन-जन तक पहुँचना है, तो हिंदी व क्षेत्रीय भाषा को ही प्रमुखता देनी होगी।

हिंदी को क्लिष्ट रूप में नहीं बल्कि बोलचाल वाली भाषा के रूप में इस्तेमाल किया जाए: हिंदी के प्रति लोगों के कम रुझान का कारण यह भी है कि लोग हिंदी के क्लिष्ट शब्दों से वाकिफ नहीं हैं। इसका परिणाम यह है कि जो व्यक्ति हर वक्त हिंदी में ही बोलता है, उसे भी जब लिखने की बारी आती है तो उसे लगता है कि उसे तो हिंदी आती ही नहीं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वह बोलचाल की भाषा में हिंदी लिखने को उचित नहीं समझता है और हिंदी के क्लिष्ट शब्द उसे आते नहीं। डिजिटल बैंकिंग में भी यही समस्या है। हिंदी भाषा में जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है उसमें भी ग्राहक बहुत सहज महसूस नहीं करता क्योंकि वह अंग्रेजी की अनूदित भाषा होती है और अनूदित भाषा में कभी भी स्वाभाविक प्रवाह नहीं हो सकता।

कोई भी भाषा तब तक ही जीवित रह सकती है जब तक उसमें प्रवाह है अर्थात् वह समय के साथ चल रही हो। समय के साथ विभिन्न शब्दों को उसी रूप में अपना सके जिस रूप में वह बोले जा रहे हों जैसे अंग्रेजी ने 'चाय', 'धोती' आदि शब्दों को अपना लिया। हिंदी भाषा को भी उतना ही लचीला होना पड़ेगा तभी यह लंबे समय तक जन-जन की भाषा बन सकेगी अर्थात् डिजिटल बैंकिंग में हिंदी व क्षेत्रीय भाषा के उस रूप का प्रयोग किया जाए, जो जन-जन की बोलचाल की भाषा है।

डिजिटल बैंकिंग उत्पादों व सेवाओं की जानकारी हिंदी व क्षेत्रीय भाषा में उपलब्ध कराना: किसी भी संस्था के पास कितने भी अच्छे उत्पाद क्यों न हो, सेवा की गुणवत्ता कितनी भी उत्कृष्ट क्यों न हो, लेकिन यदि उसकी जानकारी लोगों तक उपलब्ध नहीं है, तो सफलता की संभावना सीमित हो जाती है। अतः डिजिटल बैंकिंग के असीमित विस्तार के लिए यह अनिवार्य है कि लोगों तक उसकी जानकारी पहुंचाई जाए और लोगों को इसके प्रति जागरूक बनाया जाए। बड़ी-बड़ी कंपनियां विपणन रणनीति पर करोड़ों रुपये खर्च करती हैं जिससे कि वह अरबों कमा सकें। बैंकों के विपणन विभाग ने भी आजकल विपणन के इस मर्म को समझा है और अपने बैंक के उत्पादों विशेषतः डिजिटल उत्पादों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न माध्यमों जैसे सोशल मीडिया, यूट्यूब, पोस्टर्स आदि का सहारा ले रही हैं। हमें डिजिटल उत्पादों की विपणन रणनीति बनाते समय यह ध्यान रखना पड़ेगा कि लोगों में जागरूकता उस भाषा में ही पहुंचाई जाए जिसमें लोग सहज महसूस करें ।

डीबीयू में हिंदी व क्षेत्रीय भाषा को जानने वाले कार्मिकों की तैनाती: भारत सरकार ने भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में और ईज़ 5 सुधार दिशानिर्देशों के अनुपालन का लक्ष्य रखते हुए 75 डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स की स्थापना का संकल्प लिया है जिसमें कुछ स्थापित भी किए जा चुके हैं। सरकार की इस पहल का उद्देश्य डिजिटल बैंकिंग को समाज के वैसे हिस्से तक पहुँचाना है जिन्हें इंटरनेट व अन्य आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। इस संकल्पना के तहत वैसे ग्राहकों को बैंक कर्मचारियों द्वारा सहायता भी प्रदान की जाएगी, जो तकनीक का उपयोग स्वयं करने में सहज नहीं हैं। यदि डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स में पदस्थ कार्मिक हिंदी या उस क्षेत्र की क्षेत्रीय भाषा का ज्ञान नहीं रखेंगे तो ग्राहकों को जरूरी सहायता उनकी भाषा में प्रदान करना संभव नहीं हो सकेगा। अतः डिजिटल बैकिंग को डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने में भी हिंदी व क्षेत्रीय भाषा का महत्त्वपूर्ण योगदान होगा।

डिजिटल बैंकिंग के एक आयाम चैट बॉट, वॉइस कमांड आदि में भाषा की भूमिका: डिजिटल बैंकिंग का एक नया आयाम चैट बॉट और वॉइस कमांड के माध्यम से बैंकिंग सेवा का उपयोग करना है। यह डिजिटल बैंकिंग का नवीनतम स्वरूप है। इस माध्यम से की गयी बैंकिंग में भाषा का महत्त्वपूर्ण स्थान होगा क्योंकि इस प्रणाली में बोलकर बैंकिंग सुविधाएं प्राप्त की जा सकेंगी। यदि हम भारत में अंग्रेजी भाषी लोगों के प्रतिशत पर ध्यान आकर्षित करें तो पाते हैं कि अभी भी कुल जनसंख्या का अधिकांश प्रतिशत अंग्रेजी नहीं बोल सकता। अतः डिजिटल बैंकिंग का यह नवीनतम आयाम पूर्णतया भाषा आधारित है। यदि इन सुविधाओं में हिंदी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को उचित स्थान नहीं दिया गया, तो डिजिटल बैंकिंग की ये सुविधाएं एक विशेष वर्ग के लिए ही आरक्षित रह जाएंगी।

डिजिटल बैंकिंग में हिंदी व क्षेत्रीय भाषा को प्रमुखता देने का साइबर क्राइम पर प्रभाव: जैसे-जैसे डिजिटल बैंकिंग का विस्तार होगा वैसे-वैसे साइबर क्राइम के खतरे भी बढ़ेंगे। डिजिटल बैंकिंग द्वारा दी जाने वाली सुविधाएं यदि केवल अंग्रेजी में होंगी तो साइबर क्राइम के खतरे ज्यादा होंगे क्योंकि बिना भाषा को समझे यदि बैंकिंग सेवा का उपयोग किया जाए तो ठगे जाने की संभावना अधिक होती है। उदाहरणस्वरूप अंग्रेजी में आए संदेश को बिना समझे कि वो किस विषय से संबंधित है, ओ टी पी शेयर कर देना। अतः डिजिटल बैंकिंग से संबंधित प्रत्येक सुविधा में हिंदी व क्षेत्रीय भाषा का समावेश करना आवश्यक है।

हिंदी व क्षेत्रीय भाषा का प्रमुखता से प्रयोग करने पर डिजिटल बैंकिंग की स्वीकृति बढ़ना: ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों के अधिकांश लोगों में अंग्रेजी भाषा को लेकर एक भय का माहौल होता है और यही कारण है कि यदि डिजिटल बैंकिंग में अंग्रेजी भाषा का प्रमुखता से उपयोग किया जाएगा तो यह डिजिटल बैंकिंग के उपयोग में एक प्रतिकारक का कार्य करेगा। यदि डिजिटल बैंकिंग में हिंदी व क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग किया जाए तो लोगों में भाषा का डर समाप्त होगा और लोग सहजता से डिजिटल बैंकिंग को अपना सकेंगे।

ऐसी सेवा जो लोगों को प्रदान की जाती है, वह लोगों की भाषा में ही सर्वश्रेष्ठ हो सकती है और उसकी अधिकतम स्वीकार्यता भी उसी भाषा में सुनिश्चित की जा सकती है। डिजिटल बैंकिंग ही आज की जरूरत है और इसमें भाषा का उतना ही महत्त्व है जितना कि शाखा द्वारा दी गई बैंकिंग सेवा में या यों कहें कि डिजिटल बैंकिंग में भाषा का महत्त्व और भी ज्यादा है क्योंकि इसमें बैंक कार्मिक जरूरी सहायता करने के लिए ग्राहक के पास उपस्थित नहीं होते। अतः अगर डिजिटल बैंकिंग को जन-जन तक पहुंचाना है और इसके विस्तार को असीमित करना है, तो हिंदी और क्षेत्रीय भाषा को वरीयता देनी ही पड़ेगी।

***

विश्व जल दिवस और भारत के परिप्रेक्ष्य में जल प्रबंधन में जन भागीदारी

नौशाद कुरैशी
शाखा प्रबंधक
सबावाला शाखा, देहारादून क्षेत्र

विश्व जल दिवस पहली बार 22 मार्च, 1993 को मनाया गया था। वर्ष 2023 विश्व जल दिवस, के 30 साल पूरे होने का प्रतीक है। यह वर्ष 1992 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मान्यता दिए जाने के बाद पहली बार 1993 में मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य जागरूकता फैलाना और चले आ रहे जल संकट को कम करने और रोकने के लिए कार्रवाई करना है।

विश्व जल दिवस का उद्देश्य स्वच्छता से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालना भी है। विश्व स्तर पर स्वच्छता की समस्या भी जल के मुद्दों से जटिल रूप से जुड़ी हुई है। जल और स्वच्छता की प्रकृति ऐसी है कि स्वच्छता के लिए स्वच्छ जल आवश्यक है और स्वच्छता, स्वच्छ जल निकायों और अदूषित जल को भी सुनिश्चित करती है। विश्व जल दिवस 2023 की थीम '**जल और स्वच्छता संकट को हल करने के लिए परिवर्तन में तेजी लाना**' है। यह थीम न केवल वैश्विक नेताओं और व्यापारियों को परिवर्तन में तेजी लाने के लिए आमंत्रित करती है बल्कि हम आम नागरिकों को परिवर्तन ला सकने वाले के रूप में भी मान्यता देती है। यह माना जाता है कि यदि हम सभी जल का उपभोग करने के तरीके को बदल दें तथा स्थिरता और न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करें, तो जल संकट को काफी हद तक टाला जा सकता है। विश्व जल दिवस की थीम समुदाय, समाज और राष्ट्रीय स्तर पर लोगों से सामूहिक कार्रवाई का आह्वान करती है।

जल, मानव अस्तित्व को बनाए रखने के लिए एक प्रमुख प्राकृतिक संसाधन है। यह न केवल ग्रामीण और शहरी समुदायों की स्वच्छता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है बल्कि कृषि के सभी स्वरूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिए भी आवश्यक है, परंतु विशेषज्ञों ने सदैव ही जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि भारत एक गंभीर जल संकट के कगार पर है। मौजूदा जल संसाधन संकट में हैं, देश की नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहे हैं और भूजल स्तर लगातार घट रहा है। इन सब के बावजूद जल संकट और उसके प्रबंधन का विषय भारत में आम जनता की चर्चाओं में स्थान नहीं पा सका है।

जल संकट– वर्तमान स्थिति:

भारत में जल उपलब्धता व उपयोग के तथ्यों पर विचार करें तो भारत में वैश्विक ताज़े जल स्रोत का मात्र 4 प्रतिशत मौजूद है, जिससे वैश्विक जनसंख्या के 18 प्रतिशत (भारतीय आबादी) हिस्से को जल उपलब्ध कराना होता है। देश भर में लगभग 330 मिलियन लोग (देश की एक चौथाई आबादी) गंभीर सूखे के कारण प्रभावित हुए हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि देश भर के लगभग 21 प्रमुख शहर (दिल्ली, बंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य) शून्य भूजल स्तर तक पहुंच जाएंगे एवं इसके कारण लगभग 100 मिलियन लोग प्रभावित होंगे। साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2030 तक भारत में जल की मांग, उसकी पूर्ति से लगभग दोगुनी हो जाएगी।

आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत के शहरी क्षेत्रों में 970 लाख लोगों को पीने का साफ जल नहीं मिलता है, जबकि देश के ग्रामीण इलाकों में तकरीबन 70 प्रतिशत लोग प्रदूषित जल पीने और 33 करोड़ लोग सूखे वाली जगहों में रहने को मजबूर हैं।

भारत में लगभग 70 प्रतिशत जल प्रदूषित है, जिसकी वजह से **'वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक'** में **भारत 122 देशों में 120वें स्थान** पर है। भारत की कुल जनसंख्या के हिसाब से वर्तमान में 75% जनसंख्या के समक्ष पेयजल संकट की समस्या है। देखा जाए तो हमारे देश में जल की कमी नहीं है, बल्कि कमी है तो जल प्रबंधन की। आवश्यकता है कि जल नियोजन के उचित तरीकों के प्रयोग में जन भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

देश में जल की खपत:

देश में जल की कुल खपत का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र में प्रयोग किया जाता है, जबकि केवल 10 प्रतिशत उद्योगों में और केवल 5 प्रतिशत जल घरों में प्रयोग होता है।

वर्तमान में जल प्रबंधन की स्थिति:

भारत में बहने वाली मुख्य नदियों के अलावा हमें औसतन सालाना 1170 बिलियन क्यूबिक मीटर बारिश का जल मिल जाता है। इसके अलावा, नवीकरणीय जल संरक्षण से भी हमें प्रतिवर्ष 1608 बिलियन क्यूबिक मीटर जल हर साल मिल जाता है। जिस तरह का मजबूत बैकअप हमें मिला है और दुनिया का जो नौवाँ सबसे बड़ा फ्रेश वॉटर रिज़र्व हमारे पास है, उसके बाद भारत में व्याप्त जल की समस्या स्पष्टतः जल संरक्षण को लेकर हमारे अकुशल-प्रबंधन को दर्शाती है, न कि जल की कमी को।

जल प्रबंधन का अर्थ

जल प्रबंधन का आशय जल संसाधनों के इष्टतम प्रयोग से है और जल की लगातार बढ़ती मांग के कारण देशभर में जल के उचित प्रबंधन की आवश्यकता कई वर्षों से महसूस की जा रही है। जल प्रबंधन के अंतर्गत जल से संबंधित जोखिमों जैसे- बाढ़, सूखा और संदूषण आदि के प्रबंधन को भी शामिल किया जाता है। यह प्रबंधन स्थानीय प्रशासन के साथ-साथ जन भागीदारी के बिना सफल होना संभव नहीं है।

जल प्रबंधन में जन भागीदारी की आवश्यकता क्यों?

देश में जनसंख्या विस्फोट के कारण विभिन्न जल निकायों जैसे- नदियों, झीलों और तालाबों में प्रदूषण का स्तर दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। देश के अधिकांश हिस्सों में भूजल स्तर अपेक्षाकृत काफी नीचे चला गया है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों विशेषकर ग्राम पंचायतों/विधायकों को जिम्मेदारी के साथ आंदोलनकारी के रूप में जल संरक्षण के इस कार्य को आगे बढ़ाना होगा। जल प्रबंधन देश में कृषि के लिए कुशल सिंचाई पद्धतियों को विकसित करने में मदद करता है। हैंडपंप, ट्यूबवेल एवं कुओं तथा तालाबों का पुनर्भरण कर उसे रिचार्ज करना होगा। कम लागत से खेत तालाब बनाकर उनका संरक्षण करना तथा वर्षा जल के बहते पानी को रोक कर धरती को सजल बनाना होगा। **'खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में'** को चरितार्थ करना होगा।

जल प्रबंधन प्रकृति और मौजूदा जैव विविधता के चक्र को बनाए रखने में मदद करता है। जन-जन तक इस बात को पहुंचाना होगा, जिससे जन-साधारण प्रबंधन को स्थानीय निकायों का दायित्व न समझ कर अपना नैतिक दायित्व समझे।

देश के कई जलविहीन सूखा क्षेत्रों ने इस चुनौती को स्वीकार कर इससे निपटने का तरीका खोज निकाला है। राजस्थान जैसे सूखे क्षेत्रों में नागरिकों ने नए जल स्त्रोतों का निर्माण किया है तथा पुराने जल स्त्रोतों का उद्धार कर उन्हें पुनर्जीवित किया है। इससे पूरे क्षेत्र में जन चेतना का संचार हुआ है। जन भागीदारी से देश के अन्य सूखा क्षेत्रों के लोग भी वे कार्य कर सकते हैं, जो कठिन है। वस्तुतः समय कि यह मांग है कि समूचा समाज एकजुट हो पेयजल संकट कि इस चुनौती का सामना करें तथा भविष्य के लिए इसे एक अवसर में रूपांतरित करें।

जल संरक्षण के उपाय:

जल संवर्धन का पहला सिद्धांत है, जल का संरक्षण उसी स्थान पर होना चाहिए जहां जल की बूंदे गिरती हैं। जब पृथ्वी पर गिरी जल की बूंद अपने स्थान से आगे बढ़ जाती है, तो उसके संरक्षण का प्रयास अनर्थकारी हो जाता है। धरती के भीतर जल संरक्षण सतही नमी के दबाव से होता है। पानी अपने दबाव से धरती के भीतर अपने लिए जगह बनाता है। यदि वर्षा की बूंदें गिरने के बाद बह जाती हैं, तो धरातल पर अपेक्षित सजलता उत्पन्न नहीं कर पाती, इसलिए आवश्यक है कि वर्षा की बूंदें जहाँ गिरे, वहीं उसका संरक्षण हो, वही रुके और जब उस स्थान पर प्रर्याप्त मात्रा में सजलता आ जाए, तभी बूंदें आगे बढ़ें।

अन्य तरीके:

1. रेनवाटर हार्वेस्टिंग द्वारा जल का संचयन।
2. वर्षा जल को सतह पर संग्रहीत करने के लिए टैंक, तालाबों और चेक-डैम आदि की व्यवस्था।

3. प्राकृतिक जल निकायों की देखभाल करना
4. सिंचाई प्रणालियां
5. कुओं एवं नलकूपों का पुर्नभरण
6. पानी के तेज बहाव को रोकना

भविष्य की राह: भारत में जल प्रबंधन संस्थानों के कामकाज में नौकरशाही, गैर-पारदर्शी और गैर-भागीदारी वाला दृष्टिकोण अभी भी जारी है। अतः इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि देश के जल प्रशासन में सुधार की आवश्यकता है और इसमें जनभागीदारी की आवश्यकता के बिना सफलता मिलना मुश्किल है।

यह आवश्यक है कि सूखे और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की विश्वसनीय जानकारी और उससे संबंधित आँकड़े हमें जल्द-से-जल्द उपलब्ध हों ताकि समय रहते इनसे निपटा जा सके और संभावित क्षति को कम किया जा सके।

आवश्यक है कि भूजल स्तर को बढ़ाने और भूजल उपयोग को विनियमित करने संबंधी महत्त्वपूर्ण निर्णय अतिशीघ्र लिए जाएं। देश में नदियों की स्थिति दयनीय बनी हुई है, इसलिए आवश्यक है कि देश में नदियों की स्थिति पर गंभीरता से विचार किया जाए और उन्हें प्रदूषण मुक्त करने हेतु उपर्युक्त नीतियों का निर्माण किया जाए।

निष्कर्ष :

जल पृथ्वी का सर्वाधिक मूल्यवान संसाधन है और हमें न केवल अपने लिए इसकी रक्षा करनी है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी इसे बचा कर रखना है। वर्तमान समय में जब भारत के साथ-साथ संपूर्ण विश्व जल संकट का सामना कर रहा है तो आवश्यक है कि इस ओर गंभीरता से ध्यान दिया जाए। भारत में जल प्रबंधन अथवा संरक्षण संबंधी नीतियाँ मौज़ूद हैं, परंतु समस्या उन नीतियों के कार्यान्वयन के स्तर पर है। अतः नीतियों के कार्यान्वयन में मौजूद शिथिलता को दूर कर उनके बेहतर क्रियान्वयन एवं जन भागीदारी को सुनिश्चित किया जाना चाहिए, जिससे देश में जल के अकुशल प्रबंधन की सबसे बड़ी समस्या का समाधान किया जा सके।

***

मैं चाहता हूं

मन कृष्ण हो सबका प्रभु मैं चाहता हूं
हो सुदामा, साथ वैभव-द्वारिका मैं चाहता हूं
होके प्रभु सामर्थ्यशाली सारथी मन हो सभी का
बांसुरी सा रस हो जीवन में प्रभु मैं चाहता हूं ।।

आपका जीवन सुदर्शन सा हो गतिमय चाहता हूं
मृत्यु-फन पर पूर्णता का नृत्य हो मैं चाहता हूं
चाहता हूं कृष्ण यानी चेतना हो हर हृदय में
ताकि मिट जाए अंधेरा मन हो पावन चाहता हूं ।।

अहम, तम, मैं और मेरा मिट जाए सबमें चाहता हूं
धर्म, जाति, अर्थ की सब बेड़ियां, टूट जाएं चाहता हूं
चाहता हूं आपका व्यक्तित्व 'अनुभव' होवे ऐसा
करे आकर्षित सभी के चित्त को मैं चाहता हूं ।।

अनुभव मौर्य
प्रबंधक
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र विभाग
बरेली शहर क्षेत्रीय कार्यालय

जल एक जीवन

जल है अनमोल, इसका न तोल,
जल बर्बादी छोड़, कुछ पेड़ लगाएं,
सूख रही नदियां, कट रही वादियां,
जल प्रबंध कर, तपती धरा बचाएं,
ऐ नादान मानव, आज जीवन बचाएं ।।

जल है... कल, जल है... जीवन,
धन सा संभाल, व्यर्थ न बहाएं,
कट रहे पेड़, फट रहे मेड़,
वृक्ष रोपन कर, धरा हरी बनाएं ।।
प्रकृति छेड़छाड़ छोड़, परिंदा सा पथ मोड़ ,
जल अमृत अनमोल, इसका मोल चुकाएं
ऐ नादान मानव, आज जीवन बचाएं ।।

गोपाल तिवारी
प्रबंधक
विपणन विभाग
क्षेत्रीय कार्यालय, पीलीभीत

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता

अमित कुमार
प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु ग्रामीण

किसी भी व्यक्ति की दिनचर्या पर मानसिक स्वास्थ्य का काफी असर पड़ता है। जब व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ होता है, तो उसका हर काम काफी अच्छे से होता है। लेकिन, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर व्यक्ति दिनभर चिड़चिड़ा महसूस कर सकता है। ऐसे में मानसिक समस्याओं से बचाव करना जरूरी है और इसके लिए सबसे पहले यह समझना होगा कि मानसिक स्वास्थ्य क्या है।

मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ:

मानसिक स्वास्थ्य एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति जीवन के तनावों का सामना करने, अपनी क्षमताओं का एहसास करने, अच्छी तरह से सीखने और अच्छी तरह से काम करने और समाज के प्रति योगदान करने में सक्षम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, मानसिक स्वास्थ्य को परिभाषित करते हुए कहता है कि यह सलामती की एक स्थिति है जिसमें किसी व्यक्ति को अपनी क्षमताओं का एहसास रहता है, वह जीवन के सामान्य तनावों का सामना कर सकता है, लाभकारी और उपयोगी रूप से काम कर सकता है। मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ है हमारा भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्वास्थ्य। हम क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं और कैसे व्यवहार करते हैं, यह सब मानसिक स्वास्थ्य के अंतर्गत आता है।

मानसिक स्वास्थ्य का उद्देश्य

भारत सरकार ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ सन् 1982 में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किया है:

- निकट भविष्य में सभी के लिए न्यूनतम मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की उपलब्धता और पहुंच सुनिश्चित करना, विशेष रूप से आबादी के सबसे कमजोर और वंचित वर्गों के लिए
- सामान्य स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक विकास में मानसिक स्वास्थ्य ज्ञान के अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करना।
- मानसिक स्वास्थ्य सेवा विकास में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना और समुदाय में स्व-सहायता के प्रयासों को प्रोत्साहित करना।
- मानसिक स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से सामान्य स्वास्थ्य देखभाल में सुधार।
- राष्ट्रीय स्तर पर जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए मानसिक स्वास्थ्य अवधारणाओं का उपयोग करना।

मानसिक स्वास्थ्य क्यों महत्त्वपूर्ण है?

मानसिक स्वास्थ्य महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इसके बिना जीवन के सभी कार्य प्रभावित होते हैं। मानसिक स्वास्थ्य का उद्देश्य निम्न कार्यों में सहायक भूमिका निभाता है:

- तनाव से जूझने
- शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने
- लोगों से अच्छे संबंध बनाए रखने
- सामाजिक कार्य में योगदान देने
- उत्पादक कार्य करने के लिए
- अपनी क्षमता को जानने में
- स्ट्रोक, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग के जोखिम से बचने के लिए

सामान्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकार

चिंता – मानसिक स्वास्थ्य संबंधी एक विकार चिंता है। चिंता के कारण वास्तविक या काल्पनिक स्थितियों में अत्यधिक चिंता या भय उत्पन्न हो सकता है।

खिन्नता – यह मानसिक समस्या सामान्य उदासी या दुख से अलग होती है। इसमें व्यक्ति को काफी दुख, क्रोध, निराश या हताशा हो सकती है।

द्विध्रुवी विकार – इस समस्या से जूझ रहे व्यक्ति को बारी-बारी से मेनिया (असामान्य रूप से भावनाओं को प्रकट करना) और अवसाद होता है।

भोजन विकार – यह विकार भोजन और शरीर की छवि से संबंधित जुनूनी व्यवहार होता है। इस समस्या में व्यक्ति बहुत कम खाता है या फिर जरूरत से ज्यादा खाने लगता है।

नशे की लत विकार – इस मानसिक समस्या के अंतर्गत

व्यक्ति को शराब या ड्रग्स जैसे नशीले पदार्थों की लत लग सकती है। इस लत के कारण व्यक्ति की जान को भी जोखिम हो जाता है।

व्यक्तित्व विकार – इस स्थिति में व्यक्ति की व्यक्तित्व में पूरी तरह बदलाव हो जाता है। इससे व्यक्ति के सोचने-समझने, खाने-पीने और सोने के समय में भी बदलाव होता है, जिसका असर व्यक्ति के रिश्तों पर भी पड़ सकता है। इससे व्यक्ति को तनाव होना भी काफी आम हो जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति के कारण और जोखिम कारक

- परिवार में पहले किसी को मानसिक समस्या होना
- तनाव और बचपन में हुए दुर्व्यवहार के कारण
- मस्तिष्क में रासायनिक असंतुलन
- मस्तिष्क की चोट
- गर्भावस्था के दौरान वायरस और जहरीले रसायनों के संपर्क में आना
- शराब और ड्रग्स का उपयोग
- कैंसर जैसी गंभीर समस्या होना
- अकेलापन महसूस होना

मानसिक स्वास्थ्य को कैसे बेहतर बनाए रखें

1. व्यायाम

मानसिक स्वास्थ्य के उपाय के तौर पर व्यायाम कर सकते हैं। दरअसल, व्यायाम के दौरान होने वाली शारीरिक गतिविधि से तनाव और अवसाद कम होता है। साथ ही, यह मनोदशा में सुधार करने का भी काम कर सकता है। इसलिए, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए व्यायाम करना जरूरी है।

2. ध्यान

यह मन और शरीर का अभ्यास होता है, जिसे ध्यान केंद्रित करने के लिए किया जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है। ध्यान के कई तरीके होते हैं, जिसे दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है। इनमें माइंडफुलनेस मेडिटेशन और ट्रांसेंडेंटल मेडिटेशन भी शामिल हैं। ये दोनों ध्यान करने की तकनीक हैं, जिनके माध्यम से मन को शांत रखा जा सकता है।

3. विश्राम तकनीक

व्यायाम के माध्यम से पूरे शरीर को आराम दिया जा सकता है। इस तकनीक के मदद से रक्तचाप और मांसपेशियों में तनाव व मानसिक तनाव को कम करने में सहायता मिल सकती है। इससे मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर हो सकता है।

4. लिखना

कई सारी चीजों को दिमाग में रखने से टेंशन हो सकती है। इससे मानसिक स्वास्थ्य धीरे-धीरे बिगड़ता जाता है। ऐसे में लेखन की मदद से चीजों को दिमाग से निकालने से मन को हल्का महसूस हो सकता है। इससे मूड बेहतर करने में भी सहायता मिल सकती है।

5. समय प्रबंधन रणनीति

समय प्रबंधन रणनीति चिंता, अवसाद, नींद की गुणवत्ता में सुधार करने के साथ ही नकारात्मक भावनाओं से बचाने का काम कर सकता है। इस ट्रेनिंग के दौरान यह खास ध्यान दिया जाता है कि व्यक्ति का ध्यान परेशान करने वाली बातों में न जाए और उसका दिमाग किसी-न-किसी कार्य में व्यस्त रहे।

6. दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताना

मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने में दोस्तों और परिवार के सदस्यों की भी अहम भूमिका होती है। सोशल सपोर्ट और लोगों से मजबूत रिश्ता होने पर इंसान अपने मन की सारी बातें खुलकर एक दूसरे से साझा कर सकता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है। साथ ही तनाव, चिंता जैसे मानसिक विकार दूर रहते हैं।

अच्छे मानसिक स्वास्थ्य का लाभ

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 10 अक्तूबर 2022 को भारत के राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया था। अपनी स्थापना के बाद से ही इस सेवा का उद्देश्य एक डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना करना है, जिससे मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को बढ़ावा मिला है।

भारत का राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम क्षमता निर्माण पहल के माध्यम से राष्ट्र के मानसिक स्वास्थ्य कार्यबल के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करता है। इसके साथ-साथ यह सुनिश्चित करता है कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रत्येक घर और प्रत्येक व्यक्ति तक नि:शुल्क पहुंच सकें और समाज के सबसे कमजोर, वंचित और अनजान तबके को लक्षित कर सकें।

यदि आपका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा है, तो आपके पास खुशी, प्रेम और करुणा आदि भावनाएं हो सकती हैं और आप जीवन से आम तौर पर संतुष्ट महसूस करते हैं। आपको यह भी महसूस होने की संभावना है कि आप एक समुदाय से संबंधित हैं और समाज में योगदान दे रहे हैं।

***

रिटेल कारोबार की आवश्यकता, स्थिति, चुनौतियाँ एवं संभावनाएं

आशीष गौरव
प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय, नवी मुंबई

रिटेल कारोबार, एक निर्धारित स्थान से, जैसे एक डिपार्टमेंट स्टोर, बुटीक, कियोस्क या मेल द्वारा, एक अल्प या व्यक्तिगत मात्रा में खरीदार द्वारा सीधे खपत के लिए वस्तुओं या माल की बिक्री से निर्मित होता है। रिटेल कारोबार में गौण सेवाएं भी शामिल हो सकती हैं, जैसे सुपुर्दगी, खरीदार, एक व्यक्ति या व्यवसाय हो सकता है। वाणिज्य में, एक 'रिटेल कारोबारी', निर्माता या आयातकर्ता से बड़ी मात्रा में या तो सीधे या किसी थोक व्यापारी के माध्यम से माल या उत्पाद खरीदता है और फिर अंतिम उपयोगकर्ता को छोटी मात्रा में बेचता है। रिटेल कारोबारी आपूर्ति श्रृंखला के अंत में होते हैं। विनिर्माण विपणक, रिटेल कारोबार की प्रक्रिया को अपनी समग्र वितरण रणनीति के एक आवश्यक हिस्से के रूप में देखते हैं। 'रिटेल कारोबारी' शब्द का वहां भी उपयोग किया जाता है जहां सेवा प्रदाता बड़ी संख्या में व्यक्तियों की जरूरतों की आपूर्ति करता है, उदाहरण के लिए सार्वजनिक उपयोगिता जैसे विद्युत् ऊर्जा। एक बाजार वह स्थान होता है जहां माल और सेवाओं का आदान-प्रदान होता है। परंपरागत हाट, वह चौक है जहां व्यापारी दुकानें लगाते हैं और खरीदार सामानों को खंगालते हैं। इस तरह के बाजार बहुत पुराने हैं और इस तरह के अनगिनत बाजार अभी भी पूरी दुनिया में संचालित होते हैं। दुनिया के कुछ हिस्सों में, रिटेल कारोबार में अभी भी परिवार-संचालित छोटी दुकानों का वर्चस्व है, लेकिन इस बाजार पर अब रिटेल श्रृंखलाओं का तेजी से कब्जा होता जा रहा है। रिटेल को आम तौर पर उत्पादों के निम्नलिखित प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है:

- खाद्य उत्पाद
- नरम वस्तुएं - वस्त्र, परिधान और अन्य कपड़े
- कठोर वस्तुएं ('कठोर-श्रृंखला के रिटेल विक्रेता') - उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर, खेल के सामान, आदि

रिटेल कारोबार की आवश्यकता एवं स्थिति

एक रिटेल लेनदेन आमतौर पर तब पूर्ण होता है जब खरीदार द्वारा माल या सेवाओं के लिए भुगतान कर दिया जाता है। बड़े रिटेल विक्रेताओं जैसे अमेज़न, वॉलमार्ट, टेस्को और सेन्सबरी को निर्माताओं या थोक विक्रेताओं से माल प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। बाद में उन्हें उपभोक्ताओं को मार्क-अप मूल्य निर्धारण तकनीक के अनुरूप बेचा जाता है। बाजार में विशिष्ट कमोडिटीज हैं जिनके लिए एक रिटेलर को विधिवत पंजीकृत होना आवश्यक है।

यह उस मूल कारण का समर्थन करता है कि प्रमाणित खुदरा विक्रेताओं से इलेक्ट्रॉनिक्स खरीदने की अत्यधिक सलाह क्यों दी जाती है। यदि उत्पाद में निर्माण संबंधी दोष हैं, तो एक खरीदार को वारंटी द्वारा संरक्षित किया जाता है जिसमें एक प्रभावी रिटर्न पॉलिसी होती है। ज्यादातर मामलों में, रिटेल विक्रेता उन वस्तुओं को नहीं बेचते हैं, जो उन्होंने स्वयं निर्मित की हैं। बल्कि, वे निर्माता, वितरक, या थोक व्यापारी और अंतिम खरीदार के बीच मध्यस्थ के रूप में काम करते हैं।

अमेज़न या यहां तक कि उल्लेखनीय रिटेल विक्रेता अलीबाबा बाजार में एकमात्र विक्रेता नहीं हैं। काफी दिलचस्प है, एक रिटेलर आपके ब्लॉक के आसपास का छोटा स्टोर हो सकता है जो ब्रांडेड कपड़े बेचता है। चीजों के साधारण दौर में, रिटेल विक्रेता अक्सर अपने संभावित ग्राहकों को इस तरह के उत्पाद बेचते हैं:

- फर्नीचर और अन्य घरेलू सामान
- कपड़े
- किताबें
- ऑटोमोटिव सामान
- आभूषण

रिटेलर्स के प्रमुख कार्य

एक रिटेलर से अपेक्षा की जाती है कि वह उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट सेवाएं दे सकता है। आमतौर पर, थोक व्यापारी अपने उत्पाद निर्माताओं से प्राप्त करते हैं। रिटेलर तब थोक व्यापारी से उत्पादों का स्रोत लेगा। रिटेलर कच्चे माल की तलाश करने, श्रम करने और तैयार उत्पाद बनाने के लिए

सभी प्रयास करता है। रिटेलर को तब अनुशंसित खुदरा मूल्य पर उपभोक्ता को सामान बेचना होगा।

ग्राहकों की संतुष्टि पर ध्यान देने के लिए, ऐसे कई उदाहरण हैं जहां एक रिटेलर को क्रेडिट पर खरीदार को सामान देना पड़ता है। नतीजतन, उन्हें एक जोखिम प्रबंधन योजना शामिल करने की आवश्यकता है ताकि बहुत सारे खराब ऋणों को जमा न करें। इसके अलावा, उत्पाद की गुणवत्ता व्यापारी के उद्देश्यों में सबसे आगे रहने की आवश्यकता है। रिटर्न या चार्जबैक से बचने के लिए जो अंततः आपके लाभ मार्जिन को कम करते हैं, वे बाजार में नए उत्पादों को पेश करते हैं और उसी पर उन्हें शिक्षित करने के लिए सभी संभावित ग्राहकों तक पहुंचते हैं।

रिटेल विक्रेता अपने उत्पादों को कैसे बढ़ावा देते हैं?

रिटेल विक्रेताओं के लिए बहुत सारी विपणन रणनीतियां उपलब्ध हैं। आज के इस दौर में, सोशल मीडिया ने पारंपरिक विज्ञापन विधियों पर आकर्षण प्राप्त किया है। प्रायोजित फेसबुक और इंस्टाग्राम विज्ञापन या यहां तक कि ईमेल विपणन कुछ प्रमुख रणनीतियों के रिटेल विक्रेताओं का उपयोग अपने उत्पादों का विज्ञापन करने के लिए करते हैं। दूसरे शब्दों में, सोशल नेटवर्क में अपने उत्पादों का प्रचार-प्रसार करना गेम जीतने की योजना जैसा है जिसे कारोबारी अक्सर ध्यान में रखते हैं।

एक विशिष्ट नाम और लोगो होने से ग्राहक आपके उत्पादों में विश्वास पैदा करते हैं। रिटेल विक्रेता वितरकों से उत्पाद ले सकते हैं और अपने व्यावसायिक ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए पैकेजिंग को अनुकूलित कर सकते हैं। ई-कॉमर्स उद्योग में फ्लैश बिक्री नए मानदंड हैं। यह ग्राहकों की नजर को पकड़ने का एक साधन है। आखिरकार, व्यापारी बहुत कम कीमत पर उत्पाद बेचेंगे जो ग्राहकों को खरीदारी करने के लिए लुभाता है। एक रिटेलर को सटीक आंकड़ों के साथ काम करने की आवश्यकता होती है और यह वह जगह है जहाँ एक शक्तिशाली पीओएस रिटेल सिस्टम आता है। यदि कोई रिटेलर ऑनलाइन आइटम बेचने का विरोध करता है, तो पूरी जांच प्रक्रिया निर्बाध होनी चाहिए।

किसी भी रिटेल कारोबार में, एक स्टोर के मालिक को सभी भुगतान लेनदेन रिकॉर्ड रखने की आवश्यकता होती है। वे वास्तविक लाभ मार्जिन को कैसे जानेंगे? इसके अलावा, एक कुशल पीओएस सिस्टम एक कारोबारी को सभी बिक्री के लिए सभी स्टॉक स्तर अपडेट प्राप्त करने में मदद करता है। रिटेल विक्रेताओं को उन ग्राहकों से सावधान रहना चाहिए जो क्रेडिट कार्ड के माध्यम से भुगतान करते हैं। उन्हें एक कार्ड रीडर का उपयोग करने पर विचार करना होगा जो प्रमुख कार्ड ब्रांडों को स्वीकार करता है और आसानी से पीओएस सिस्टम के साथ एकीकृत होता है।

रिटेलर शब्द का प्रयोग कम पारंपरिक विक्रेताओं के रूप में भी किया जा सकता है। एक कलाकार जो बाजारों या मेलों में नक्काशी या पेंटिंग बेचता है, वह भी एक रिटेल विक्रेता है। तो एक खाद्य ट्रक है अगर वे लाभ कमाने के उद्देश्य से जनता को बेच रहे हैं।

उत्पादों को बेचने के अलावा, रिटेल विक्रेता सेवा प्रदाता भी हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, अधिकांश उपकरण रिटेल विक्रेता विस्तारित वारंटियों के रूप में अपने उत्पादों पर बीमा की पेशकश करते हैं और कुछ डिलीवरी, सेट-अप या मरम्मत सेवाएं भी प्रदान करते हैं।

चुनौतियां

भारत में रिटेल मार्केट का कुल जीडीपी में 10% योगदान है, लेकिन रिटेलर्स को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जैसे हाल के वर्षों में रिटेल इंडस्ट्री में काफी बढ़ोत्तरी देखने को मिली है और भारतीय रिटेल इंडस्ट्री में अपनी किस्मत आजमाने के लिए स्वदेशी और विदेशी रिटेलर्स दोनों का खुले दिल से स्वागत किया हैं। यही कारण है कि भारतीय रिटेल इंडस्ट्री ने दुनिया के टॉप 5 रिटेल इंडस्ट्रीज में जगह बनाई है, जो जीडीपी का 10% है। कई रिटेलर्स काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जैसे बिग बाजार, रिलायंस रिटेल और डी मार्ट आदि। लेकिन कुछ इसमें कामयाब होने में नाकाम रहे हैं और नुकसान भुगत रहे हैं। जैसे कि, वॉलमार्ट भारतीय रिटेल मार्केट में बड़ा बनने में कामयाब नहीं रहा है, भले ही दुनियाभर में कितना ही जाना-माना हो।

भारत में सफलता प्राप्त करने में बड़े से बड़े रिटेलर्स हेतु निम्नलिखित समस्याएं हैं:-

➢ बिखरे हुए मार्केट्स

भारत में रिटेल सेक्टर लंबे समय से बिखरा हुआ है। कोई प्रोसीजर या प्लानिंग नहीं है जो रिटेलर्स को अपने व्यापार को चलाने में सहायता करेगा। छोटे और मध्यम रिटेल आउटलेट और स्टोर यहां और वहां सेट-अप किए जाते हैं और प्रॉपर प्लानिंग की कमी बड़े रिटेलर्स के लिए एक खामी साबित होती है।

➢ लार्ज सप्लाई चेन के कारण कॉस्ट फैक्टर

जब कोई रिटेलर शहरी इलाकों में अपने आउटलेट सेट करता है, तो देश के दूर हिस्सों से सप्लाई सोर्सिंग एक विशाल कार्य बन जाता है। किसानों, प्रोड्यूसर्स और मैन्युफैक्चरर्स से कोई सीधा संपर्क नहीं है । यह मिडलमैन के लिए रास्ता

बनाता है, जो सप्लाई चेन को बढ़ाते हैं और इस प्रकार लागत बढ़ती है । अब, यदि एक ही आइटम कम कीमत के लिए एक लोकल रिटेलर से उपलब्ध है, तो कोई उस आइटम को खरीदने के लिए रिटेल कंपनी क्यों चुनेगा?

➢ मेंटेनेंस कॉस्ट

बड़ी संख्या में कर्मचारियों को भुगतान करना जो दुकानों का मेंटेनेंस करते हैं, खरीद और बिक्री में मदद करते हैं और विभिन्न प्रकार के मैनेजमेंट कार्यों में शामिल होते हैं। एक ऐसा फैक्टर है जो छोटे स्टोरों के मामले में समान नहीं है। इसके अलावा, बिजली, किराया, पानी आदि के मामले में ओवरऑल मेंटेनेंस कॉस्ट, बड़े रिटेलर्स के लिए बहुत अधिक है। इसका अधिक से अधिक भार, उनके सर्वाइवल के लिए खतरा बन गया है।

➢ भारतीय ग्राहकों की मानसिकता

एक रिटेलर के रूप में, आप सबसे बड़ी छूट दे सकते हैं, लेकिन भारतीय ग्राहक लोकल किराने की दुकानों के प्रति बहुत वफादार होते हैं, जो उन्होंने वर्षों से किया है वे मालिकों और उन दुकानों के कर्मचारियों को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं।

संभावनाएं

सरकार द्वारा रिटेलिंग सेक्टर में एफडीआई को वापस ले लेने के बावजूद इसकी काफी चर्चा है। इसे लेकर राजनीतिक-सामाजिक परिदृश्य चाहे जो भी हो, इतना तो तय है कि इससे ऑर्गेनाइज्ड रिटेलिंग में ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए अवसर बढ़ेंगे। देखा जाए तो विस्तृत क्षेत्र के कारण आउटडोर सेल्स व मार्केटिंग के क्षेत्र में मौके रिटेलिंग से भी अधिक हैं। बढ़ती हुई जरूरत अधिक-से-अधिक ग्राहकों तक उत्पाद पहुंचें, इसके मद्देनजर सेल्स व मार्केटिंग प्रोफेशनल्स की जरूरत तो हमेशा से ही रही है। बाजार की वर्तमान प्रतिस्पर्धी स्थितियों में सेल्स प्रोफेशनल्स की मांग में और इजाफा हुआ है। इसी तरह रिटेलिंग का संबंध भी अब सिर्फ सामान्य दुकानदारी तक ही सीमित नहीं है। यह एक ऑर्गेनाइज्ड सेक्टर का रूप ले चुका है। तमाम देशी-विदेशी रिटेलिंग ग्रुप मार्केट में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जिनका आकार व कार्यशैली किसी बड़े उद्योग-धंधे से कम नहीं है। ट्रेंड रिटेलिंग प्रोफेशनल्स ऑर्गेनाइज्ड रिटेलिंग की जरूरत बन चुके हैं।

बेहतर होता परिदृश्य भारतीय रिटेलिंग सेक्टर विश्व स्तर पर बड़े बाजारों में से एक है और यहां ऑर्गेनाइज्ड रिटेल सेक्टर में विकास की दर भी काफी तेज (करीब 10 प्रतिशत सालाना) है। न सिर्फ बड़े शहरों में, बल्कि दूसरे स्तर के शहरों में भी लोगों की दिलचस्पी ऑर्गेनाइज्ड रिटेलिंग व सेल्स में बढ़ी है। विभिन्न शहरों में निरंतर खुलने वाले शॉपिंग मॉल्स से यह बात साबित भी होती है। इससे महानगरों के साथ-साथ दूसरे व तीसरे स्तर के शहरों में भी काफी संख्या में रोजगार उपलब्ध होंगे।

मौके हैं सबके लिए रिटेलिंग हो या सेल्स एंड मार्केटिंग, इनका संबंध किसी विशेष संकाय से नहीं है। आर्ट्स, कॉमर्स या साइंस, किसी भी फील्ड के विद्यार्थी इन दोनों क्षेत्रों में अपने कॅरियर की शुरुआत कर सकते हैं। यही रिटेलिंग व सेल्स की खासियत है, जिससे इनका आकर्षण और बढ़ जाता है। इतना ही नहीं, आपकी शैक्षणिक योग्यता यानी 12वीं या ग्रेजुएशन के अनुरूप भी इसमें हर स्तर के मौके उपलब्ध हैं। पाठ्यक्रम- शैक्षणिक योग्यता यदि आप सेल्स में कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो 12वीं के बाद इससे संबंधित कोई सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स किया जा सकता है। ग्रेजुएशन के बाद एमबीए और पीजी डिप्लोमा इन सेल्स एंड मैनेजमेंट जैसे कोर्स उपलब्ध हैं। एमबीए करने के दौरान आप मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। कई ऐसे एंट्रेंस टेस्ट हैं, जिनके माध्यम से एमबीए संस्थानों में प्रवेश मिलता है, जैसे कैट, मैट, जैट आदि। रिटेलिंग में रिटेल एंटरप्रेन्योरशिप, रिटेल मर्चेंडाइजिंग, रिटेल मैनेजमेंट, स्टोर ऑपरेशन मैनेजमेंट, विजुअल मर्चेंडाइनिंज एंड स्पेस प्लानिंग, सप्लाई चेन आदि से संबंधित डिप्लोमा, ग्रेजुएट व पोस्टग्रेजुएट कोर्स उपलब्ध हैं। डिप्लोमा कोर्सेस कुछ महीनों के हो सकते हैं, जबकि पीजी कोर्स 2 वर्ष का होता है। पाठ्यक्रमों के स्वरूप के अनुसार शैक्षणिक योग्यता 12वीं, ग्रेजुएशन आदि हो सकती है। रिटेल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा भी रिटेलिंग में कोर्स कराए जाते हैं।

निष्कर्ष

खुदरा व्यापार के कई अलग-अलग प्रकार हैं। किसी स्टोर में आइटम बेचने की आवश्यकता नहीं है; खुदरा वाणिज्य फोन पर, मेल पर या डोर-टू-डोर बिक्री के माध्यम से भी हो सकता है। परिणामत: बिक्री का बिंदु स्टोर से लेकर सुपरमार्केट तक, ग्राहक के घर या वेंडिंग मशीन तक कुछ भी हो सकता है। हालाँकि, एक बात जो उपरोक्त सभी उदाहरणों में समान है, वह यह है कि वस्तुओं का खरीदार अंतिम ग्राहक (उपभोक्ता) होता है। रिटेल कारोबारियों और खरीदारों को आवश्यक बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर बैंक अपने बैंकिंग कारोबार को बढ़ा सकते हैं। जिसमें बैंक के रिटेल सेगमेंट कारोबार में अच्छी खासी संभावनाएं हैं।

***

आशीर्वाद की शक्ति

अमित कुमार श्रीवास्तव
मुख्य प्रबंधक एवं शिक्षण प्रमुख
बी एस एल यू, वाराणसी

गुरुजनों, विद्वानों, तपस्वियों एवं माता पिता से समाज कल्याण एवं सिद्धि के लिए आशीर्वाद प्राप्त करना हमारी एक पुरानी परंपरा रही है। आशीर्वाद एक शुभ कल्पना जैसी होती है जिससे यह वातावरण में दूर-दूर तक फैलता है तथा हमारे ऊपर धनात्मक प्रभाव डालता है। आशीर्वाद पाकर हमारा चेहरा आंतरिक खुशी से भर जाता है हम तेजोमय हो जाते हैं तथा आत्मविश्वास से भर जाते हैं। कुछ प्रमुख शक्तियां अदृश्य होती हैं जैसे वायु, विद्युत इत्यादि वैसे ही आशीर्वाद की शक्ति भी अदृश्य होती है परंतु इसका प्रभाव विस्मयकारी होता है।

आशीर्वाद का हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है। कोई भी कार्य करने से पहले हम अपने माता पिता, गुरुजनों तथा स्वजनों का आशीर्वाद लेते हैं तथा यह हमारे मन में यह विश्वास पैदा करता है कि हमारा कार्य अवश्य ही सफलतापूर्वक पूरा हो जाएगा। वास्तव मे आशीर्वाद क्या होता है? यह हमारे द्वारा किए गए सत्कारों, सत्कर्मों का प्रतिफल होता है। यदि किसी के मन में हमारे प्रति प्यार एवं लगाव होता है या वह हमारे द्वारा किए गए कार्य से संतुष्ट होता है तो आह्लादित होकर मुक्त कंठ से हमें आशीर्वाद देता है। यह आशीर्वाद हमारे चारों ओर धनात्मक रश्मिपुंज बना देता है जिससे नकारात्मक शक्तियां पराजित हो जाती हैं तथा यदि वे अपना प्रभाव दिखाती भी हैं तो वह क्षीण हो जाती हैं। आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए सबसे आवश्यक यह होता है कि हम विनयशील बने। विनय के बारे मे कहा गया है कि

विद्यां ददाति विनयम विनयाद् याति पात्रताम् ।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति, धनात् धर्म ततः सुखम् ।।

विनय से ही पात्रता बनती है अतः विनयशील बनकर ही सारी सुख संपत्ति को प्राप्त किया जा सकता है। कुछ प्राप्त करने के लिए पहले झुकना पड़ता है, जब हम झुकते हैं तो अहंकार का शमन होता है अहंकार त्यागते ही विनय प्राप्त होता है जिससे सारे सुख एवं ऐश्वर्य प्राप्त होते हैं।

आशीर्वाद में वह ताकत होती है कि विधि का विधान तक बदला जा सकता है। हिन्दू पौराणिक कथाओं में हम देखते हैं कि सावित्री के पति सत्यवान की मृत्यु हो चुकी थी पर यमराज द्वारा आशीर्वाद प्राप्त कर वे फिर से जीवित हो उठे। इसी प्रकार की कथा मार्कन्डेय ऋषि की भी थी, उनकी आयु सिर्फ 5 वर्ष की थी, परंतु भगवान शिव से आशीर्वाद प्राप्त कर वे शतायु होकर मृत्यु प्राप्त किए।

हिन्दू धर्मग्रंथो में इस आशीर्वाद की शक्ति का वर्णन और भी बहुत जगह मिलता है। रामायण के एक प्रसंग में जब हनुमान, माता सीता की खोज मे लंका की ओर निकले तो मार्ग मे सुरसा नाम की एक राक्षसी ने उनका रास्ता रोक लिया जो उनकी बुद्धि को परखने के लिए देवताओं द्वारा भेजी गई थी। हनुमान जी ने बड़ी चालाकी से उन पर विजय प्राप्त की परिणामतः सुरसा ने हनुमान को आशीर्वाद दिया जो उनके मार्ग मे सहायक सिद्ध हुआ।

राम काजु सबु करिहहु तुम्ह बल बुद्धि निधान ।
आसिष देइ गई सो हरषि चलेउ हनुमान ।।

अगर हम ध्यान से देखें तो हमारा जीवन भी आशीर्वादों से आक्षदित रहता है। घर पर माता पिता का आशीर्वाद, घर के बाहर विद्यालय में गुरुजनों का आशीर्वाद, कार्यक्षेत्र में श्रेष्ठ लोगों का आशीर्वाद तथा मित्रों की शुभकामनाएं सभी फलित होती हैं एवं हमारे जीवन को निष्कंटक बनती हैं और हम सफल होते है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने भी आशीर्वाद प्राप्त करने का मंत्र दिया है।

प्रातकाल उठि कै रघुनाथा। मातु-पिता गुरु नावहिं माथा।

जब भगवान श्री राम को भी सिर झुका कर ही आशीर्वाद प्राप्त होता है तो हमें भी अपने सारे अहंकारों को छोड़कर विनयशील होकर ही आशीर्वाद की अलौकिक शक्ति को हमेशा प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि यह हमारे सभी कष्टों को नष्ट करने मे एक सहायक यंत्र की तरह कार्य कर सकता है।

***

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

श्री राना प्रताप
मानव संसाधन विभाग
क्षेत्रीय कार्यालय सूरत शहर
सूरत क्षेत्र

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है। इस दिन विश्वभर में योग की महत्ता और लाभों को प्रचारित करने के लिए आयोजित किया जाता है। योग एक प्राचीन भारतीय पद्धति है जिसे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ प्रदान करने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह दिन मानवता को योग के महत्व को समझने और इसे अपने जीवन में शामिल करने के लिए प्रेरित करता है।

योग के लाभों को समझने के लिए हमें योग का अर्थ समझना आवश्यक है। योग शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है और इसका अर्थ एकीकृत होना या जुड़ना है। योग के माध्यम से हम अपने शरीर, मन और आत्मा को जोड़कर संतुलित और पूर्ण जीवन की प्राप्ति करते हैं। योग साधना द्वारा हम शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्थिरता, शांति और आत्मज्ञान प्राप्त करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा किया जाता है और इसे विश्वभर में बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। इस दिन लोगों को योग के बारे में जागरूक किया जाता है, उन्हें योगासन और प्राणायाम की शिक्षा दी जाती है और विभिन्न योग कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन किया जाता है।

भारतीय संस्कृति और योग

भारतीय संस्कृति और योग के मध्य संबंध गहरे और प्रभावशाली हैं। योग भारतीय संस्कृति का महत्त्वपूर्ण और अभिन्न अंग है, जिसे हजारों वर्षों से प्रचलित किया जा रहा है। यह भारतीय दर्शन, धार्मिकता और जीवन शैली का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है और इसे भारत की विरासत माना जाता है।

योग का उद्भव और विकास भारतीय संस्कृति के आधार पर हुआ है। वेदों, उपनिषदों, गीता और पुराणों में योग के अभ्यास का विस्तारित वर्णन मिलता है। प्राचीन ऋषियों और योगियों ने योग के माध्यम से शरीर, मन और आत्मा का संबंध स्थापित करने की विधियां विकसित कीं। योग को मार्ग और उपाय के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है।

भारतीय संस्कृति में योग को अनेक प्रकार से प्रचलित किया गया है, जिनमें आष्टांग योग, हठ योग, कर्म योग, भक्ति योग, ज्ञान योग आदि शामिल हैं। योग के अभ्यास के माध्यम से लक्ष्य प्राप्ति, स्वास्थ्य और आत्मज्ञान के मार्ग पर आगे बढ़ने का उपाय सिखाया जाता है।

भारतीय संस्कृति में योग को धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभव के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह एक मार्ग है जो मनुष्य को अपनी आत्मा के साथ संयोग स्थापित करके ईश्वरीयता और आनंद की अनुभूति कराता है। योग के माध्यम से मनुष्य अपनी आत्मा की गहराइयों और ब्रह्म ज्ञान की प्राप्ति के पीछे के रहस्य को खोजता है।

भारतीय संस्कृति में योग को स्वस्थ और संतुलित जीवन का एक महत्त्वपूर्ण तत्व माना जाता है। योग के अभ्यास से शरीर, मन और आत्मा का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है और सुख, शांति, समृद्धि और आनंद की प्राप्ति होती है। योग भारतीय संस्कृति की एक महत्त्वपूर्ण पहचान है और इसका प्रचार और प्रसार विश्व में हो रहा है।

योग प्राचीन भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है और हाल ही में यह पश्चिम देशों में भी काफी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। विश्व भर में इसकी बढ़ती लोकप्रियता बढ़ रही है। योग स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है, इस सिद्धांत की स्वीकार्यता के कारण ही संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून, 2014 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी।

''योग एक प्राचीन शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी। 'योग' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है और इसका अर्थ है शरीर और चेतना का मिलना जुड़ना या सम्मिलित होना।''

✓ युनाइटेड नेशन की वेबसाइट में लिखित है।

भारत में योग दिवस को कैसे मिली पहचान

27 सितंबर, 2014 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भारत के प्राचीन विज्ञान को दुनिया के लिए उपहार बताते हुए योग दिवस मनाने का सुझाव दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और अपने प्राचीन पद्धतियों की और वापस लौटने के बारे में सलाह दी।

योग ने मन और शरीर विचार और क्रिया; संयम और पूर्ति मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य; स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की एकता को मूर्त रूप दिया है। यह केवल व्यायाम के बारे में नहीं है, बल्कि स्वयं, दुनिया और प्रकृति के साथ एकता की भावना की खोज के बारे में है।

प्रधानमंत्री जी ने 2014 में संयुक्त राष्ट्र विधानसभा को संबोधित किया। कुछ महीने बाद, संयुक्त राष्ट्र ने 11 दिसंबर 2014 को इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित करके प्रस्ताव पारित किया। संयुक्त राष्ट्र की सभा में अब तक के सबसे अधिक 175 देशों ने भारत के प्रस्ताव का समर्थन किया था, जिसके बाद 2015 से प्रत्येक वर्ष 21 जून को पूरा विश्व योग दिवस के रूप में मनाता है।

इस तरह की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता विशेष रूप से किसी भी सरकार के लिए एक थीम आधारित कार्यक्रम को आयोजित करने का अवसर प्रदान करती है और सरकारें इन दिनों को व्यापकता, भव्यता के साथ आयोजित कर जन-जन तक इस दिवस के महत्व के संदेश को पहुंचाने में सफल हो पाती हैं।

मानवता के लिए योग

भारत ने 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को कर्नाटक के मैसूर में मनाया। यह कार्यक्रम 'गार्जियन योग रिंग' का हिस्सा था जिसमें एक सूर्य एक पृथ्वी की अवधारणा को रेखांकित किया गया था। इस कार्यक्रम को 79 देशों और संयुक्त राष्ट्र संगठनों के साथ-साथ विदेशों में भारतीय मिशनों के बीच एक सहयोगी अभ्यास के रूप में आयोजित किया गया था, जो योग की एकीकरण शक्ति को राष्ट्रीय सीमाओं से परे के रूप में चित्रित करता है। भारत में 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का विषय मानवता के लिए योग था और इस अवसर को चिह्नित करने के लिए दुनिया भर के लोगों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए स्टार्ट-अप योग चैलेंज और युवाओं में योग के साथ प्रयोग करने के लिए नए विचारों को प्रोत्साहित किया। स्टार्ट-अप इंडिया और इन्वेस्ट इंडिया के साथ साझेदारी में स्टार्ट-अप योग चैलेंज की परिकल्पना उन स्टार्टअप्स और व्यक्तियों को आमंत्रित करने के लिए की गई है, जिन्होंने समय के साथ उपचार वितरण और परिणाम प्रक्षेपक को ट्रैक करने के लिए योग से संबंधित उत्पाद (उपकरण या साफ्टवेयर एप्लिकेशन या दोनों) विकसित किए हैं और जो समय के साथ परिणाम प्रक्षेपक और इन हस्तक्षेपों के बारे में मूल्यवान स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करेगा।

महामारी के समय योग के प्रति जागरुकता

लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता उस समय बढ़ रही थी जब पूरी दुनिया कोविड-19 महामारी से जूझ रही थी और अब तक लगभग सभी लोगों ने यह स्वीकार किया है कि योग प्राणायाम के साथ मनुष्य की जीवनशैली कोविड-19 महामारी जैसी बीमारी के खिलाफ बहुत ही लाभकारी है।

योग के लाभों की गणना लंबी हो सकती है, लेकिन कुछ मुख्य लाभ इस प्रकार हैं:

1. **शारीरिक स्वास्थ्य:** योगासन और प्राणायाम के अभ्यास से शारीरिक स्थिरता बढ़ती है, मांसपेशियों का विकास होता है और शारीरिक दर्द का निवारण होता है। योग साधना शरीर को अधिक लचीला और सुगठित बनाती है।
2. **मानसिक स्थिरता:** योग में ध्यान और मेडिटेशन का अभ्यास करने से मन की स्थिति में सुधार होता है। यह मन को शांति और स्थिरता प्रदान करता है और मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने में सहायता करता है।
3. **आत्मज्ञान और स्वयं दिशा:** योग अभ्यास करने से हम अपने आंतरिक स्वरूप को समझने और स्वयं को जानने का मार्ग प्राप्त करते हैं। यह हमें आत्मसम्मान और स्वयंदिशा की प्राप्ति करने में मदद करता है।

इस तरह, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक महत्त्वपूर्ण और आवश्यक अवसर है जो हमें योग के महत्व को समझने और इसे अपने जीवन में शामिल करने के लिए प्रेरित करता है। योग के अभ्यास से हम शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ और संतुलित जीवन जी सकते हैं।

***

नराकास बैठकें एवं गतिविधियां

अंचल कार्यालय, जयपुर

दिनांक 07 जून, 2023 को बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जयपुर द्वारा वार्षिक राजभाषा समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में प्रख्यात हास्य कवि श्री अरुण जैमिनी को समिति द्वारा 'चंदबरदाई भाषा सम्मान' से अलंकृत किया गया। समिति के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक श्री कमलेश कुमार चौधरी सहित उपाध्यक्ष श्री सुधांशु शेखर खमारी ने इस अवसर पर अपने विचार रखे। समारोह के दौरान वर्ष 2022 के लिए वार्षिक राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता के विजेता कार्यालयों सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं व सभी सदस्य कार्यालयों के हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्टाफ सदस्यों सहित कुल 127 स्टाफ सदस्यों को प्रमाण पत्र, चेक व गिफ़्ट देकर सम्मानित किया गया।

अंचल कार्यालय, बड़ौदा

नराकास (बैंक), वडोदरा के तत्त्वावधान में दिनांक 16 मई, 2023 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा, अंचल कार्यालय, बड़ौदा द्वारा नेटवर्क उप महाप्रबंधक, बड़ौदा अंचल श्रीमती वीणा के शाह की अध्यक्षता में समिति के सदस्य कार्यालयों/ शाखाओं हेतु बैंकिंग में नेतृत्व कौशल के विविध आयाम विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में समिति के अध्यक्ष एवं बैंक ऑफ़ बड़ौदा, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा के मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) श्री दिनेश पंत और विशिष्ट अतिथि के रूप में बैंक ऑफ़ बड़ौदा, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा के प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति), श्री संजय सिंह, समिति के सदस्य सचिव एवं बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा के सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र एवं अतिथि वक्ता के रूप में बैंक ऑफ़ बड़ौदा, बड़ौदा अकादमी, बड़ौदा के मुख्य प्रबंधक, गौतम कुमार उपस्थित रहे। इस संगोष्ठी में समिति के सदस्य कार्यालयों/ शाखाओं से कुल -37- स्टाफ सदस्यों ने प्रतिभागिता की।

क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु-दक्षिण

क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु-दक्षिण द्वारा दिनांक 13 जून, 2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक एवं बीमा), बेंगलूरु के तत्वावधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं चैट जीपीटी विषय पर ऑनलाईन हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) (से.नि.), भारतीय रिज़र्व बैंक मुख्य वक्ता थे। सेमिनार में बेंगलूरु-दक्षिण क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख, श्री उमाकांत पाढी, समिति के सदस्य सचिव, श्री ई.रमेश, अंचल कार्यालय, बेंगलूरु के राजभाषा विभाग की प्रमुख सुश्री एम.नीना देवस्सी, क्षेत्र की राजभाषा अधिकारी सुश्री अमिता ब्रह्मा सहित समिति के सदस्य कार्यालयों ने प्रतिभागिता की।

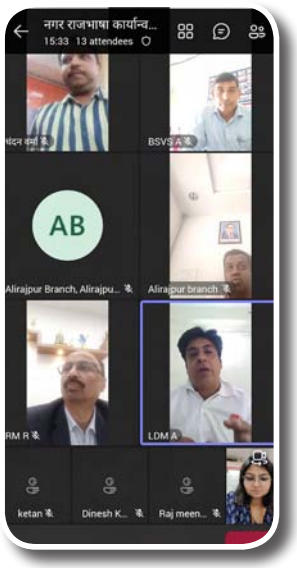

क्षेत्रीय कार्यालय, अलीराजपुर

नगर राजभाषा कार्यांवयन समिति, अलीराजपुर की 10वीं अर्द्धवार्षिक बैठक का आयोजन दिनांक 30 जून, 2023 को टीम्स ऐप के माध्यम से किया गया। इस बैठक में समिति के अध्यक्ष, श्री राजेश हासवानी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, रतलाम क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक, श्री एस के तलरेजा तथा समिति के सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख व 4 सदस्य कार्यालयों के राजभाषा प्रभारी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, भरतपुर

दिनांक 25 मई, 2023 को पीएनबी भरतपुर द्वारा छमाही बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री जय सिंह चौधरी सहित क्षेत्रीय राजभाषा अधिकारी ने प्रतिभागिता की। बैठक के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा में राजभाषा कार्यान्वयन के विभिन्न मुद्दों को सराहा गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, अयोध्या

दिनांक 27 जून, 2023 को नराकास, अयोध्या द्वारा केंद्रीय विद्यालय, अयोध्या के कक्षा 8-9-10 के विद्यार्थियों हेतु हिंदी वर्ग-पहेली का आयोजन किया गया जिसमें कुल 117 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

नराकास पुरस्कार

अंचल कार्यालय, जयपुर

दिनांक 07 जून, 2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जयपुर द्वारा भारतीय भाषाओं के उत्थान में बहुमूल्य योगदान देने हेतु समिति की 'चंदबरदाई भाषा सम्मान' योजना के तहत प्रसिद्ध हास्य कवि श्री अरुण जैमिनी को सम्मानित किया गया। श्री जैमिनी ने बताया की भाषा के प्रति प्रत्येक व्यक्ति को आत्मीयता का भाव रखना चाहिए और अपने कार्यों एवं व्यवहार में अपनी मातृभाषा का प्रयोग करना चाहिए। भाषा संवर्धन के प्रति समाज में सकारात्मक संदेश देने में बैंक की यह पहल महत्त्वपूर्ण है।

अंचल कार्यालय, मुंबई

दिनांक 19 जून, 2023 को मुंबई नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 75वीं अर्द्धवार्षिक बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक में वर्ष 2022-23 में उत्कृष्ट योगदान हेतु अंचल कार्यालय मुंबई को प्रमाणपत्र व शील्ड द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही, नराकास के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में मुंबई अंचल के 8 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. सुष्मिता भट्टाचार्य, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, मुंबई, श्री पंकज कुमार, प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, श्री मनोज करे, अध्यक्ष, बैंक नराकास, मुंबई, श्री हितेंद्रनाथ घोटेकर, सदस्य सचिव, बैंक नराकास मुंबई एवं अन्य कार्यपालकगण उपस्थित थे।

क्षेत्रीय कार्यालय, उडुपी

दिनांक 15 जून, 2023 को उडुपी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 17वीं अर्धवार्षिक बैठक एवं राजभाषा शील्ड पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। वर्ष 2022-23 में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए क्षेत्रीय कार्यालय उडुपी को प्राप्त प्रोत्साहन पुरस्कार का शील्ड एवं प्रमाण पत्र श्रीमती शीबा सहजन, अध्यक्ष नराकास उडुपी व उप महाप्रबंधक केनरा बैक और श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक(कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), राजभाषा विभाग, भारत सरकार के कर कमलों से श्री सनातन साथुआ क्षेत्रीय प्रमुख, उडुपी क्षेत्र तथा श्रीमती माया एस, राजभाषा अधिकारी ने प्राप्त किया।

क्षेत्रीय कार्यालय, सिलीगुड़ी

दिनांक 26 जून, 2023 को नराकास सिलीगुड़ी की 48वीं बैठक आयोजित की गई एवं बैंक ऑफ़ बड़ौदा, सिलीगुड़ी क्षेत्रीय कार्यालय को वित्तीय वर्ष 2022-23 के राजभाषा कार्यान्वयन हेतु तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि समिति के तत्त्वावधान में आयोजित विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में क्षेत्र द्वारा समिति को अपेक्षित सहयोग प्रदान किया जाता है। समिति द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में आयोजित दोनो ही छमाही बैठक में कार्यालय प्रमुख/राजभाषा अधिकारी द्वारा सहभागतिया भी की गई है ।

क्षेत्रीय कार्यालय, लुधियाना

दिनांक 28 जून, 2023 को नराकास लुधियाना द्वारा छमाही बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें लुधियाना क्षेत्र को नराकास लुधियाना द्वारा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर लुधियाना क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख, श्री तरनजीत सिंह द्वारा पुरस्कार ग्रहण किया गया। समिति द्वारा आयोजित गतिविधियों में क्षेत्रीय प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, गुलबर्गा

18 अप्रैल, 2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायचूर की अर्द्ध वार्षिक बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए गुलबर्गा क्षेत्र की मुख्य शाखा, रायचूर को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। समिति के अध्यक्ष के द्वारा यह पुरस्कार मुख्य शाखा,रायचूर के शाखा प्रमुख ने ग्रहण किया। समिति द्वारा शाखा प्रमुख के मार्गदर्शन में किए जा रहे राजभाषा संबंधी कार्यों को सराहा गया।

नराकास पुरस्कार

क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा

दिनांक 27 जून, 2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति,कोटा-बैंक की अर्धवार्षिक बैठक में बैंक ऑफ़ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा को राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के लिए वर्ष 2023 का तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। कोटा क्षेत्रीय प्रमुख श्री योगेश यादव, मुख्य प्रबंधक श्री धीरज गुलाटी एवं प्रबंधक (राजभाषा) श्री विनोद कुमार बैरवा ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, श्री नरेंद्र सिंह मेहरा, सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के करकमलों से शील्ड एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त किए।

क्षेत्रीय कार्यालय, प्रयागराज

वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु बैंक ऑफ़ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय, प्रयागराज को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, प्रयागराज से प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। दिनांक 12 अप्रैल, 2023 को नराकास (बैंक), प्रयागराज की 17वीं अर्धवार्षिक राजभाषा समीक्षा बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि, श्री छबिल कुमार मेहेर, उप निदेशक (कार्यान्वयन) राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तर-2) के कर कमलों से उक्त पुरस्कार बैंक ऑफ़ बड़ौदा, क्षेत्रीय प्रमुख, श्री अरूण कुमार गुप्ता ने ग्रहण किया। उक्त कार्यक्रम में नराकास अध्यक्ष, श्री संतोष कुमार, श्री रामनरेश तिवारी (पिंडीवासा), केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद, प्रयागराज तथा विभिन्न संस्थाओं के कार्यालय प्रमुख एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा

दिनांक 29.05.2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक) गाजियाबाद की छमाही बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में वर्ष 22-23 की शील्ड प्रतियोगिता के तहत नोएडा क्षेत्र की गाजियाबाद मुख्य शाखा को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। पुरस्कार ग्रहण करते शाखा प्रमुख श्री सुहैब अमीर।

क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर

दिनांक 11 मई 2023 को नराकास (बैंक) जबलपुर की वित्तीय वर्ष 2023-2024 की प्रथम अर्धवार्षिक बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-2023 के दौरान उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु बैंक ऑफ बड़ौदा,क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। बैंक की ओर से उक्त पुरस्कार श्री कुमार नरेंद्र, क्षेत्रीय प्रमुख, जबलपुर क्षेत्र एवं श्री शिवकुमार बनखेड़े प्रबंधक (राजभाषा), जबलपुर क्षेत्र ने प्राप्त किया। साथ ही नराकास के तत्वावधान में विभिन्न बैंक/ बीमा कार्यालयों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बैंक ऑफ बड़ौदा के 06 स्टाफ सदस्यों को पुरस्कार प्राप्त हुए।

क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर

दिनांक 28 जून, 2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर (बैंक एवं बीमा) द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। बैंक की ओर से यह पुरस्कार श्री राहुल कुमार प्रसाद, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), रायपुर क्षेत्र ने अध्यक्ष नराकास, रायपुर के अध्यक्ष श्री शैलेश वर्मा के कर-कमलों से ग्रहण किया।

क्षेत्रीय कार्यालय, अजमेर

दिनांक 29 मई, 2023 को यूको बैंक के संयोजन में बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अजमेर की अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन संपन्न हुआ। बैठक में सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग श्री नरेंद्र मेहरा एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री राजेश माथुर की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर बैंक ऑफ़ बड़ौदा को वित्त वर्ष 2022-23 में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन हेतु प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अग्नि सुरक्षा

श्रीनिवास खत्री
प्रबंधक (परिचालन),
हैदराबाद मेट्रो क्षेत्र

बैंकों में अग्नि सुरक्षा यानी फायर सेफ्टी एक महत्त्वपूर्ण विषय है, जो बैंकों में धन, महत्त्वपूर्ण दस्तावेजों और व्यक्तिगत सामानों सहित मूल्यवान संपत्तियों की सुरक्षा के मामलों में मुख्य भूमिका निभाती है। आग लगने से गंभीर वित्तीय नुकसान हो सकता है और जान जोखिम में पड़ सकती है। इसलिए बैंकों के लिए आग की आपात् स्थितियों को रोकने और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने के लिए व्यापक अग्नि सुरक्षा उपाय अपनाना अनिवार्य है।

संपत्ति की सुरक्षा:

बैंक लोगों के वित्तीय संसाधनों और संवेदनशील दस्तावेजों के संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं। आग लगने की स्थिति में, ये संपत्ति संपूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त या नष्ट हो सकती हैं, जिससे बैंक और उसके ग्राहकों दोनों को वित्तीय नुकसान हो सकता है। पर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपाय, जैसे आग प्रतिरोधी तिजोरियां, सुरक्षित तिजोरियां और मजबूत डेटा बैकअप सिस्टम आदि इन मूल्यवान संपत्तियों को आग के विनाशकारी प्रभाव से बचाने में मदद करते हैं।

अभिलेखों का संरक्षण:

बैंक बड़ी मात्रा में गोपनीय ग्राहक डेटा संगृहीत करते हैं, जिसमें खाता संबंधी जानकारी, ऋण दस्तावेज और अन्य महत्त्वपूर्ण रिकॉर्ड शामिल हैं। आग लगने से महत्त्वपूर्ण जानकारी का नुकसान हो सकता है, जिससे कानूनी और परिचालन संबंधी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आग प्रतिरोधी स्टोरेज प्रणाली, नियमित डेटा बैकअप और ऑफ-साइट डेटा स्टोरेज सिस्टम को लागू करके बैंक डेटा हानि से जुड़े जोखिमों को कम कर सकते हैं और आवश्यक अभिलेखों का संरक्षण सुनिश्चित कर सकते हैं।

कर्मचारी और ग्राहक सुरक्षा:

बैंक परिसर में निरंतर अधिकांश ग्राहकों का आना जाना लगा रहता है और बैंक परिसर में उपस्थित सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। अग्नि सुरक्षा उपाय, जैसे सुनियोजित निकासी मार्ग, स्पष्ट रूप से चिह्नित निकास संकेत और नियमित अग्नि अभ्यास, कर्मचारियों और ग्राहकों को आपातकालीन प्रक्रियाओं से परिचित कराने में मदद करते हैं और आग लगने की स्थिति में एक त्वरित और व्यवस्थित निकासी को सक्षम करते हैं। यह सक्रिय दृष्टिकोण मृत्यु के जोखिम को काफी कम कर देता है।

आग की रोकथाम:

बैंकों को विद्युत प्रणालियों, ताप और शीतलन प्रणालियों तथा आग के खतरों के अन्य संभावित स्रोतों का नियमित निरीक्षण करना चाहिए। आग के जोखिम को कम करने के लिए नियमित रखरखाव, ज्वलनशील सामग्रियों का उचित भंडारण और अग्नि सुरक्षा कोड और विनियमों का पालन आवश्यक है।

फायर डिटेक्शन और अलार्म सिस्टम:

त्वरित प्रतिक्रिया और रोकथाम के लिए आग का शीघ्र पता लगाना महत्त्वपूर्ण है। बैंकों को उच्च गुणवत्ता वाले फायर डिटेक्शन अलार्म सिस्टम को इंस्टाल करना चाहिए। जिसमें स्मोक डिटेक्टर, हीट डिटेक्टर और मैनुअल पुल स्टेशन शामिल हैं, जो पूरे परिसर में स्थानीय अग्निशमन विभाग और बैंक कर्मचारियों से तत्काल प्रतिक्रिया शुरू करने वाले अलार्म के साथ रणनीतिक रूप से रखा जाना चाहिए।

फायर सप्रेशन सिस्टम:

आग लगने की स्थिति में प्रभावी अग्नि शमन प्रणाली होने से संपत्ति के नुकसान को काफी कम किया जा सकता है। बैंकों को स्वतः आग बुझाने की प्रणाली स्थापित करने पर विचार करना चाहिए जो आग फैलने से पहले ही उसे तेजी से रोकने में कारगर हो सकती है। इसके अतिरिक्त, पोर्टेबल अग्नि शामक यंत्र आसानी से उपलब्ध होने चाहिए और कर्मचारियों को उनके उचित उपयोग के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना:

प्रत्येक बैंक के पास विशेष रूप से अग्नि आपात स्थितियों से निपटने के लिए एक इमरजेंसी आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना होनी चाहिए। इस योजना में निकासी प्रक्रियाओं की रूपरेखा और डेजिगनेटेड असेंब्ली पॉइट स्थापित करना चाहिए और नियमित फायर ड्रिल और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाने चाहिए ताकि कर्मचारी आपातकालीन प्रोटोकॉल से परिचित हों और उच्च तनाव की स्थितियों में कुशलता से प्रतिक्रिया कर सकें।

निष्कर्ष:

बैंकों में अग्नि सुरक्षा मूल्यवान संपत्ति और मानव जीवन दोनों की सुरक्षा का एक महत्त्वपूर्ण पहलू है। व्यापक अग्नि रोकथाम रणनीतियां, मजबूत अलार्म सिस्टम, प्रभावी अग्नि शमन तंत्र और अच्छी तरह से पूर्वाभ्यास वाली आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाओं को लागू करके, बैंक आग की घटनाओं के जोखिम को कम कर सकता है और अपने कर्मचारियों, ग्राहकों और मूल्यवान संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है।

***

मेरी अविस्मरणीय यात्रा (PM से AM तक)

सुंदर लाल पटेल
लिपिक
हंड़ी चौक शाखा, रायगढ़
बिलासपुर क्षेत्र.

यह घटना आज से तेरह साल पुरानी है। उन दिनों मैं स्नातक अंतिम वर्ष का विद्यार्थी था। उन दिनों सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों की भर्तियां आईबीपीएस के माध्यम से न होकर व्यक्तिगत रूप से होती थीं। मैं और मेरे दो दोस्त बैंक की परीक्षा देने के लिए रायगढ़ से हमेशा एक साथ जाते थे। छत्तीसगढ़ में पदों की रिक्तियां नहीं होने की स्थिति में हम लोग मध्यप्रदेश की ओर रूख करते थे। मध्यप्रदेश की रिक्तियों के लिए परीक्षा केंद्र भोपाल में रहता था। वैसे तो रायगढ़ से भोपाल के लिए सीधी कोई रेलगाड़ी नहीं थी, किन्तु बिलासपुर से रेलगाड़ी मिल जाती थी। हम तीनों के घरवालों की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी। अतः हम तीनों बच्चों के घर जा जा कर ट्यूशन पढ़ाते थे, जिससे रायगढ़ में रहने और पढ़ाई करने का खर्चा निकल जाता था। अपने-अपने घर की जिम्मेदारी भी हम तीनों के ऊपर बहुत ज्यादा थी, ऐसी स्थिति में रोजगार ही हमारा पहला और अंतिम लक्ष्य था।

इस बार बैंक की भर्ती परीक्षा का विज्ञापन जारी हुआ था जिसमें छत्तीसगढ़ के लिए कोई भी पद नहीं था। हम तीनों ने मध्यप्रदेश के लिए फार्म भरे और परीक्षा केंद्र भोपाल के लिए रेल की टिकट बुक कराने रेलवे स्टेशन चल पड़े। टिकट काउंटर पर बैठे कर्मचारी ने बताया कि बिलासपुर से भोपाल के लिए सीट मिल जाएगी पर वापसी में 100 से ज्यादा की वेटिंग है। फिर हमने उनसे पूछा कि कोई और गाड़ी या कोई और उपाय हो तो बताइए, की बोर्ड चलाने और कम्प्यूटर में कुछ देखने के बाद उन्होंने कहा कि भोपाल से बिलासपुर सीधे बुक करने की बजाय भोपाल से आमगांव और फिर आम गांव से बिलासपुर बुक करने पर सीट मिल जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि आपकी गाड़ी शाम को 7 बजे भोपाल से निकलेगी और रात को 12 बजे आमगांव पहुंचेगी। आमगांव से बिलासपुर 12 घंटे की दूरी पर है, जिसमें कंफर्म टिकट मिल जाएगी। हमारी परीक्षा नवंबर के महीने में थी, जिसमें कड़ाके की ठंड पड़ने की पूरी संभावना थी। ठिठुरती ठंड के महीने में बिना कंफर्म सीट के ट्रेन की यात्रा करना बहुत ही दुष्कर होता है। अतः टिकट काउंटर के उस कर्मचारी की तरकीब हमें बहुत अच्छी लगी। हमने उनके बताए अनुसार परीक्षा की तारीख में दो अलग-अलग फॉर्म भरकर दो अलग अलग कंफर्म टिकट ले लिए।

छह दिन बाद परीक्षा देने हम लोग भोपाल के लिए निकल पड़े। भोपाल में परीक्षा देने के बाद शाम को रेलवे स्टेशन पर हमारी गाड़ी का इंतजार करने लगे। गाड़ी एक घंटे लेट चल रही थी। मैं और एक दोस्त निश्चिन्त होकर आपस में बातें कर रहे थे कि अचानक से दूसरे दोस्त ने घबराहट के साथ मुझसे टिकट मांगा। टिकट को हड़बड़ी में देखने के बाद उसने बताया कि हमारी गाड़ी छूट गयी है, हम लोग बिना टिकट के हैं। हम दोनों उसकी बात को समझ नहीं पाए। हमने कहा कि हमारी गाड़ी तो अभी आने वाली है और हमारी टिकट भी कंफर्म है। उसने बताया कि हमने आज यानी 27 नवंबर को भोपाल से आमगांव के लिए टिकट बुक किया है। इस गाड़ी की आमगांव पहुंचने का समय बारह बजकर तीन मिनट है और बारह बजे के बाद रेलवे समयानुसार दूसरे दिन यानी 28 नवंबर शुरू हो जाता है, जबकि हमारे दोनों टिकट 27 नवंबर के हैं। हमारी आमगांव तक की टिकट तो आज की है किंतु आमगांव से बिलासपुर तक की टिकट बीते हुए कल की है।

रात के 12 बजे का फेर समझने के बाद हम तीनों के चेहरे पर केवल और केवल मायूसी थी। तीनों एक दूसरे के चेहरे देख रहे थे, लेकिन बोलने के लिए कुछ नहीं था। यह सब जानने के बाद सब कुछ उल्टा हो गया था। कुछ समय पहले तक जिस गाड़ी का हम लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे,

अब लगता था कि काश यह गाड़ी अब आए ही न। हमारी गाड़ी एक घंटे लेट थी, किंतु एक-एक सैकेंड हम पर भारी पड़ रहा था। जैसे तैसे करके हमने एक घंटा काटा। गाड़ी प्लेटफार्म में लग गयी किंतु अब अपनी ही गाड़ी हमें परायी लग रही थी। भोपाल से गाड़ी ज्यूं ही आगे बढ़ने लगी हमारी चिंताओं की रेखाएं भी बढ़ती गई, क्योंकि आमगांव के बाद हम लोग टिकट खरीद कर भी बिना टिकट के हो जाएंगे।

रात के करीब डेढ़ बजे हमारी गाड़ी आमगांव पहुंची। वहां पर हमने अपना सामान समेटकर दो बोगियों के बीच वाली जगह में अपने आपको टिका लिया। रात में ठंड बहुत ज्यादा थी, दरवाजे से हवा अंदर प्रवेश कर रही थी जिससे बहुत सिकुड़न हो रही थी। लेकिन हमें इन सबकी कोई परवाह नहीं थी। हम तो बस चाहते थे, कि काश ये गाड़ी उड़कर बिलासपुर पहुंच जाए। कुछ देर बाद एक टी.टी.ई., दो रेलवे पुलिस कर्मियों के साथ आगे की बोगी से टिकट चेक करते हुए आते दिखे। हमारी स्थिति और भी बुरी होती जा रही थी। टी.टी.ई. ने टिकट मांगा तो हमने डरे-डरे अपना टिकट दिखाया। टी.टी.ई. ने अपना चश्मा नाक पर टिकाते हुए टिकट को गौर से देखा पर शायद गौर ही नहीं कर पाया। उसने टिकट की तारीख को गौर किए बिना ही सीट नंबर पर अपने पेन से गोला लगाया और कहा कि मेरे पीछे आओ। हम लोग सब कुछ जानते हुए भी यह नहीं जान पा रहे थे, कि टी.टी.ई. महोदय को कैसे समझाएं कि हमारी टिकट के 12 बज गए हैं। चौथी बोगी से ग्यारहवीं बोगी की सैर करने के बाद काले सूट वाले ने सीट की ओर इशारा करते हुए कहा कि एस 45, एस 6 और एस 48 तुम लोगों की सीट है, बैठ जाओ। उन सीटों पर पहले ही तीन-तीन लोग बैठकर बाते कर रहे थे। वो लोग अपनी बातों में इतने मशगूल थे कि काले शूट वाले की बात समझ ही नहीं पाए और न ही ध्यान दे पाए। इतना कह कर टी.टी.ई. महोदय निकल लिए। हम लोग वापस अपने ठिकाने पर जाने ही वाले थे कि वहां बैठे एक सज्जन ने पूछा कि क्या बात है। हमने उनको सारी कहानी बताई, तब उन्होंने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। तुम लोगों की जगह कोई भी होता तो यही करता। टिकट बुक करने वाले कर्मचारी को समझना चाहिए था कि आमगांव के बाद 28 नवंबर का टिकट लेना है। उन्होंने बताया कि हम लोग रायपुर तक जा रहे हैं। हम बारह लोग हमारी मीटिंग अटेंड करने भोपाल गए थे। ये सारी सीट हमारी हैं और अब हम लोग सोने वाले नहीं हैं। इसलिए तुम तीनों निश्चिन्त होकर जगह बनाकर बैठ जाओ। उनकी बातों को सुनकर हमें लगा कि हमारे अच्छे कर्मों का फल है कि कोई फरिश्ते जैसा इंसान हमारी इस तरह से मदद कर रहा है। रायपुर पहुंचने पर हमने उनका बहुत बहुत धन्यवाद ज्ञापित किया। रायपुर के बाद पूरी गाड़ी लगभग खाली हो गई थी और हम लोग भी निश्चिन्त हो गए थे। जब गाड़ी बिलासपुर पहुंची तो हमें लगा कि जैसे बहुत बड़ी बला टल गई हो।

इस घटना के बाद से जब भी ''12 बजे'' शब्द सुनता हूं या किसी रात 12 बजे घड़ी पर नजर जाती है तो यह घटना अनायास ही दृष्टि पटल पर छा जाती है।

***

शंखनाद नई सुबह का...

थामों संभावनाओं का हाथ हिम्मत मत हारो,
कल का उदीयमान सूर्य तुम आज ही निहारो

मुश्किलें चलती रहेंगी साथ साथ,
आज उनके भार से स्वयं को मत बिखारो

समेट लेना दोनों हाथों से दिये उम्मीदों के,
उजाला जगमगाएगा सदा, तनिक दिये में तेल तो डालो

भले ही भारी है, जीवन का चक्र संभालना,
परंतु किसी आवेग में बहकर अनमोल जीवन को मत दुत्कारो

संयोग, वियोग और कहानी भिन्न है हर प्राणी की यहां,
किसको कितना मिला इसके हिसाब में स्वयं को मत तिरस्कारो

आज अवश्य कठिन है, असंभव प्रतीत होता है,
परंतु शंखनाद कर एक नई सुबह का भविष्य संवारो ।

थामों संभावनाओं का हाथ हिम्मत मत हारो,
कल का उदीयमान सूर्य तुम आज ही निहारो ।

आशीष बी.
प्रबंधक
ऋण निगरानी विभाग
क्षेत्रीय कार्यालय, तेलंगाना उत्तर

डिजिटल मुद्रा का भविष्य की बैंकिंग और अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला प्रभाव

सुश्री विद्या भारत सोलंके
व्यवसाय सहायक
क्षेत्रीय कार्यालय, नाशिक

भारतीय रिज़र्व बैंक डिजिटल मुद्रा के पायलट लॉन्च के साथ, भारत ने अपने वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाया है। सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) देश की आधिकारिक मुद्रा का इलेक्ट्रॉनिक संस्करण है और संबंधित देश के केंद्रीय बैंक द्वारा जारी किया जाता है। भारत में, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने इस विधिक टेंडर को जारी किया है, जिसे डिजिटल रुपया भी कहा जाता है।

आरबीआई द्वारा लॉन्च की गई डिजिटल मुद्रा संप्रभु (केंद्र सरकार) द्वारा समर्थित है। यह एक विधिक मुद्रा है और अपने सभी कार्यों के लिए कागजी मुद्रा के करीबी विकल्प के रूप में कार्य करेगी। विनिमय के एक माध्यम के रूप में डिजिटल रुपया से कारोबार के आसान, तेज़ और सस्ते तरीकों की सुविधा मिलने की उम्मीद है। आरबीआई द्वारा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक सहित कई प्रतिष्ठित बैंकों को इस पायलट प्रोजेक्ट पर काम करने का काम सौंपा गया है, जिसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था, जोखिमों, लाभों और कार्यान्वयन विधियों पर सीबीडीसी के प्रभाव का अनुसंधान और विश्लेषण करना है।

अक्तूबर 2022 के पहले सप्ताह में, भारतीय रिजर्व बैंक ने सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) पर एक कॉन्सेप्ट नोट जारी किया, जिसमें सीबीडीसी की शुरूआत के प्रति आरबीआई के दृष्टिकोण को समझाने की मांग की गई। एक महीने से भी कम समय में 1 नवंबर, 2022 को आरबीआई ने पायलट आधार पर डिजिटल रुपया – थोक सेगमेंट लॉन्च किया। आरबीआई की घोषणा के अनुसार, खुदरा क्षेत्र के लिए डिजिटल रुपया को क्लोज्ड उपयोगकर्ता समूहों में चुनिंदा स्थानों पर एक महीने के भीतर पायलट आधार पर लॉन्च करने का भी प्रस्ताव है। यह आरबीआई की चपलता और हमारे देश को डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में हासिल हुई ताकत और अनुभव को दर्शाता है। पायलट आधार पर इस प्रारंभिक पहली लॉन्चिग के परिणामों के मूल्यांकन के बाद उचित समय पर सीबीडीसी की पूर्ण लॉन्चिग की उम्मीद है। सीबीडीसी का बैंकों की अर्थव्यवस्था और कामकाज पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

इसके प्रभाव को बेहतर ढंग से समझने के लिए, आइए यह समझने की कोशिश करें कि डिजिटल मुद्रा क्या लाती है।

- सीबीडीसी प्रोग्राम करने योग्य हो सकता है, अर्थात्, इसे विशिष्ट उद्देश्यों के लिए बनाया और प्रसारित किया जा सकता है। सीबीडीसी विशिष्ट अनुबंधों, व्यक्तियों या अवधियों के लिए बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, नकद रूप में होने पर सरकारी धन का दुरुपयोग या गबन किया जा सकता है। लेकिन सीबीडीसी के साथ, सरकार और यहां तक कि निजी संस्थान भी यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए निर्धारित धन का उपयोग केवल उसी उद्देश्य के लिए किया जाए।
- वर्तमान में, क्रिप्टोकरेंसी एक सुरक्षित और वास्तविक समय में निधि अंतरण विकल्प प्रदान करती है। हालांकि, यह अनियमित है, अधिकांश सरकारें क्रिप्टोकरेंसी को प्रोत्साहित नहीं करती हैं। जबकि सीबीडीसी क्रिप्टोकरेंसी का विकल्प नहीं हैं, यह आरबीआई को कानूनी और सुरक्षित तरीके से समान लाभ प्रदान करने में मदद करेगा।
- डिजिटल भुगतान प्लेटफ़ॉर्म पर अधिकतर निजी संस्थाएं हैं। सीबीडीसी के साथ सरकार डिजिटल भुगतान में अपनी उपस्थिति मजबूत कर सकती है। आरबीआई समर्थित डिजिटल मुद्रा भारत में अधिक लोगों को डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।
- पैसा बनाने में पैसा खर्च होता है। ढलाई की लागत के अलावा, मुद्रा नोटों को देश भर में विभिन्न स्थानों पर संगृहीत, विप्रेषण और वितरित करने की भी आवश्यकता होती है। डिजिटल मुद्रा भारत की बड़े पैमाने पर पैसा छापने

की कवायद कम कर देगी क्योंकि यह पूरी तरह से डिजिटल है।

1. निधि अंतरण सेवा उद्योग को बाधित करना

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निधि अंतरण विशिष्ट टर्नअराउंड समय, बैच रन, बैंक अवकाश, सप्ताहांत आदि के अधीन है। हालांकि, डिजिटल मुद्रा लेनदेन 24 x 7 उच्च गति से चलेगा और लेनदेन से संबंधित खर्च इससे कम होने की उम्मीद है।

2. प्रचलित लागत

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा अनुकूलता के साथ, भारत में डिजिटल मुद्रा दुनिया भर में निधि अंतरण सेवा उद्योग को बाधित कर सकती है।

3. कैशलेस अर्थव्यवस्था हासिल करना

भौतिक नकदी की गुमनामी कई लोगों के लिए आकर्षक है और इसे जल्द ही कभी भी पूरी तरह से बदला नहीं जा सकता है। लेकिन ई-रुपी के माध्यम से वित्तीय समावेशन में वृद्धि के साथ, भारत को कैशलेस भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र की अधिक स्वीकार्यता दिखनी चाहिए। इस तरह, डिजिटल मुद्रा या ई-रुपी, सरकार को कैशलेस अर्थव्यवस्था हासिल करने में मदद करेगी। लोगों के लिए कैशलेस अर्थव्यवस्था का मतलब डिजिटल लेनदेन की सुविधा और नकदी रखने तथा नकदी रखने से जुड़े जोखिमों से मुक्ति है।

4. सरकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन

सीबीडीसी प्रत्यक्ष लाभार्थी हस्तांतरण में मदद कर सकता हैं जो विशेष उद्देश्यों के लिए निर्धारित है। सीबीडीसी को विशिष्ट उद्देश्यों और अवधियों के लिए प्रोग्राम किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) लाभार्थी के लिए निर्धारित डिजिटल मुद्रा की एक निश्चित राशि केवल ऐसे व्यक्ति द्वारा ही प्राप्त और उपयोग की जा सकती है।

इसी प्रकार, एलपीजी (रसोई गैस) अनुदान निर्धारित स्थानों पर ही भुगतान के लिए स्वीकार किया जाएगा। इसका मतलब यह है कि यदि आपको सरकार से सीबीडीसी में एलपीजी अनुदान मिलता है, तो आप इसका उपयोग केवल अधिकृत एलपीजी एजेंसी को डिजिटल रूप से भुगतान करने के लिए कर सकते हैं और कुछ नहीं।

यह दर्शाता हैं कि सरकारी योजनाओं, नीतियों और सहायता के अंतिम लाभार्थी तथा जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन में सीबीडीसी की व्यापक भूमिका हो सकती है।

5. नागरिकों पर प्रभाव और लाभ

कुछ सुस्पष्ट तरीके जिनसे सीबीडीसी आम लोगों को प्रभावित करेगा उनमें शामिल हैं,

- कुशल निधि अंतरण और तेज निपटान।
- लेनदेन लागत कम होने की संभावना है, जिससे उपयोगकर्ताओं के पैसे की बचत होगी। यह अंतर्राष्ट्रीय निधि अंतरण के लिए भी लागू होगा क्योंकि सीबीडीसी-आधारित प्रेषण तेज और सस्ता होगा।
- अंतरण और विप्रेषण सेवाओं की 24x7 उपलब्धता के साथ, सीबीडीसी में कम डाउनटाइम की उम्मीद है।
- भौतिक नकदी ले जाने और रखरखाव के साथ-साथ गंदे और क्षतिग्रस्त नोटों की समस्या से बचा जा सकता है।

अर्थव्यवस्था और बैंकों पर असर

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा शुरू की गई डिजिटल मुद्रा का सामान्य रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से बैंकिंग क्षेत्र पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। सबसे पहले, आरबीआई द्वारा जारी नया डिजिटल रुपया अर्थव्यवस्था में समग्र धन आपूर्ति का एक हिस्सा बनेगा, जो बदले में कुल मांग और कीमतों को प्रभावित करेगा। मुद्रा के प्रचलन की गति में बदलाव आएगा। लेनदेन की कुल लागत कम होने की उम्मीद है, जिससे दक्षता आएगी। कागजी मुद्रा की मात्रा कम होने से नए नोटों की छपाई की लागत कम हो जाएगी। आरबीआई की अपनी डिजिटल मुद्रा के प्रचलन में आने से क्रिप्टोकरेंसी की भूमिका पर भी असर पड़ने की उम्मीद है।

जहां तक बैंकों का सवाल है, न केवल सरकारी प्रतिभूतियों के लेनदेन के लिए बल्कि जमाकर्ताओं और उधारकर्ताओं के साथ अन्य लेनदेन के लिए भी डिजिटल मुद्रा को संभालने और उपयोग करने के लिए समय के साथ नई प्रक्रियाएं विकसित होंगी।

बैंकों की 'करेंसी चेस्ट' के माध्यम से कागजी मुद्रा (नोटों) के रखरखाव, विप्रेषण और वितरण की मात्रा कम हो जाएगी। नोटों की छंटाई, गंदे और दुबारा जारी करने योग्य नोटों को अलग करने आदि का बोझ भी कम हो जाएगा। डिजिटल रुपए के सक्रिय उपयोग में आने से नकली नोटों की समस्या कम होने की उम्मीद है।

अर्थव्यवस्था में समग्र नकदी निर्भरता कम होने की उम्मीद है। डिजिटल मुद्रा से धन के सुचारु वितरण में और सुधार होने की संभावना है। डिजिटल मुद्रा संशोधित और बेहतर बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने में मदद कर सकती

है। यह धन के अंतिम उपयोग पर प्रभावी ढंग से नजर रखकर धोखाधड़ी को रोकने में भी मदद कर सकती है।

डिजिटल रुपया में अर्थव्यवस्था और बैंकिंग क्षेत्र को कई तरीकों से बदलने की क्षमता है। नीति निर्माताओं के लिए अर्थव्यवस्था में वास्तविक समय की दृश्यता और अंतर्दृष्टि उपलब्ध होगी और समग्र लागत-प्रभावशीलता और दक्षता में सुधार होगा।

सारांश – भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा डिजिटल मुद्रा (ई-रुपी) के लॉन्च के साथ, भारत में धन के डिजिटलीकरण में पर्याप्त वृद्धि देखने और कैशलेस अर्थव्यवस्था की सुविधा की दिशा में एक कदम आगे बढ़ने की उम्मीद है। एक बार जब यह भारत की मौद्रिक प्रणाली में शामिल हो जाएगा, तो डिजिटल रुपये का प्रभाव पूरे भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने की उम्मीद की जा सकती है। कम भौतिक नकदी उपयोग, बेहतर लेनदेन गति और डिजिटल दक्षता जैसे सीबीडीसी लाभों के इस प्रभाव को चलाने के लिए व्यापक रूप से अपेक्षित है। सफल कार्यान्वयन के साथ, सीबीडीसी का अर्थव्यवस्था पर दूरगामी और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और भारत की वित्तीय वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

***

नैतिक मूल्य एवं बैंकिंग

अनिल कुमार
मुख्य प्रबंधक एवं शिक्षण प्रमुख
बड़ौदा अकादमी, चंडीगढ़

सभ्यता के विकास ने वस्तु विनिमय को पैसे (कैश) से प्रतिस्थापित कर दिया है। जहां पैसा आ जाता है वहां पर इच्छाएं बढ़ने लगती हैं और जहां इच्छाएं बढ़ने लगती हैं, वहां पर अनैतिक आचरण भी संभवतः अपनी जगह बनाने में कामयाब हो जाता है। जहां तक बैंकिंग का प्रश्न है, यहां पर लोग मात्र इस अटल विश्वास के साथ अपनी गाढ़ी कमाई शाखाओं में जमा करके जाते हैं ताकि जरूरत के समय यह पैसा उनको वापस मिल जाएगा। यह विश्वास ही सबसे बड़ा नैतिक मूल्य है।

नैतिक मूल्यों को संस्थान स्तर पर लागू करने के उद्देश्य से आज बैंक नवोन्मेषी उपाय कर रहे हैं। बैंक में व्हिसल ब्लोअर नीति को भी लागू किया जाता है। इस नीति के अंतर्गत हर एक स्टाफ सदस्य की ज़िम्मेदारी होती है कि शाखाओं में यदि कोई अनैतिक कार्य होता हुआ दिखाई देता है तो वह संबंधित अधिकारी को उसी समय शिकायत करे। इसका लाभ यह होगा कि बैंक को होने वाली संभावित हानि से बचाया जा सकेगा। साथ ही साथ ग्राहकों का भरोसा भी कायम रहेगा।

उदाहरण के लिए एक 'क' शाखा को ले लेते हैं। यहाँ एक नए अधिकारी को दैनिक परिचालन के कार्यों में लगा दिया गया। 'क' शाखा में निरीक्षण के दौरान भारी अनियमितताएं बैंक के संज्ञान में आईं लेकिन किसी भी प्रकार का बदलाव स्टाफ सदस्यों की कार्यप्रणाली में देखने में नहीं आया। इस नए अधिकारी ने देखा कि किस प्रकार से बैंक में नियमों को ताक पर रखकर कार्य हो रहे हैं। लेकिन उसने भी इसको कहीं भी रिपोर्ट करना उचित नहीं समझा क्योंकि जाने-अनजाने वह भी इसी माहौल में ढल गया था। उसको इस माहौल में आनंद आने लगा था। शाखा के क्रियाकलापों को देखते हुए बैंक ने एक विशेष जांच कराई जिसमें पुराने व नए सभी स्टाफ सदस्यों की संलिप्तता पाई गई। यह अधिकारी चूंकि अभी परिवीक्षा अवधि में ही था। अतः सबसे ज़्यादा नुकसान इसी को हुआ। यहां पर यदि इस अधिकारी ने सतर्कता एवं सजगता का परिचय दिया होता तो अपने साथ बैंक को भी नुकसान से बचा सकता था।

आज देश और समाज को उच्च नैतिक मूल्यों वाले लोगों की बहुत ज़रूरत है। सरकारी नौकरी की ऑनलाइन/लिखित परीक्षाओं में नैतिक मूल्यों से संबंधित विषयों को सम्मिलित किया जाना चाहिए। साक्षात्कार के दौरान विषय ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इसी के साथ जब पदोन्नति के लिए स्टाफ सदस्य को सूचीबद्ध किया जाए तो उच्च नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आरबीआई और भारत सरकार आज अनुपालन को लेकर बहुत गंभीर हैं। इसके लिए बैंक स्तर पर अनुपालन निरीक्षण कराए जा रहे हैं। अंत में मैं यही कहना चाहूँगा कि नैतिक आचरण के लिए किसी के कुछ कहने या टोकने के इंतज़ार में हम अपने आचरण को ख़राब न करें बल्कि स्वतः ही नैतिक पथ पर अग्रसर हों।

अभिप्रेरणा कार्यक्रम / कार्यशाला

अंचल कार्यालय, बड़ौदा

अंचल में वर्ष: 2023-24 की पदोन्नति प्रक्रिया के दौरान पदोन्नत हुए सभी स्टाफ सदस्यों हेतु दिनांक 04 मई, 2023 को राजभाषा अभिप्रेरणा कार्यक्रम तथा सामर्थ्य टूलकिट पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान कार्यालय, बड़ौदा के सहायक महाप्रबंधक श्री पुनीत कुमार मिश्र (राजभाषा एवं संसदीय समिति) भी उपस्थित रहे।

अंचल कार्यालय, जयपुर

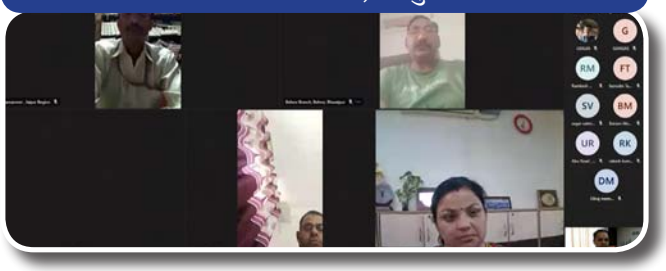

दिनांक 12 अप्रैल, 2023 को अंचल राजभाषा विभाग एवं बड़ौदा अकादमी, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में लिपिक वर्ग से अधिकारी संवर्ग में पदोन्नत स्टाफ़ सदस्यों के लिए राजभाषा अभिप्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल के राजभाषा प्रभारी श्री सोमेन्द्र यादव एवं बड़ौदा अकादमी की संकाय सुश्री शिल्पा कुकरेती, वरिष्ठ प्रबंधक द्वारा राजभाषा नीति-नियम, शाखाओं के लिए तैयार किए गए विशेष प्रशिक्षण सामग्री शाखा सामर्थ्य टूल सहित बैंक के विभिन्न उत्पादों में हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओं के प्रयोग संबंधी विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, उत्तरी दिल्ली

दिनांक 15 मई, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, उत्तरी दिल्ली द्वारा शालीमार बाग शाखा में राजभाषा अभिप्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत माइक्रोसॉफ्ट इंडिक लैंग्वेज इनपुट टूल के बारे में, एसएमएस सेवा हिंदी भाषा में उपलब्ध सुविधा का कैसे उपयोग करें विषय के बारे में, बॉब अभिव्यक्ति ऐप के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही शाखा कर्मियों के लिए हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, नवी मुंबई

दिनांक 19 मई, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, नवी मुंबई के सभी शाखाओं के सहायक प्रबंधकों के लिए क्षेत्रीय प्रमुख, सुश्री नेहा सिन्हा एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री हेमंत कुमार लाल की अध्यक्षता में भौतिक रूप से राजभाषा अभिप्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस बैठक में राजभाषा कार्यान्वयन में बेहतरीन कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर

दिनांक 25 अप्रैल, 2023 को अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर द्वारा स्टाफ सदस्यों के लिए राजभाषा अभिप्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री रजनीकांत कुंपावत, उप क्षेत्रीय प्रमुख जयपुर क्षेत्र के संबोधन से हुआ। इस कार्यशाला में अंचल राजभाषा प्रभारी श्री सोमेन्द्र यादव एवं क्षेत्रीय राजभाषा अधिकारी, श्री जयपाल सिंह द्वारा राजभाषा नीति-नियम, शाखाओं के लिए तैयार किए गए विशेष प्रशिक्षण सामग्री शाखा सामर्थ्य टूल सहित बैंक के विभिन्न उत्पादों में हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओं के प्रयोग संबंधी विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा

दिनांक 19 जून, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा द्वारा अंतर अंचल स्थानांतरण प्रक्रिया के अंतर्गत उपस्थित स्टाफ सदस्यों हेतु राजभाषा अभिप्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय राजभाषा अधिकारी, श्री विनोद बैरवा द्वारा शाखा स्तर पर राजभाषा कार्यान्वयन, राजभाषा मासिक रेटिंग, स्टाफ सदस्यों हेतु 'बॉब अभिव्यक्ति' ऐप डाउनलोड करने एवं वार्षिक कार्ययोजना के मुख्य बिंदुओं से सभी को अवगत कराया गया।

हिंदी कार्यशाला

अंचल कार्यालय, भोपाल

दिनांक 06 जून, 2023 को अंचल कार्यालय, भोपाल तथा क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल द्वारा शाखाओं के संयुक्त प्रबंधकों हेतु हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया और राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में शाखा से प्रबंधन की अपेक्षाओं के संबंध में प्रतिभागियों को जानकारी दी गई। ।

क्षेत्रीय कार्यालय, नाशिक

दिनांक 11 मई, 2023 को नाशिक क्षेत्र के स्टाफ सदस्यों हेतु एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। शाखाओं के अधिकारियों हेतु आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन क्षेत्रीय प्रबंधक श्री विकास कुमार द्वारा किया गया। कार्यशाला में नाशिक क्षेत्र की शाखाओं/ कार्यालयों के कुल 50 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

अंचल कार्यालय, बेंगलूरु

दिनांक 20 मई, 2023 को वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा बेंगलूरु में आयोजित विशेष हिंदी कार्यशाला में हमारे बैंक का प्रतिनिधित्व रहा। श्री अभिषेक कुमार श्रीवास्तव, उप क्षेत्रीय प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु-मध्य तथा श्री सुनील कुमार सिन्हा, वरिष्ठ प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु-दक्षिण ने सहभागिता की।

क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत जिला

दिनांक 06 जून, 2023 को सूरत जिला क्षेत्र द्वारा शाखाओं में पदस्थ स्टाफ सदस्यों हेतु क्षेत्रीय प्रमुख, श्री चन्द्रकान्त चक्रवर्ती की अध्यक्षता में माइक्रोसॉफ़्ट टीम्स के माध्यम से हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 28 स्टाफ सदस्यों ने प्रतिभागिता की । इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख, श्री नरेन्द्र पाण्डेय एवं कार्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे ।

क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल

दिनांक 09 जून, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल तथा अचंल कार्यालय, भोपाल द्वारा शाखाओं के संयुक्त प्रबंधकों हेतु हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बड़ौदा अकादमी, जमशेदपुर

दिनांक 11 मई, 2023 को बड़ौदा अकादमी, जमशेदपुर के प्रशिक्षण प्रभारी श्री श्याम किशोर सिंह की अध्यक्षता में जमशेदपुर क्षेत्र एवं रांची क्षेत्र के नव पदोन्नत स्टाफ सदस्यों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बड़ौदा अकादमी, मुंबई

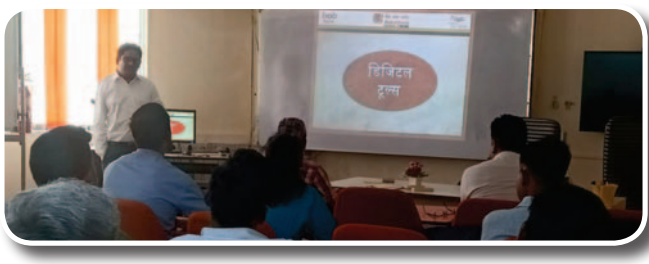

दिनांक 29 अप्रैल, 2023 को बड़ौदा अकादमी, मुंबई द्वारा व्यवसाय सहायकों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें संतोष टेलकीकर, वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा द्वारा सत्र लिया गया। इस कार्यशाला में 28 स्टाफ सदस्यों ने प्रतिभागिता की।

विविध गतिविधियां

अंचल कार्यालय, बेंगलूरु

दिनांक 29 जून, 2023 को आयोजित अंचल समिति की बैठक के दौरान बेंगलूरु अंचल की पत्रिका 'कृष्णा' मार्च 2023 का विमोचन महाप्रबंधक, श्री रीतेश कुमार तथा बेंगलूरु अंचल के उप अंचल प्रमुख श्री विवेक कुमार चौधरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी क्षेत्रीय प्रबंधक, कार्यपालक तथा अंचल कार्यालय, बेंगलूरु के राजभाषा प्रभारी सुश्री एम.नीना देवस्सी उपस्थित थे।

क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर

राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने पर क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्यों को राजभाषा वैभव सम्मान के अंतर्गत दिनांक 30 जून 2023 को श्री नरोत्तम वर्मा, व्यवसाय सहायक (ऋण), क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर को रायपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अमित बैनर्जी द्वारा सम्मानित किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, भरूच

दिनांक 24 मई, 2023 व्यवसाय वृद्धि में विशेष सहयोग हेतु भरूच क्षेत्र आदर्श हिंदी शाखा सेंटर पॉइंट अंकलेश्वर के शाखा प्रमुख श्री रोहित वैश्य (मुख्य प्रबंधक) द्वारा महत्त्वपूर्ण ग्राहक श्री संजीव गुप्ता, पीपी सवानी ग्रुप गार्डन सीटी, अंकलेश्वर को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, भरूच के राजभाषा अधिकारी भी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, अंबेडकरनगर

अंबेडकरनगर क्षेत्र द्वारा दिनांक 17 जून, 2023 को राजभाषा विशेष बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रमुख, श्री महेंद्र कुमार वर्मा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में श्री संजय सिंह, प्रमुख- राजभाषा एवं संसदीय समिति उपस्थित रहे जिन्होंने अपनी गरिमामयी उपस्थिति और मार्गदर्शी संबोधन से सभी स्टाफ सदस्यों को राजभाषा के प्रति प्रेरित और प्रोत्साहित किया। क्षेत्रीय प्रमुख महोदय ने अपने संबोधन में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट निष्पादन का आश्वासन दिया। उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री कुंदन सिंह जी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

क्षेत्रीय कार्यालय, नाशिक

दिनांक 26 अप्रैल, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, नाशिक के सभी स्टाफ सदस्यों हेतु हिंदी अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में हिंदी परिभाषिक शब्दावली के शब्दों, मुहावरे एवं लोकोक्तियां, वाक्य में उपयोग, विविध लेखकों एवं कवियों की रचनाओं को पहचानना एवं भाषा विज्ञान संबंधी प्रश्न पुछे गए। क्षेत्रीय कार्यालय के कुल 30 स्टाफ सदस्यों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

क्षेत्रीय कार्यालय, पुत्तूर

दिनांक 02 जून, 2023 को पुत्तूर मुख्य शाखा, पुत्तर क्षेत्र में ग्राहक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। बॉब वर्ल्ड एवं एस एम एस सेवा में उपलब्ध स्थानीय भाषा सुविधा के लाभ उठाने की दिशा में राजभाषा अधिकारी श्रीमती पी राजेश्वरी ने ग्राहकों से आग्रह किया।

क्षेत्रीय कार्यालय, उडुपी

दिनांक 03 जून, 2023 को कोटेश्वर शाखा, उडुपी क्षेत्र में ग्राहक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। बॉब वर्ल्ड एवं एस एम एस सेवा में उपलब्ध स्थानीय भाषा सुविधा के लाभ उठाने तथा साइबर अपराधों से बचने की दिशा में राजभाषा अधिकारी श्रीमती माया एस ने ग्राहकों को अवगत कराया।

विविध गतिविधियां

अंचल कार्यालय, हैदराबाद

हैदराबाद अंचल द्वारा 'विश्व अर्थव्यवस्था में उभरती स्थिति' विषय पर दिनांक 21 अप्रैल, 2023 को 'विडॉलरीकरण' पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, उडुपी

दिनांक 15 जून, 2023 को श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय उडुपी का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण किया गया। श्री अनिर्बान कुमार विश्वास का स्वागत करते श्री सनातन साथुआ, क्षेत्रीय प्रमुख उडुपी क्षेत्र।

क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 22 जून, 2023 को अंचल कार्यालय मुंबई द्वारा कुर्ला पश्चिम शाखा के सभी स्टाफ सदस्यों हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही, सभी स्टाफ सदस्यों को SMSLANG मेनू का अधिक से अधिक उपयोग करने व बॉब अभिव्यक्ति ऐप में सक्रियता बनाए रखने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, उत्तरी दिल्ली

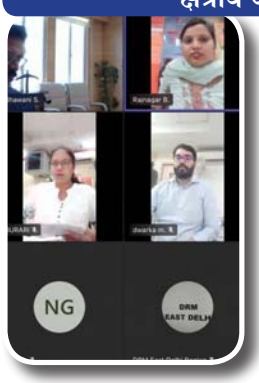

दिनांक 20 जून, 2023 को क्षेत्राधीन शाखाओं के लिए ग्राहक सेवा पर वेबिनार का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता उप अंचल प्रमुख श्री भवानी शंकर गुप्ता ने की। वेबिनार में उत्तरी दिल्ली क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी 5 क्षेत्रों के उप अंचल प्रमुख, 33 शाखाओं के शाखा प्रमुख और अन्य 18 स्टाफ उपस्थित रहे। उप अंचल प्रमुख और कुल 21 शाखा प्रमुखों ने अपने विचार प्रकट किए और चर्चा में हिस्सा लिया।

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़

दिनांक 31 मई, 2023 को चंडीगढ़ अंचल में बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान 2023 के अंतर्गत 12 उपन्यासों की लॉन्गलिस्ट में से पंजाबी भाषा के उपन्यास 'बाकी सफ़ा 5 पर' के मूल लेखक श्री रूप सिंह और पुस्तक के हिंदी अनुवादक श्री सुभाष नीरव के साथ विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक महोदय श्री अजय के. खुराना उपस्थित रहे। उन्होंने 'बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान' के बारे में सभा को अवगत कराया।

क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर

क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर के राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 15 मई, 2023 से 13 जून, 2023 तक 'हिंदी ई-मेल एवं व्हाट्सऐप में हिंदी में संदेश भेजने संबंधी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसमें सभी विभागों द्वारा अत्यंत उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की गई और विजेता विभागों को क्षेत्रीय प्रमुख, श्री अनिल कुमार माहेश्वरी एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख, श्री संदीप खेतान द्वारा सम्मानित किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु-उत्तर

दिनांक 11 अप्रैल, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु-उत्तर द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यरत स्टाफ सदस्यों के लिए 'हिंदी में हास्य संभाषण' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बेंगलूरु-उत्तर क्षेत्र की उप क्षेत्रीय प्रमुख सुश्री आर.भुवनेश्वरी, क्षेत्र की राजभाषा अधिकारी सुश्री एम.रत्नाकुमारी एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

विविध गतिविधियां

अंचल कार्यालय, जयपुर

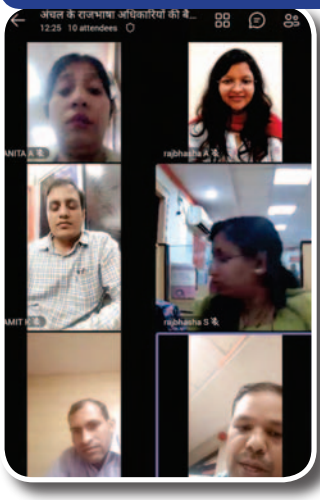

अंचल राजभाषा विभाग द्वारा मई 2023 माह के दौरान किए गए राजभाषा संबंधी विविध कार्यों की समीक्षा हेतु मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन दिनांक 26 जून, 2023 को किया गया। इस अवसर पर अंचल के सभी राजभाषा अधिकारी शामिल रहे। जयपुर अंचल द्वारा अंचल में राजभाषा कार्यान्वयन को गति देने के लिए नियमित अंतराल पर राजभाषा अधिकारियों की बैठक आयोजित की जाती है।

अंचल कार्यालय, दिल्ली

दिनांक 21 अप्रैल, 2023 को अंचल कार्यालय के सीकेवाइसी डेस्क की प्रबंधक, सुश्री बरखा वर्मा और सुश्री श्रीपर्णा दत्त को डेस्क प्रशिक्षण दिया गया तथा उन्हें हिंदी में वास्तविक कामकाज की आवश्यकता बताते हुए विभाग द्वारा भेजे जाने वाले ई-मेल/पत्रों में तथा उच्चाधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत नोटों में हिंदी का प्रयोग अपेक्षित स्तर तक बढ़ाने हेतु अभिप्रेरित किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई मेट्रो दक्षिण

दिनांक 27 अप्रैल, 2023 को मुंबई अंचल कार्यालय द्वारा वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु मुंबई मेट्रो दक्षिण क्षेत्र के बैंक मित्रों की बैठक का आयोजन किया गया। हिंदी और प्रादेशिक भाषाओं के उपयोग से ग्राहक सेवा को और बेहतर बनाने हेतु इन सुविधाओं के अधिकाधिक उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस बैठक में नए खोले जाने वाले खातों में बैंक के लेनदेन संबंधी संदेश अपनी भाषा में एवं व्हाट्सऐप बैंकिंग सेवाएं हिंदी में प्राप्त करने की सुविधा के अधिकाधिक सक्रियण हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया ।

क्षेत्रीय कार्यालय, सवाई माधोपुर

दिनांक 06 मई, 2023 को सवाई माधोपुर में भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर डॉ. माइकल देबब्रत पात्रा द्वारा वित्तीय साक्षरता पर आधारित क्विज़ प्रतियोगिता के विजेता स्कूली विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। क्षेत्रीय प्रमुख, सहायक महाप्रबंधक श्री रामावतार पालीवाल ने उप गवर्नर महोदय का स्वागत किया गया। इस अवसर पर भारतीय रिज़र्व बैंक, जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक, श्री रोहित पी दास, उप महाप्रबंधक श्री विकास अग्रवाल एवं श्री लाल सिंह भाटी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री रामावतार पालीवाल सहित अन्य बैंकों के क्षेत्रीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, बर्द्धमान

दिनांक 6 जून, 2023 को बर्द्धमान क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 4 शाखाओं का राजभाषाई निरीक्षण किया गया जिसमें सभी शाखाओं को अधिक से अधिक कार्य राजभाषा हिंदी में करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा शाखा में जिन्होंने बॉब अभिव्यक्ति ऐप डाउनलोड नहीं किया था उनके ऐप डाउनलोड करवाए गए।

क्षेत्रीय कार्यालय, नवी मुंबई

दिनांक 22 मई, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, नवी मुंबई द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख सुश्री नेहा सिन्हा की अध्यक्षता में बैंक मित्रों और बैंक मित्र पर्यवेक्षकों को ग्राहकों के लेन देन संबंधी एसएमएस अलर्ट में हिंदी/ क्षेत्रीय भाषाओं और हिंदी में व्हाट्सऐप बैंकिंग सक्रियण बढ़ाने के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय प्रमुख ने बीसी केंद्र पर हिंदी/ भारतीय भाषाओं को अपनाने के लिए सभी बैंक मित्रों और बैंक मित्र पर्यवेक्षकों को प्रोत्साहित किया।

बड़ौदा मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना

हमारे बैंक ने देश के जन समुदाय विशेषकर युवा पीढ़ी के बीच संपर्क भाषा हिंदी को लोकप्रिय बनाने तथा बैंक की स्थापित ब्रांड पहचान को और अधिक विकसित करने और अंतत: बैंक के व्यवसाय विकास के उद्देश्य से वर्ष 2006 से विभिन्न विश्वविद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने के लिए बड़ौदा मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहन नामक योजना शुरू की है। योजना के तहत एम.ए. हिंदी की अंतिम वर्ष की परीक्षा में विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष नकद पुरस्कार तथा प्रशंसा पत्र प्रदान किए जाते हैं। यह योजना देशभर के 71 चुनिंदा विश्वविद्यालयों में लागू की गई है। अप्रैल– जून, 2023 तिमाही में अंचलों/ क्षेत्रों द्वारा आयोजित बड़ौदा मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहन कार्यक्रमों के विवरण निम्नानुसार है: – संपादक

अंचल कार्यालय, जयपुर

बैंक नराकास जयपुर के वार्षिक राजभाषा समारोह दिनांक 07 जून, 2023 के दौरान अंचल कार्यालय, जयपुर द्वारा बड़ौदा मेधावी सम्मान हेतु चयनित वनस्थली विद्यापीठ विश्वविद्यालय की एम.ए. हिन्दी अंतिम परीक्षा वर्ष 2021-22 में विश्वविद्यालय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्तकर्ता दो छात्राओं यथा सुश्री आयुषी बोरदिया एवं सुश्री शिवानी शर्मा को बड़ौदा मेधावी विद्यार्थी सम्मान पुरस्कार योजना के अंतर्गत क्रमशः रु.11000/- एवं रु.7500/- की राशि एवं प्रशस्ति पत्र देश के सुप्रसिद्ध कवि श्री अरुण जैमिनी एवं जयपुर अंचल प्रमुख महाप्रबंधक श्री कमलेश कुमार चौधरी के करकमलों से प्रदान किए गए।

क्षेत्रीय कार्यालय, अयोध्या

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के एम.ए. (हिंदी) में अधिकतम अंक पाने वाले विद्यार्थियों (सुश्री शिखा एवं श्री प्रज्ञात प्रताप सिंह) को क्रमश: रुपये 11,000/- एवं 7500/- की राशि एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। मेधावीथ विद्यार्थियों को सन्मानित करते हुए प्रमुख-राजभाषा एवं संसदीय समिति श्री संजय सिंह और क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिलकुमार झा।

क्षेत्रीय कार्यालय, गुलबर्गा

दिनांक 11 अप्रैल, 2023 को कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुलबर्गा में बड़ौदा मेधावी विद्यार्थी सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में, शैक्षणिक वर्ष 2020-21 तथा 2021-2022 के विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति, रजिस्ट्रार, हिंदी विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय कार्यालय, गुलबर्गा के क्षेत्रीय प्रबंधक, अंचल राजभाषा प्रभारी, क्षे.का के मुख्य प्रबंधक, अध्यापक गण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा

दिनांक 07 अप्रैल, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा में क्षेत्रीय प्रमुख, श्री मुकेश आनंद मेहरा एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री तेज सिंह मीना द्वारा बैंक की बड़ौदा मेधावी योजना के अंतर्गत कोटा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2020-21 तथा 2021-22 अंतिम वर्ष की परीक्षा में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थी (एक छात्र व एक छात्रा का प्रतिनिधित्व करते हुए) को प्रशस्ति पत्र व प्रोत्साहन राशि का चेक भेंट कर सम्मानित किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, हिसार

दिनांक 07 अप्रैल, 2023 को चंडीगढ़ अंचल के हिसार क्षेत्र द्वारा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के मेधावी विद्यार्थियों - सुश्री पूजा और श्री कुलदीप को बड़ौदा मेधावी विद्यार्थी योजना के तहत क्रमशः रु. 11000/- और रु. 7500 का चेक देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजीव रंजन, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री भूपेंद्र रोहिल्ला तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

अंचल कार्यालय, मुंबई

दिनांक 25 अप्रैल, 2023 को एसएनडीटी विश्वविद्यालय, मुंबई के प्रांगण में बड़ौदा मेधावी विद्यार्थी सम्मान योजना के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण के बाद उपस्थित सदस्यों को साइबर सुरक्षा पर जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से विभागाध्यक्ष डॉ सुनीता साकरे एवं बैंक ऑफ बड़ौदा मुंबई अंचल से श्रीमती रेशमा जलगांवकर, मुख्य प्रबंधक राजभाषा उपस्थित रहीं।

बॉब प्रतियोगिताएं

क्षेत्रीय कार्यालय, फतेहपुर

क्षेत्रीय कार्यालय, फतेहपुर द्वारा खुदरा शाखा के सहयोग से दिनांक मई, 2023 को बॉब सुलेख लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को शाखा प्रमुख, श्री अंबरीश कुमार पुष्कर और विद्यालय के प्रधानाचार्य, श्री प्रताप सिंह वर्मा द्वारा पुरस्कृत किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, लुधियाना

दिनांक 12 मई, 2023 को लुधियाना क्षेत्र की मलोट शाखा द्वारा सरकारी प्राथमिक विद्यालय, पश्चिम-2, मलोट में बॉब चित्रकला प्रतियोगिता एवं वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के प्रधानाचार्य एवं संयुक्त शाखा प्रबंधक श्री पलविंदर कौर तथा शाखा से अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता मेट्रो

बैंक ऑफ़ बड़ौदा, कोलकाता मेट्रो क्षेत्र द्वारा दिनांक 27 जून, 2023 को सुरो कन्या विद्यालय, फूलबगान, कोलकाता में बॉब चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की प्राचार्या श्रीमती सुदेसना पाली ने की एवं कार्यक्रम का संचालन, श्री रंजीत कुमार रजक, (राजभाषा प्रभारी) कोलकाता मेट्रो क्षेत्र द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 75 छात्राओं ने भाग लिया।

क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा

दिनांक 18 मई, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा द्वारा इंदिरापुरम शाखा के सहयोग से नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज मकनपुर, गाजियाबाद में 'महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता एवं महत्व' विषय पर आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाखा प्रमुख, श्री सरजीत सिंह, कॉलेज की प्राचार्या तथा शिक्षकगण एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। विजेता प्रतिभागियों को शाखा प्रमुख द्वारा पुरस्कृत किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, जालंधर

दिनांक 25 मई, 2023 को माध्यमिक बाल विद्यालय, जालंधर में बॉब हिन्दी भाषण प्रतियोगिता एवं वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। उक्त प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा सक्रिय सहभागिता की गई।

क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल

दिनांक 24 मई, 2023 को करनाल क्षेत्र की सेक्टर 17 जगाधरी शाखा द्वारा राजकीय उच्च विद्यालय मंडेबरी, जगाधरी में बॉब हिंदी निबंध प्रतियोगिता तथा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शाखा प्रमुख, श्री अजय भाष्कर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़

चंडीगढ़ क्षेत्र की एमएसएमई, मंडी गोबिंदगढ़ शाखा द्वारा दिनांक 20 मई, 2023 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्राचार्या सुश्री मोनिका व शाखा स्टाफ़ श्री दीक्षित एवं श्री गुरप्रीत सिंह के कर कमलों से विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

अपने ज्ञान को परखिए

1. हाल ही में, किस टेनिस खिलाड़ी ने विंबलडन 2023 में पुरुष एकल का ख़िताब जीता है?
   (क) नोवाक जोकोविच (ख) वेस्ले कूलहोफ
   (ग) कार्लोस अल्काराज (घ) रोजर फेडरर
2. किस शहर में हाल ही में भारत की पहली ड्रोन पुलिस यूनिट लांच की गई है?
   (क) अहमदाबाद (ख) चेन्नई
   (ग) देहरादून (घ) नागपुर
3. इनमें से कौन सा महाराष्ट्र की पारंपरिक चित्रकला का एक रूप है?
   (क) कलमकारी (ख) वारली
   (ग) मधुबनी (घ) पट्टचित्र
4. निम्नलिखित में से किस टीम ने एशियन कबड्डी चैंपियनशिप 2023 का ख़िताब जीता है?
   (क) भारत (ख) ईरान
   (ग) जापान (घ) हांगकांग
5. प्रतिवर्ष दुनियाभर में 'विश्व संगीत दिवस (World Music Day)' किस तारीख को मनाया जाता है?
   (क) 21 जून को (ख) 22 जून को
   (ग) 24 जून को (घ) 25 जून को
6. हाल ही में, जारी हुई वर्ष 2023 की राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क में किसे ओवरऑल रैंकिंग में पहला स्थान मिला है?
   (क) IIT, बॉम्बे (ख) IIT, कानपुर
   (ग) IIT, मद्रास (घ) IIM, बेंगलुरु
7. पृथ्वी पर सबसे तेजी से बढ़ने वाले पौधे के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में कौन सा पौधा है?
   (क) अमला (ख) बांस
   (ग) पीपल (घ) नीम
8. 2023 में जम्मू और कश्मीर के रियासी में किस तत्व का बड़ा भंडार मिला है, जो बैटरी का एक महत्त्वपूर्ण घटक है?
   (क) हीलियम (ख) मैंगनीज़
   (ग) टाईटेनियम (घ) लिथियम
9. कौन सा राज्य भारत का पहला पूर्ण ई-शासित राज्य बना है?
   (क) केरल (ख) पंजाब
   (ग) बिहार (घ) राजस्थान
10. हाल ही में, तुर्की की मंजूरी के बाद नाटो (NATO) का 31वां सदस्य देश कौन बना है?
    (क) आयरलैंड (ख) आइसलैंड
    (ग) फिनलैंड (घ) कांगो गणराज्य
11. जुलाई 2023 में होने वाली एसओसी के शिखर सम्मेलन की मेजबानी कौन सा देश करेगा?
    (क) यूएसए (ख) यूके
    (ग) जापान (घ) भारत
12. हाल ही में आयोजित संयुक्त सैन्य अभ्यास अजेय वारियार 2023 किन देशों से संबंधित हैं?
    (क) भारत-अमेरिका (ख) भारत-ब्रिटेन
    (ग) भारत-रूस (घ) भारत-जापान
13. विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर का कितना अनुमान लगाया है?
    (क) 6.0 % (ख) 6.1 %
    (ग) 6.2 % (घ) 6.3 %
14. हाल ही में प्रोजेक्ट हाथी के 30 वर्ष पूर्ण होने पर किस राज्य ने गज उत्सव का आयोजन किया?
    (क) असम (ख) मेघालय
    (ग) ओडिशा (घ) त्रिपुरा
15. केंद्र द्वारा जारी 5वें प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन की उत्कृष्ट श्रेणी में पहला स्थान किस टाइगर रिजर्व को मिला है?
    (क) सतपुड़ा (ख) पेरियार
    (ग) बांदीपुर (घ) नागरहोल
16. स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी की एआई इंडेक्स रिपोर्ट 2023 में भारत को कौन सा स्थान दिया गया है?
    (क) पहला (ख) तीसरा
    (ग) पांचवा (घ) सातवां
17. विश्व का दूसरा सबसे बड़ा 900 फूट गहरा ब्लू हॉल कहां खोजा गया है?
    (क) चिली (ख) फिलीपिंस
    (ग) मेक्सिको (घ) जापान
18. भारत सरकार ने किस सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम को नवरत्न का दर्जा दिया है?
    (क) ग्रामीण विद्युतीकरण निगम
    (ख) रेल विकास निगम लिमिटेड
    (ग) पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
    (घ) सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया
19. एशिया की सबसे बड़ी अंडरवाटर हाइड्रोकार्बन पाइपलाइन प्रोजेक्ट का संबंध किस्से है?
    (क) ब्रह्मपुत्र नदी (ख) गंगा नदी
    (ग) गोदावरी नदी (घ) नर्मदा नदी
20. वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2023 के अनुसार विश्व का सबसे खुशहाल देश कौनसा है?
    (क) फिनलैंड (ख) डेनमार्क
    (ग) आइसलैंड (घ) इजरायल

(उत्तर के लिए पेज नं. 40 देखें)

बेलूर - चेन्नाकेशव मंदिर

कल्पना बाई एच ए
क्षेत्रीय कार्यालय
बेंगलूरु ग्रामीण

बेलूर को मुख्यतः मंदिर और शिल्प कला का दर्शन कराने वाले स्थान के रूप में जाना जाता है। हलेबीडु के साथ जुड़वा नगर कही जाने वाली यह जगह तीन शताब्दियों तक (11वीं शताब्दी के मध्य से 14वीं शताब्दी के मध्य तक) होयसल वंश का गढ़ था। बेलूर-हलेबीडु की स्थापना जैन अनुयायी नृपा कामा ने की थी। होयसल शासक कला और शिल्प के संरक्षक थे।

चेन्नाकेशव मंदिर, जिसे केशव या बेलूर का विजयनारायण मंदिर भी कहा जाता है। भारत के कर्नाटक राज्य के हासन जिले में 12वीं शताब्दी का एक हिंदू मंदिर है। मंदिर को तीन पीढ़ियों में बनाया गया था और इसे पूरा होने में 103 साल लगे थे। इसका निर्माण वर्ष 1117 ई. में राजा विष्णुवर्धन द्वारा शुरू किया गया था, बेलूर में यगची नदी के तट पर, जिसे वेलापुरा भी कहा जाता है, जो होयसल साम्राज्य की प्रारंभिक राजधानी थी। 1140 ई. में विष्णुवर्धन की मृत्यु तक इसका निर्माण जारी रहा।

चेन्नाकेशव भगवान विष्णु का एक रूप है। यह मंदिर विष्णु को समर्पित है यह मंदिर अपनी वास्तुकला, मूर्तियों, नक्काशियों, भित्ति चित्रों के साथ-साथ इसकी प्रतिमा, शिलालेख और इतिहास के लिए उल्लेखनीय है। मंदिर की कलाकृति में 12वीं शताब्दी के धर्मनिरपेक्ष जीवन के दृश्यों, नर्तकियों और संगीतकारों के साथ-साथ रामायण, महाभारत और पुराण जैसे हिंदू ग्रंथों का सचित्र वर्णन दर्शाया गया है।

चेन्नाकेशव मंदिर, जिसे केशव मंदिर भी कहा जाता है, मुख्य मंदिर है। यह परिसर के बीच में, गोपुरम के सामने, पूर्व की ओर है। बाद में जोड़े गए सुधारों को शामिल करते हुए, यह 178 फीट X 156 फीट है। बेलूर के चेन्नाकेशव परिसर में 443.5 फीट X 396 फीट का कोर्ट है, जिसमें कई हिंदू मंदिर और छोटे मंदिर हैं, जो चारदीवारी से घिरे हुए हैं। परिसर में प्रवेश, पूर्व से एक गोपुरम के माध्यम से किया जाता है जिसे विजयनगर साम्राज्य युग की मरम्मत के दौरान जोड़ा गया था। मंदिर लगभग 3 फीट ऊँचे एक विस्तृत चबूतरे पर खड़ा है।

केशव मंदिर के दक्षिण में कप्पे चेन्निगराय मंदिर है जिसकी माप 124 फीट X 105 फीट है। इसके अंदर दो गर्भगृह हैं, एक वेणुगोपाल को समर्पित है और दूसरा चेन्निगराय (चेन्नाकेशव, विष्णु का स्थानीय लोकप्रिय नाम) को समर्पित है। मंदिर को कप्पे चेन्निगराय कहा जाता है क्योंकि, एक

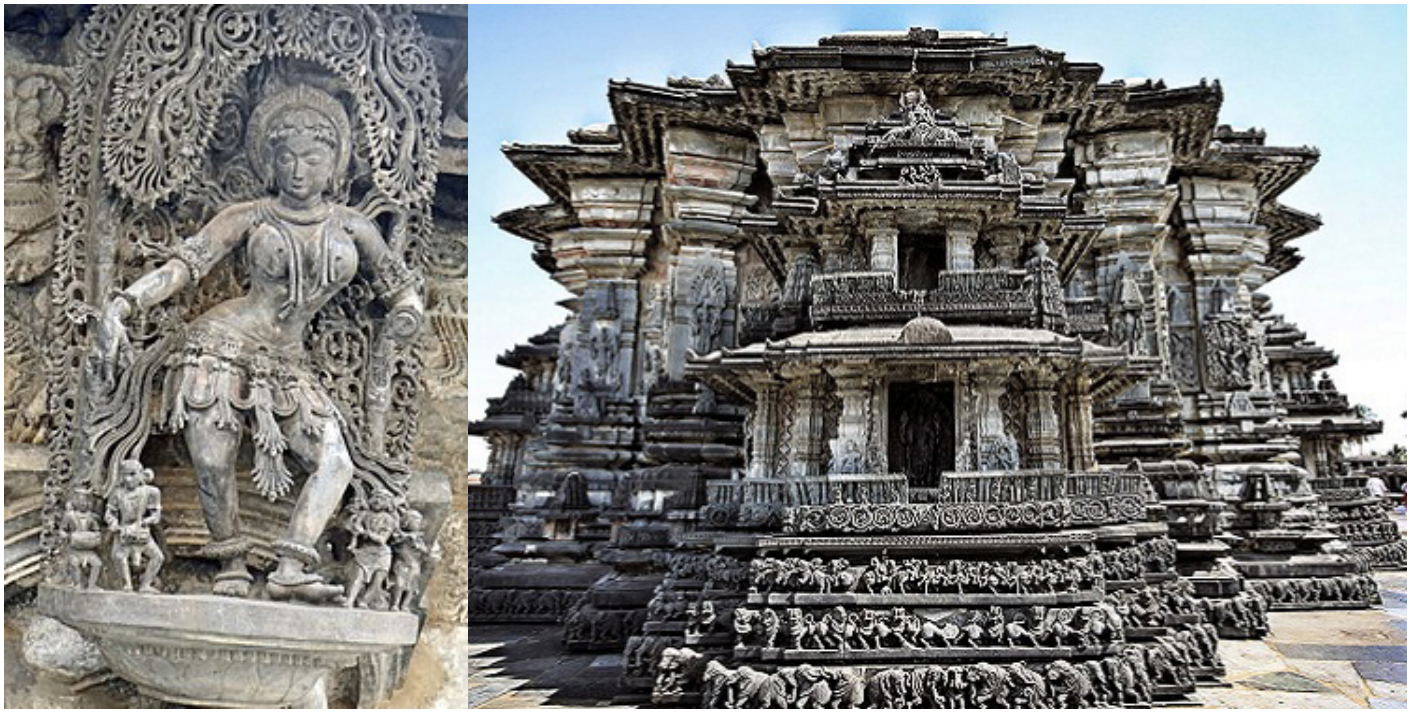

चेन्नाकेशव मंदिर में कलाकृति

स्थानीय किंवदंती के अनुसार, एक बार इसकी नाभि के पास एक कप्पा (मेंढ़क) पाया गया था। यह छोटा मंदिर रानी शांतला द्वारा मुख्य मंदिर के साथ-साथ बनवाया गया था।

केशव मंदिर के पश्चिम में वीरनारायण मंदिर है, जिसकी माप 70 फीट X 56 फीट है। यह एक छोटा लेकिन पूर्ण मंदिर है जिसमें बाहरी दीवारों पर 59 बड़ी राहतों के साथ एक नवरंगा (नौ वर्ग हॉल) और एक गर्भ गृह है। ये राहतें विष्णु, शिव, ब्रह्मा, भैरव (क्रोधित शिव), लक्ष्मी, पार्वती, सरस्वती और अन्य को समर्पित हैं। कुछ पैनल महाभारत से भीम की कहानी को दर्शाते हैं ।

मंदिर के परिसर में दो मुख्य स्तंभ पाए जाते हैं। मुख्य मंदिर के सामने वाला स्तंभ, गरुड़ स्तंभ विजयनगर काल में बनाया गया था, जबकि दाहिनी ओर का स्तंभ, दीपा स्तंभ (दीपक वाला स्तंभ) होयसल काल का है। वीरनारायण मंदिर के पास एक मंडप है जहां वार्षिक जुलूस रथ और मंदिर के वाहनों को पारंपरिक रूप से संग्रहित किया जाता है। इसे वाहन मंडप कहा जाता है। समारोह के लिए परिसर के दक्षिण-पूर्व कोने में एक कल्याण-मंडप भी है। इसे 17वीं शताब्दी में जोड़ा गया था।

दिल्ली सल्तनत के शासक अलाउद्दीन खिलजी के एक सेनापति मलिक काफूर द्वारा 14वीं शताब्दी की शुरुआत में होयसल साम्राज्य और उसकी राजधानी पर हमला किया गया, लूटा गया और नष्ट कर दिया गया। 1326 ई. में एक और दिल्ली सल्तनत सेना द्वारा बेलूर और हलेबीडु लूट और विनाश का लक्ष्य बन गए।

बेलूर भारत के कर्नाटक राज्य के हासन ज़िले में स्थित एक नगर है। यह हासन शहर से 35 किमी दूर है और बेंगलूरु से लगभग 220 किमी दूर है। चार लेन एन एच 75 राजमार्ग से लगभग 3.5 घंटे की यात्रा से यहाँ पहुँचा जा सकता है। हासन बेलूर का निकटतम शहर है जो कर्नाटक के प्रमुख शहरों से रेलवे नेटवर्क द्वारा जुड़ा हुआ है।

होयसल काल को इस क्षेत्र का स्वर्णिम युग कहा जाता है। दक्षिण भारत में कला, वास्तुशिल्प, साहित्य, धर्म तथा विकास के क्षेत्र में होयसल राजवंश का अत्यंत महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। आरंभ में उन्होंने अपनी राजधानी बेलूर से शासन का कार्यभार संभाला था। कालांतर में वे हलेबीडु को स्थानांतरित हो गए। आज होयसल राजवंश को विशेष रूप से उत्कृष्ट होयसल वास्तुकला के लिए स्मरण किया जाता है।

***

अपने ज्ञान को परखिए उत्तर (पृष्ठ सं. 38)

1.	ग	8.	घ	15.	ख
2.	ख	9.	क	16.	ग
3.	ख	10.	ग	17.	ग
4.	क	11.	घ	18.	ख
5.	क	12.	ख	19.	क
6.	ग	13.	घ	20.	क
7.	ख	14.	क		

किसके जैसा...?

दिलीप शर्मा
प्रमुख रोकड़िया
डुंगरिया शाखा, बांसवाड़ा क्षेत्र

''चलो सभी बच्चे आज एक अलग विषय पर निबंध लिखो, शीर्षक है 'किसके जैसा' मतलब आप किसके जैसा बनना चाहते हैं।'' हिंदी की मैडम ने सातवीं कक्षा के छात्रों को खाली पेज (शीट) वितरित करते हुए कहा। ''और सुनो किसी को किसी के लिखे हुए से नकल नहीं करनी है। जो मन करे वो लिखो और हाँ इसके कोई नंबर नहीं हैं, न ही कोई फेल, पास जैसा कुछ है, लेकिन हाँ मेरी तरफ से उपहार में गोल्डन पेन जरूर है। बस तुम दिल से कुछ धमाकेदार लिखो।''

सब छात्र चालू हो गए धमाधम पूरे उत्साह के साथ क्योंकि आज कुछ अलग जो हो रहा था। इतने दिनों बाद सभी अपनी मस्ती में 'किसके जैसा' बनना चाहते हैं, सोचने लगे और लिखने लगे। खैर! सब बच्चों ने कुछ न कुछ लिख ही दिया और अब सबको अगले दिन का इंतजार था कि सबसे अच्छा किसने लिखा और किसे वो 'गोल्डन पेन' मिलेगा?

अगले दिन मैडम के कक्षा में आते ही सब बच्चों ने उत्साह से उनका अभिवादन किया और ललचाई नज़रों से कल का परिणाम जानने हेतु मैडम को देखा। मैडम ने कहा हाँ मालूम है तुम क्यूँ इतने अधीर हो रहे हो ?... फिर मैडम कुर्सी पर बैठते हुए और कल की शीटों का पुलिंदा निकालते हुए बोली ''देखो सभी ने कमाल का लिखा है। कोई शक नहीं की तुम सबमें प्रतिभा भरी पड़ी है किसी ने लिखा उसे 'नेता' बनना है तो कोई किसी 'अभिनेता' की तरह बनने की चाहत रखता है देखो तो किसी ने खुद के पसंदीदा 'क्रिकेटर' का तो किसी ने 'फुटबॉलर' का ही नाम लिख दिया, बहुत खूब! किसी को 'आवाज़ की दुनिया' में नाम गुंजायमान करना है तो कोई 'डांस का स्टार' बनना चाहता है... लेकिन तुम सबमें एक छात्र ऐसा भी है जिसने सबसे अलग ही लिखा है क्या तुम उसका नाम जानना चाहोगे?''

''तो सुनो वह है सौरभ सक्सेना। मैं चाहूंगी की सौरभ सबके सामने आए और कक्षा को सुनाये कि उसने क्या लिखा है?''

सौरभ आगे जाता है और मैडम से अपनी शीट लेता है और कहता है ''मुझे 'सौरभ सक्सेना' बनना है। मुझे अपनी ही पहचान बनानी है। मैं क्यूँ किसी की तरह बन उसकी कार्बन कॉपी बनूं? क्या मेरी अपनी अलग पहचान नहीं होनी चाहिए? क्या किसी और की तरह बनकर मैं अपनी छवि खो नहीं दूंगा? क्या यह खुद को धोखा देने जैसा नहीं होगा?''

''भगवान ने सभी को कुछ न कुछ प्रतिभा – हुनर, हौसले जज्बे के साथ धरती पर किसी विशेष उद्देश्य हेतु भेजा है तो फिर किसी की नकल कर मैं क्यूँ उसे नाराज़ करूं? क्या सूरज और चंद्रमा एक दूसरे जैसा बनना चाहते है? क्या कोई पक्षी किसी दूसरे पक्षी से प्रतिस्पर्धा करता है? कभी सुना है बाज़ की उड़ान से कोई चिड़िया तनाव में आ गई?''

''जब प्रकृति में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है, जब पंक्षी जानवर तक इस अंधी दौड़ से दूर हैं तो फिर हम इंसान अपनी प्रकृति अपनी रुचि को छोड़ क्यूँ किसी दूसरे जैसा बनना चाहते हैं? क्यूँ ऐसा कर हम खुद ही खुद के परिचय की आत्महत्या कर बैठते हैं? जब आप खुद ही स्वयं का सम्मान नहीं कर रहे तो सामने वाले से कैसे सम्मान की आशा रख सकते हैं? आप यदि दूसरे की नकल कर हुबहू वैसा बन भी गए तो क्या आपको आत्मिक खुशी मिलेगी जो आपको खुद की खोज करके मिलती?''

''इसलिए दोस्तों मैं सिर्फ और सिर्फ 'सौरभ सक्सेना' बनना चाहता हूं, ना इससे कम ना इससे ज्यादा। खुद की खोज कर खुद को जानना भर चाहता हूँ और दुनिया को उस सौरभ सक्सेना से मिलवाना चाहता हूँ जो वास्तव में मैं हूँ!''

ऐसा कह सौरभ ने अपने शब्दों को विराम दिया। सभी ने तालियों से उसका अभिवादन किया और मैडम ने उसे गोल्डन पेन उपहार में दिया क्यूंकि सौरभ आज 'सौरभ सक्सेना' बनने की तरफ पहला कदम तो बढ़ा ही चुका था।

आओ हम भी अपनी अलग पहचान बनाएं। चाहे वो पहचान छोटी-सी ही क्यूँ ना हो!

बैंकिंग शब्द मंजूषा

Administrator's deposits प्रशासक की जमाराशियां

वसीयत किए बिना ग्राहक की मृत्यु हो जाने पर उसके खाते तथा उसके द्वारा बैंकर के पास रखी गई प्रतिभूतियों के संबंध में बैंकर किसी भी तरह के लेनदेन की तब तक अनुमति नहीं देता, जब तक इस हेतु प्रशासक से पत्र प्राप्त न हो जाए। प्रचलित पद्धति के अनुसार, प्रशासक एक चेक पर हस्ताक्षर करते हुए मृत व्यक्ति के खाते में रहनेवाली किसी जमा रकम को स्वयं के खाते में अंतरित कर सकता है। यदि मृतक के खाते में से अधिक आहरण हुआ हो, तो प्रशासक द्वारा यथाप्रबंधित तरीके से उसकी चुकौती कर दी जाएगी। तथापि, मृतक के खाते के संदर्भ में किसी ऋण की चुकौती के लिए बैंक स्वयं प्रशासक के खाते से कोई रकम अंतरित करने के लिए अधिकृत नहीं है।

Butterfly call spread अंतर-चलन क्रय अंतर

भावी क्रय-विक्रय विकल्प नीतियों में से एक बहुप्रचलित नीति । भावी मिश्रित क्रय-विक्रय विकल्प नीति, जिसका विभिन्न परिपक्वता-दिनांकों और विभिन्न तयशुदा कीमतों पर क्रय और विक्रय करने में प्रयोग किया जाता है। स्थिर या ह्रासमान उतार-चढ़ाव से लाभ लेने के लिए निर्धारित भविष्य के लिए एक नीति ।

Carry trade प्रतिफल-संवाहक व्यापार

कैरी ट्रेड विदेशी मुद्रा बाजार में अपनाई जानेवाली प्रमुख व्यापार रणनीति है। इस रणनीति के तहत कारोबारी आश्वस्त होते हैं कि उन्हें अपने मध्यावधि एवं दीर्घावधि निवेशों से कम से कम कुछ प्रतिफल अवश्य प्राप्त होगा। इसमें सटोरिए जिस करेंसी पर उच्च ब्याज दर प्राप्त होती है, उसकी खरीद करते हैं और जिस पर ब्याज दर कम होती है, उसे बेच देते हैं। इस तरह के कारोबार में ऐसी व्यवस्था की जाती है कि हर दिन के कारोबारी ब्याज- अधिशेष को संबंधित कारोबारी के खाते में दर्ज किया जाता है। इस तरह से प्रतिफल-संवाहक व्यापार में किसी भी कारोबारी के प्रतिफल में बढ़ोतरी करने की पर्याप्त संभावनाएं रहती हैं।

Discounted cash flow बट्टागत नकदी प्रवाह

प्रत्येक भावी ब्याज का वर्तमान मूल्य तथा किसी वित्तीय लिखत से अपेक्षित मूल नकदी प्रवाह परिकलित करने के लिए ब्याज दर (या ब्याज- दरों की श्रृंखला) लगाते हुए किसी वित्तीय लिखत के मूल्यन की एक तकनीक या प्रक्रिया। नकदी प्रवाहों के बाजार मूल्यों के योग को लिखतों का मूल्य माना जाएगा। तत्काल उपलब्ध वित्तीय लिखतों के चालू व्यापार-मूल्यों के लिए यह मूल्य 'उचित मूल्य' कहलाएगा तथा व्यापार या लेनदेन-आधारित बाजार-मूल्य के बदले इसका उपयोग किया जाएगा।

Hard capital rationing स्थिर पूंजी बजट

ऐसा पूंजीगत बजट, जिसके भीतर रहकर ही सारे वित्तीय क्रियाकलाप करने होते हैं और किसी भी परिस्थिति में उस बजट को लांघने की अनुमति नहीं दी जाती। ऐसा बजट किसी भी तरह के समायोजन को स्थान नहीं देता।

Mirror fund प्रतिरूप निधि

एक प्रकार की निधि जो आम तौर पर जीवन बीमा कंपनियों द्वारा परिचालित की जाती है। ये कंपनियां निवेशक को अपनी पॉलिसी के माध्यम से अन्य फंडों में निवेश करने का मार्ग दिखाती हैं।

Net currency position निवल मुद्रा-स्थिति

एक ओर किसी मुद्रा की खरीद और समस्त आस्तियों तथा दूसरी ओर उस मुद्रा के विक्रय और समस्त देयताओं के बीच का अंतर निवल मुद्रा- स्थिति कहलाता है। इस अंतर पर अवधि-समाप्ति-तिथियों का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Painting the tape दिखावटी कारोबार

इस संकल्पना का प्रयोग कारोबार में नकली उछाल/बढ़ोतरी दर्शाने के लिए किया जाता है। अकसर बाजार में किसी शेयर के मूल्य में अपेक्षित वृद्धि प्राप्त करने के लिए उसके मूल्यों में नकली बढ़ोतरी दिखा दी जाती है, जिसका बाजार की ताकतों से कोई लेना-देना नहीं होता। ऐसी दिखावटी मूल्यवृद्धि का परिणाम यह होता है कि दिन की समाप्ति तक कारोबार में उछाल आते हुए उस शेयर का मूल्य अपेक्षित स्तर तक पहुंच जाता है।

Reserve arbitrage उलटा अंतरपणन

बाजार में ब्याज-दरें गिर जाने पर बैंक ओवरड्राफ्ट को चुकाने के लिए बाजार से उधार लेना। ऐसा ऋण, जिसका एक निर्धारित सीमा में अंतिम या पूर्ण चुकतान करने पर बार-बार उपयोग किया जा सकता है।

Spinoff विभाजित इकाई

मूल कंपनी से अलग हुई कोई कंपनी या विभाग। इस तरह से विभाजित इकाइयों के शेयरहोल्डरों को यथानुपात दर पर नई कंपनी या इकाई के स्वामित्व शेयर प्राप्त हो जाते हैं।

पुस्तक समीक्षा

सचिन शर्मा
मुख्य प्रबंधक एवं संकाय
बड़ौदा अकादमी, बड़ौदा

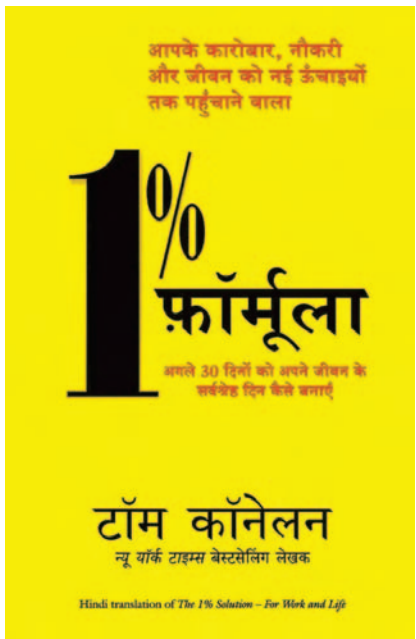

''एक पाठक हजारों बार जिंदगी जीता है जबकि कभी न पढ़ने वाला व्यक्ति सिर्फ एक बार जीता है'' यह वक्तव्य एक महान अमरिकी उपन्यासकर श्री जॉर्ज आर आर मार्टिन द्वारा दिया गया है, जोकि पूर्णतया सत्य है और इस बात से आप भी सहमत होंगे किंतु हमारे पास पहले से इतने सारे काम हैं, जिनके लिए कभी भी पर्याप्त समय नहीं होता तो फिर किताबें कब पढ़ें? हम हमेशा व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं व्यावसायिक कार्यों से घिरे होते हैं। कभी समय होता है तो टीवी मोबाइल एवं अन्य सोशल मीडिया पर अपना समय व्यर्थ में गवां देते हैं। हालांकि, कभी-कभी पढ़ने की इच्छा एवं किताबें दोनों होने के बावजूद हम इसलिए पढ़ना शुरू नहीं कर पाते की हम अपने लिए उचित पुस्तकों का चयन नहीं कर पाते।

अच्छी किताबों का चयन करने का सबसे अच्छा जरिया है आप उस पुस्तक की समीक्षा देखें जोकि आपको इंटरनेट के इस जमाने में आसानी से उपलब्ध हो सकती है। साथ ही, किताबें पढ़कर इसे खुद तक सीमित ना रखें क्योंकि जिस तरह भोजन शरीर के लिए आवश्यक है उसी तरह किताबें मस्तिष्क के लिए खुराक हैं एवं जिस तरह हम भोजन अपने प्रियजनों के साथ साझा करते हैं तो उसका स्वाद दोगुना हो जाता है उसी तरह यदि अपने द्वारा पढ़ी गई पुस्तकों का सारांश मित्रों, सहकर्मियों के साथ साझा करें तो हमारा ज्ञान भी दोगुना होता है एवं सुनने वाले का भी ज्ञानवर्धन होता है।

इसी क्रम में मैं एक अच्छी किताब '1% **फ़ॉर्मूला**' की समीक्षा आपसे साझा करता हूँ। यह पुस्तक मशहूर लेखक टॉम कॉनेलन द्वारा लिखी गयी है। टॉम बहुत से लेखों और दस पुस्तकों के बेस्टसेलिंग लेखक हैं। वे चार प्रबंधन और मानव संसाधन पत्रिकाओं के संपादकीय संचालक भी रहे हैं। टॉम अपनी प्रस्तुतियों में ठोस सामग्री एवं उत्साहपूर्ण व्यक्तित्व शैली लाते हैं। वे श्रोताओं/ पाठकों का ध्यान आकर्षित करते हैं और उसे शुरू से अंत तक कायम रखते हैं।

यह पुस्तक उन सभी लोगों के लिए उपयोगी है जो अपनी सफलता में रुचि रखते हैं चाहे वो छात्र हों, कारोबारी हों, नौकरी पेशे वाले या व्यवसायी हों आपके कारोबार, नौकरी और जीवन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला, उपयोगी विचारों से परिपूर्ण, जिनका आप तुरंत प्रयोग कर सकते हैं। यह पुस्तक आपके अंदर निहित क्षमताओं को पहचानने एवं उनका उपयोग करने में मदद करती है। यह पुस्तक आपको सिखाती है कि आपके कार्य करने के तरीके में एक छोटा सा बदलाव बड़ा परिणाम ला सकता है, बशर्ते इसमें स्थिरता हो। आपका लक्ष्य चाहे आपके पेशे से जुड़ा हो या फिर आपके व्यक्तिगत या पारिवारिक उद्देश्यों से, यह पुस्तक आपके काम करने के तरीकों में छोटे-छोटे बदलाव एवं उसमें स्थिरता लाने में आपकी मदद करेगी। एक सफल व्यक्ति दूसरे से 100% बेहतर नहीं होता, वह तो बस सैकड़ों अन्य चीजों में दूसरों से 1% बेहतर होता है। मिसाल के तौर पर क्या आप जानते हैं कि **ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता चौथे नंबर पर आने वाले (यानी कोई पदक नहीं)**

खिलाड़ी से सिर्फ 1% ही बेहतर होता है? जी हाँ कई बार तो अंतर 1% से भी कम होता है। 2008 के बीजिंग गेम्स में 100 मीटर की बटर फ्लाई रेस में प्रथम स्थान पर आने वाले फेल्स (50.58 सेकेंडों) और दूसरे नंबर पर आने वाले केविक (50.59 सेकेंडों) में 0.01 सेकेंड का ही फासला था।

इस पुस्तक में कुल सात अध्याय हैं जिसमें अपनी आदतों में बदलाव लाने के साथ-साथ उस पर कायम रहने के तरीके एवं अंतर्निहित क्षमता में विकास लाने के उपाय बताए गए हैं। पुस्तक में उल्लेखित अध्याय निम्नलिखित हैं:

1. **यह परिवर्तन का समय है:** हर कोई महान नहीं बन सकता, लेकिन हर कोई इस समय जहां भी है, उससे बेहतर जरूर बन सकता है। हम चाहें कुछ भी कर लें दूसरों से 100% बेहतर नहीं कर सकते लेकिन 1% तो हम सैकड़ों अन्य चीजों में दूसरों से बेहतर कर ही सकते हैं। अगर आप अपने जीवन में परिवर्तन लाना चाहते हैं, तो आपको अपनी कुछ पुरानी आदतें छोड़नी होगी। काम करने के पुराने तरीके बदलने होंगे। अपने तथा दूसरों के बारे में कुछ विश्वास भी त्यागने होंगे और ये सब आसान नहीं होगा रास्ते में चुनौतियां भी आएंगी।

2. **प्रेरणा को बढ़ाने वाला विपरीत तरीका:** आम तौर पर लोग ये समझते हैं कि कोई महान कार्य करने के लिए उतनी ही बड़ी प्रेरणा चाहिए हालांकि आप कोई कार्य करके शुरुआत करते हैं - चाहे वह कितना भी छोटा क्यों ना हो - और एक बार जब आप उसमें सफलता हासिल करते हैं, तो आपकी प्रेरणा बढ़ जाती है और फिर आप उसे ज्यादा करते हैं और इससे आपकी प्रेरणा और भी ज्यादा बढ़ जाती है और फिर...। यह खुद को पोषण देने वाला सतत् चक्र बन जाता है।

3. **निजी सफलता की भौतिकी:** हम में से हर व्यक्ति में दरअसल संसार को प्रभावित करने की शक्ति है, लेकिन एक बार में एक प्रतिशत। अगर हम अपने कार्य करने के तरीके में एक छोटा परिवर्तन कर दें तो लीवरेज की शक्ति के कारण हमें ज्यादा बड़े आकार के परिणाम मिल सकते हैं। '20/80 सिद्धांत' - हमें अपने कार्यों में उन छोटे परिवर्तनों पर ध्यान देना चाहिए जो परिणाम में बड़े परिवर्तन उत्पन्न करें।

4. **अभ्यास निपुण क्यों नहीं बनाता है और इस बारे में क्या करें:** आपको सफलता की यात्रा वहीं से शुरू करनी पड़ती है जहाँ आप इस वक्त हैं। अपनी तुलना खुद से करना ज्यादा उपयोगी होता है। सबसे बेहतर यही रहता है कि आप अपने वर्तमान स्वरूप से एक प्रतिशत बेहतर बन जाएं। वर्तमान में सर्वश्रेष्ठ करना ही सफलता का नियम है।

5. **तीस दिन का फॉर्मूला जो आप की ज़िंदगी बदल देगा:** 75% लोग ही नववर्ष के संकल्प पर जनवरी माह के पहले सप्ताह तक कायम रह पाते हैं। 88% लोग अपने नववर्ष के संकल्पों को कायम रखने में नाकाम रहते हैं। इसका मतलब है चार में से एक के पास इतनी इच्छा शक्ति भी नहीं होती कि वह अपने संकल्प पर सात दिन भी टिक पाएं। जब भी आप कोई नई चीज सीखते या करते हैं, तो आपका मस्तिष्क नए संयोजन बना लेता है। किसी नई चीज का आदि होने और नए संयोजन बनाने में आपके मस्तिष्क को न्यूनतम 21 दिन का समय लगता है, हालांकि इससे 30 दिनों का अभ्यास ज्यादा कारगर है, क्योंकि ये कैलेंडर में भी फिट आएगा और नए व्यवहार थोड़े दिन ज्यादा करके इसे हम अपनी आदतों में सुमार कर सकते हैं।

6. **किसी तरह कुछ ना करने से आपको ज्यादा करने में मदद मिलती है:** सिर्फ 1 प्रतिशत लोगों को अलग करने वाली चीज यह है कि वे दिन भर एकाग्र प्रयास और नियोजित स्वास्थ्य लाभ की अवधियों का चक्र चलाते हैं। सफलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि आप कितना आराम करते हैं और कितनी बार करते हैं।

7. **चक्र पूर्ण हुआ:** उत्कृष्टता का कोई शॉटकट नहीं होता। हममें से जो लोग अपने प्रदर्शन को लगातार बेहतर बनाना चाहते हैं उन्हें सुविचारित अभ्यास में समय लगाना चाहिए। काम करने के तरीको में बदलाव लाएं। शुरुआत छोटे लक्ष्यों से करें, जिससे की आपको प्रेरणा मिले और आप फिर से बड़े लक्ष्य पाने के लिए उत्साहित हों।

इस किताब में कही गयी बातों को जैसे ही आप अपने कार्यों और दैनिक जीवन में उतारेंगे, वे एक सकारात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करेंगे और कुछ ही दिनों में आपका जीवन बेहतर बनाने लगेगा। अपनी सफलता के मार्ग में सबसे पहला बदलाव किताबें पढ़ने की आदत डाल के कर सकते हैं। जिसकी शुरुआत इस पुस्तक '1% फॉर्मूला' से भी की जा सकती है।

***

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण

क्षेत्रीय कार्यालय, शिमला

दिनांक 20 अप्रैल, 2023 को संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, शिमला के साथ निरीक्षण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के संयोजक डॉ. मनोज राजोरिया द्वारा की गई। समिति के माननीय सदस्यों द्वारा बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की गई। बैठक के अंत में प्रधान कार्यालय द्वारा हिंदी के प्रचार प्रसार हेतु तैयार किए गए मग का विमोचन किया गया। समिति द्वारा बैंक की इस नवोन्मेषी पहल की सराहना की गई। माननीय सदस्यों द्वारा चंडीगढ़ अंचल की तिमाही हिंदी पत्रिका अन्वेषी के मार्च'23 अंक का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह, चंडीगढ़ अंचल के अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक, श्री विमल कुमार नेगी, शिमला क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख, श्रीपाल सिंह तोमर, उप क्षेत्रीय प्रमुख, श्री सुभाष ढाका उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर

दिनांक 25 मई, 2023 को संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति के माननीय सदस्यगण द्वारा बैंक ऑफ़ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर, का निरीक्षण किया गया जिसमें बैंक की ओर से श्री नीलब चन्द्र राय, उप अंचल प्रमुख, भोपाल, श्री संजय सिंह, प्रमुख-राजभाषा एवं संसदीय समिति, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा, श्री अमित बैनर्जी, क्षेत्रीय प्रमुख, रायपुर क्षेत्र उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान समिति ने बैंक की राष्ट्रभाषा सम्मान योजना की प्रशंसा की। माननीय सांसदों ने बैंक द्वारा लगाई गई, राजभाषा प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया ।

क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ मेट्रो

संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा दिनांक 16 जून, 2023 लखनऊ मेट्रो क्षेत्र का राजभाषायी निरीक्षण किया गया जिसमें माननीय सांसद श्री भर्तृहरि महताब (लोक सभा) उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति व अन्य माननीय सांसद शामिल हुए। इस निरीक्षण के दौरान, श्री राजेश कुमार सिंह, अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक, श्री संजय सिंह, प्रमुख - राजभाषा व संसदीय समिति एवं लखनऊ मेट्रो क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख, श्री समीर कुमार ओझा शामिल हुए। इस अवसर पर बैंक द्वारा राजभाषा प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसका माननीय सदस्यों द्वारा निरीक्षण किया गया।

पुरस्कार

क्षेत्रीय कार्यालय, मंड्या

दिनांक 29 अप्रैल, 2023 को आयोजित अंचल समिति की बैठक के दौरान राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय द्वारा दिनांक 01 जुलाई, 2022 से 20 अगस्त 2022 तक हिंदी एवं अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में ट्रांजेक्शन एसएमएस तथा व्हाट्सऐप बैंकिंग की हिंदी सेवा हेतु अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन बढ़ाने पर केंद्रित 'महामुकाबला' अभियान में क्षेत्रों की श्रेणी में मंड्या क्षेत्र को प्राप्त तृतीय पुरस्कार के शील्ड मंड्या क्षेत्र की क्षेत्रीय प्रबंधक सुश्री जी. रूपा को प्रदान किए गए। इस अवसर पर महाप्रबंधक, श्री रीतेश कुमार, बेंगलूरु अंचल के उप अंचल प्रमुख श्री विवेक कुमार चौधरी, अन्य क्षेत्रीय प्रबंधक तथा अंचल कार्यालय, बेंगलूरु के राजभाषा प्रमुख उपस्थित रहे।

अचंल कार्यालय, लखनऊ

लखनऊ अंचल के आंचलिक लेखा परीक्षण व निरीक्षण प्रभाग के प्रमुख श्री सुनील कुमार सचान को अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर श्री संजय सिंह, प्रमुख-राजभाषा एवं संसदीय समिति द्वारा शील्ड प्रदान किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून

दिनांक 16 जून 2023 को वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान हिंदी में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु देहरादून क्षेत्र की सहारनपुर रोड शाखा, सबावाला शाखा और डोईवाला को क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ये पुरस्कार महाप्रबंधक एवं बरेली अंचल के अंचल प्रमुख श्री एम अनिल ने श्री नेत्र मणि, क्षेत्रीय प्रमुख, देहरादून और बिशम्भर दत्त, उप क्षेत्रीय प्रमुख की उपस्थिति में प्रदान किए।

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़

दिनांक 22 मई, 2023 को चंडीगढ़ अंचल प्रमुख, श्री विमल कुमार नेगी द्वारा माह के दौरान आयोजित ऑनलाइन हिंदी प्रश्नोत्तरी और बैंकिंग शब्दावली प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया और सभी स्टाफ सदस्यों को राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु प्रोत्साहित किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, भरूच

दिनांक 30 अप्रैल, 2023 को वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य-निष्पादन हेतु भरूच क्षेत्र को बड़ौदा अंचल द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है तथा प्रधान कार्यालय के निर्देशों के अनुरूप क्षेत्रीय कार्यालय के निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा विभागों में हिन्दी प्रयोग को बढ़ाने हेतु निरीक्षण में विलक्षण अभियान में भरूच क्षेत्र को बड़ौदा अंचल में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। श्री राजेश कुमार सिंह, महाप्रबंधक द्वारा श्री सचिन वर्मा, क्षेत्रीय प्रमुख एवं श्री डी.के. चौधरी, उप क्षेत्रीय प्रमुख को सम्मानित किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर

क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर के राजभाषा विभाग द्वारा मई 2023 माह से ''रोलिंग ट्रॉफी प्रतियोगिता'' का शुभारम्भ किया गया। मई 2023 एवं जून 2023 के रोलिंग ट्रॉफी प्रतियोगिता के विजेता विभाग (कृषि एवं वित्तीय समावेशन विभाग) को क्षेत्रीय प्रमुख, श्री अनिल कुमार माहेश्वरी द्वारा रोलिंग ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख, श्री संदीप खेतान एवं अन्य सभी स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन

कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना के कर कमलों से 'शब्दनाद' का लोकार्पण

बैंक ने दिनांक 18–20 मई, 2023 को कोवलम (तिरुवनंतपुरम) में अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन किया। इस अवसर पर बैंक के कार्यपालक निदेशक, श्री अजय के खुराना, प्रमुख–(राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह, एर्णाकुलम के अंचल प्रमुख, श्री श्रीजित कोट्टारत्तिल, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र एवं अन्य कार्यपालकगण तथा देश भर के राजभाषा प्रभारी/ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना के कर कमलों से बैंक की वेबसाइट के हिंदी वेब पेज 'शब्दनाद' का लोकार्पण किया गया। साथ ही वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा द्वारा अंचलों/ क्षेत्रों हेतु आयोजित विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं और अभियानों यथा: बड़ौदा राजभाषा पुरस्कार (2022–23), हिंदी के सरताज–2023 प्रतियोगिता, विभागों में हिंदी पत्राचार बढ़ाने हेतु अभियान ''हिंदी के धुरंधर'' (परिचालन विभाग), निरीक्षण में विलक्षण (निरीक्षण एवं लेखापरीक्षा विभाग), ''डिजिटल की शक्ति–बॉब अभिव्यक्ति'' तथा भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा अनुवाद कर्म को प्रोत्साहित करने हेतु ''कंठस्थ 2.0 अनुवाद सारथी प्रतियोगिता'' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कार्यालयों/ राजभाषा अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

बड़ौदा राजभाषा पुरस्कार वर्ष 2022–23

बैंक में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग में वृद्धि तथा विभिन्न अंचलों, क्षेत्रीय कार्यालयों, बड़ौदा अकादमियों, प्रधान कार्यालय एवं कॉर्पोरेट कार्यालय के विभागों के बीच हिंदी के प्रयोग की दृष्टि से प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से वर्ष 1995–96 से बड़ौदा राजभाषा पुरस्कार योजना लागू है जिसके अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022–23 के विजेता कार्यालयों की सूची दिनांक 4 मई, 2023 को जारी की गई एवं समीक्षा बैठक के दौरान कार्यपालक निदेशक के कर कमलों से उन्हें पुरस्कृत किया गया।

अंचल कार्यालय, लखनऊ

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़

अंचल कार्यालय, कोलकाता

अंचल कार्यालय, जयपुर

अंचल कार्यालय, बड़ौदा

अंचल कार्यालय, हैदराबाद

अंचल कार्यालय, भोपाल

अंचल कार्यालय, मुंबई

अंचल कार्यालय, मंगलुरु

अंचल कार्यालय, पटना

अंचल कार्यालय, अहमदाबाद

अंचल कार्यालय, चेन्नै

सामर्थ्य टूल आधारित प्रशिक्षण / कार्यशाला

बैंक की राजभाषा टीम द्वारा एक नवोन्मेषी पहल के रूप में नवीनतम भाषा संबंधी तकनीकी सुविधाओं को शामिल करते हुए 'सामर्थ्य–भाषायी तकनीक संबंधी टूलकिट' को तैयार किया गया है। इस टूलकिट में डिजिटल रूप से हिंदी के उपयोग में सहायक नवीनतम तकनीकी माध्यमों की विस्तृत जानकारियों को शामिल किया गया है। इस टूलकिट को तैयार करने का उद्देश्य बैंक के स्टाफ सदस्यों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हिंदी के उपयोग को सरल बनाना है। तदनुसार, इस टूलकिट के माध्यम से जून, 2023 तिमाही में प्रत्येक अंचल के स्टाफ सदस्यों के लिए ऑनलाइन कार्यशाला के जरिए अंचलवार आवश्यक जानकारी दी गई। प्रस्तुत है विभिन्न कार्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियां: – संपादक

अंचल कार्यालय, जयपुर

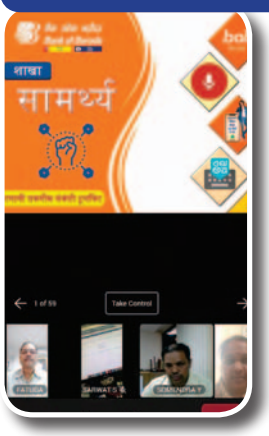

दिनांक 05 अप्रैल, 2023 को अंचल राजभाषा प्रभारी श्री सोमेन्द्र यादव द्वारा उदयपुर क्षेत्र की मॉडल शाखा फतेहपुरा के स्टाफ सदस्यों के लिए सामर्थ्य प्रशिक्षण टूलकिट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान स्टाफ सदस्यों को हिंदी के नवीनतम टूल्स की जानकारी दी गई।

अंचल कार्यालय, मुंबई

दिनांक 27 जून, 2023 को मुंबई अंचल कार्यालय एवं मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र द्वारा संयुक्त रूप से सामर्थ्य टूल का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में 36 स्टाफ सदस्यों ने प्रतिभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान स्टाफ सदस्यों को हिंदी के नवीनतम टूल्स की जानकारी दी गई।

क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर

क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर द्वारा दिनांक 24 मई, 2023 स्टाफ सदस्यों के लिए शाखा सामर्थ्य टूल प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं हिंदी कार्याशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्यों को सामर्थ्य टूल की जानकारी प्रदान की गई।

क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी

दिनांक 23 जून, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी क्षेत्र द्वारा एकदिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में राजभाषा नीति नियम, शाखा स्तर पर राजभाषा कार्यान्वयन आदि की जानकारी दी गई। एक सत्र शाखा सामर्थ्य टूलकिट पर लिया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, लुधियाना

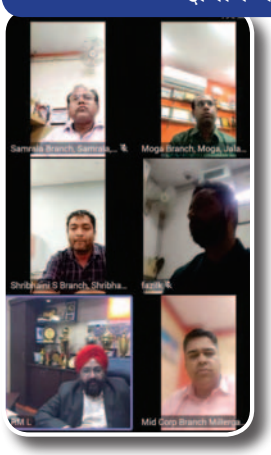

दिनांक 23 जून, 2023 को क्षेत्रीय प्रमुख, श्री तरनजीत सिंह की अध्यक्षता में लुधियाना क्षेत्र के शाखा प्रमुखों के लिए सामर्थ्य टूल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लुधियाना क्षेत्र की राजभाषा प्रभारी द्वारा शाखा सामर्थ्य प्रशिक्षण टूलकिट के माध्यम से व्हाट्सऐप बैंकिंग सुविधा, हिन्दी पासबुक प्रिंटिंग, डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म, एलएलपीएस पोर्टल पर हिन्दी की उपलब्धता के बारे में स्टाफ को जानकारी दी गई।

क्षेत्रीय कार्यालय, भरतपुर

दिनांक 08 मई, 2023 को भरतपुर क्षेत्र की डीग शाखा को राजभाषा विषयक टूलपर प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान अंचल राजभाषा प्रभारी श्री सोमेन्द्र यादव ने वर्चुअल माध्यम से शाखा के स्टाफ़ सदस्यों को सामर्थ्य टूलकिट, SMS LANG मेनू सहित बैंक के डिजिटल उत्पादों में हिन्दी एवम् क्षेत्रीय भाषाओं की उपलब्धता के सम्बंध में जानकारी प्रदान की। क्षेत्रीय राजभाषा अधिकारी श्री रॉबिन सिंह ने राजभाषा नीति–नियम से संबंधित जानकारी प्रदान की।

सामर्थ्य टूल आधारित प्रशिक्षण / कार्यशाला

क्षेत्रीय कार्यालय, भरूच

दिनांक 20 अप्रैल, 2023 को उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री डी. के. चौधरी की अध्यक्षता में क्षेत्रीय कार्यालय, भरुच के सभागार में क्षेत्र की 22 शाखाओं के स्टाफ सदस्यों हेतु सामर्थ्य टूल किट का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्र के राजभाषा अधिकारी द्वारा शाखा स्तर पर हिंदी के प्रयोग को स्पष्ट किया गया । मौजूदा समय के अभियानों से भी सभी को परिचित करवाया गया ।

क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे जिला

पुणे जिला क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा स्थानांतरित होकर आए अधिकारियों के लिए 20 जून को एक दिवसीय सामर्थ्य टूल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्हे बॉब अभिव्यक्ति ऐप डाऊन लोड करने, व्हाट्सऐप बैंकिंग हिन्दी में, बॉब वर्ल्ड ऐप क्षेत्रीय भाषाओं में करने, सभी आंतरिक काम काज में हिन्दी का प्रयोग करने, ग्राहक संवाद कार्यक्रम हिन्दी में करने तथा बैंक की पत्रिकाओं के लिए लेख लिखने आदि का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख भी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, जमशेदपुर

दिनांक 23 जून 2023 को जमशेदपुर क्षेत्र में अंतर अंचल स्थांतरित होकर आए हुए अधिकारियों के लिए सामर्थ्य टूलकिट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

क्षेत्रीय कार्यालय, लुधियाना

दिनांक 30 मई, 2023 को उप क्षेत्रीय प्रमुख, श्री विकास नारंग की अध्यक्षता में लुधियाना क्षेत्र के संयुक्त शाखा प्रबंधकों के लिए शाखा सामर्थ्य प्रशिक्षण टूलकिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा

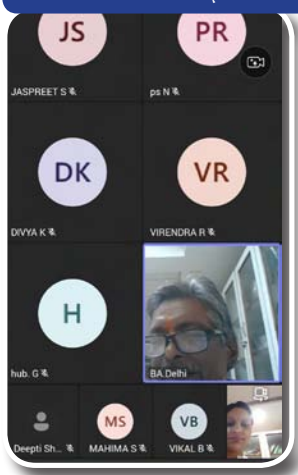

दिनांक 17 जून, 2023 को नोएडा क्षेत्र द्वारा क्षेत्र में पदोन्नत हुए कर्मचारियों एवं अधिकारियों की माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के माध्यम से हिंदी कार्यशाला एवं सामर्थ्य टूल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । उक्त कार्यक्रम में कुल 18 स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। स्टाफ सदस्यों को मुख्यत: राजभाषा नीति –नियम, आंतरिक कामकाज में हिन्दी का प्रयोग तथा सामर्थ्य टूल पर सत्र लिए गए।

क्षेत्रीय कार्यालय, बर्द्धमान

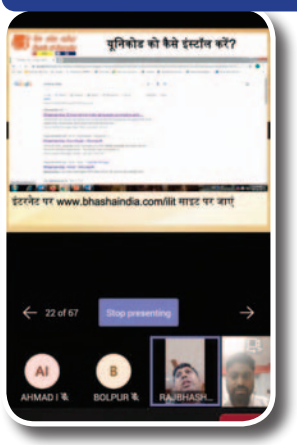

दिनांक 14 जनू, 2023 को अंचल कार्यालय के सहयोग से बर्द्धमान क्षेत्र के राजभाषा प्रेरकों के लिए सामर्थ्य टूलकिट आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 27 राजभाषा प्रेरक उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को हिंदी में कार्य करने संबंधी नवीनतम टूल्स की जानकारी दी गई।

क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़

दिनांक 23 जून, 2023 को बड़ौदा अकादमी, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित कार्यशाला में शाखाओं हेतु बैंक द्वारा विकसित सामर्थ्य टूल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अंचल राजभाषा प्रभारी द्वारा 16 स्टाफ सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया।

चित्र बोलता है।

1 तिनका – तिनका वह चुनता है
मेहनत मजदूरी से घर की छत वह बुनता है
अपनी गरीबी से कोई शिकायत नहीं उसे
खुशी खुशी अपना स्वाभिमानी जीवन रचता है।

: कीर्ति गहलोत
एकल खिड़की परिचालक, स्टेशन रोड शाखा
जोधपुर शाखा

2 बीता जाए जेठ महीना, आषाढ़ आने वाला है
मूसलाधार बारिश से महल को हमें बचाना है
महल है मेरा माटी का, न गर्मी लगे न सर्दी
खप्पर उलट–पलट कर हमने छत नई कर दी

: सुंदर लाल पटेल, लिपिक
बिलासपुर क्षेत्र, हंडी चौक रायगढ़ शाखा

3 तिनका–तिनका बटोर हमने बनाया सपनों का घर
कितनी हसरतों और ख्वाइशों से गूंथा हमने यह घर
जीवन के झंझावातों ने बहुत हिलाया है मेरा यह घर
एक–एक ईंट समेटे फिर से रचता गढ़ता मैं अपना घर

: अनामिका प्रसाद
मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन प्रबंधन)
कोलकाता मेट्रो क्षेत्र – II

प्रथम तीन विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप रू. 500 की राशि दी जा रही है।

'चित्र बोलता है' के स्थायी स्तंभ के अंतर्गत जनवरी–मार्च, 2023 अंक में प्रकाशित चित्र पर पाठकों से काफी उत्साहवर्धक प्रतिक्रियाएं/रचनाएं प्राप्त हुई हैं। पाठकों से अनुरोध है कि इस शृंखला में प्रकाशित इस चित्र पर आधारित अपने विचार पद्य के रूप में हमें अधिकतम चार पंक्तियों में लिख कर भेजें। श्रेष्ठ तीन रचनाओं को पुरस्कृत (प्रत्येक को रू. 500/–) किया जाएगा और उन्हें हम 'अक्षय्यम्' के आगामी अंक में भी प्रकाशित करेंगे। पाठक अपने विचार हमें डाक से या ई–मेल पर अपने व्यक्तिगत विवरण और स्वरचित घोषणा सहित 15 सितंबर, 2023 तक भेज सकते हैं।

बैंक के नव नियुक्त राजभाषा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बैंक में राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा देने और इसे सुदृढ़ता प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष के दौरान नव नियुक्त राजभाषा अधिकारियों हेतु दिनांक 19 जून, 2023 से दिनांक 01 जुलाई, 2023 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो चरणों में विभाजित किया गया। प्रशिक्षण के पहले सप्ताह के दौरान अधिकारियों को बड़ौदा अकादमी के संकाय सदस्यों द्वारा बैंकिंग कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। इसके साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे सप्ताह में विशेष रूप से राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में राजभाषा अधिकारियों के मूल कार्यदायित्वों और बैंक की राजभाषा संबंधी कार्यप्रणाली के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 01 जनवरी, 2023 से 30 जून, 2023 आयोजित 'कंठस्थ 2.0' प्रतियोगिता में बैंक के अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता।

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित कंठस्थ 2.0 'अनुवाद सारथी प्रतियोगिता' के जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई एवं जून– 2023 माह संबंधी परिणाम जारी किए गए हैं। इन परिणामों के अनुसार लगातार हमारे बैंक के राजभाषा अधिकारियों को अखिल भारतीय स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता अधिकारी के रूप में चयनित किया गया है। इस अभियान के दौरान अब तक हमारे बैंक के 10 अधिकारियों के सचित्र विवरण जैसे नाम, बैंक का नाम आदि भारत सरकार के राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर प्रदर्शित किए गए हैं।

जनवरी 2023

फरवरी 2023

मार्च 2023

अप्रैल 2023

मई 2023

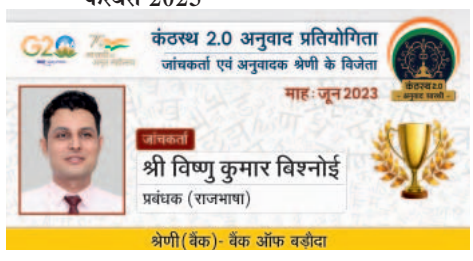

जून 2023

इतने ऊँचे उठो

इतने ऊँचे उठो कि जितना उठा गगन है।

देखो इस सारी दुनिया को एक दृष्टि से
सिंचित करो धरा, समता की भाव वृष्टि से
जाति भेद की, धर्म–वेश की
काले गोरे रंग–द्वेष की
ज्वालाओं से जलते जग में
इतने शीतल बहो कि जितना मलय पवन है।।

नये हाथ से, वर्तमान का रूप सँवारो
नयी तूलिका से चित्रों के रंग उभारो
नये राग को नूतन स्वर दो
भाषा को नूतन अक्षर दो
युग की नयी मूर्ति–रचना में
इतने मौलिक बनो कि जितना स्वयं सृजन है।।

लो अतीत से उतना ही जितना पोषक है
जीर्ण–शीर्ण का मोह मृत्यु का ही द्योतक है
तोड़ो बंधन, रुके न चिंतन
गति, जीवन का सत्य चिरंतन
धारा के शाश्वत प्रवाह में
इतने गतिमय बनो कि जितना परिवर्तन है।।

चाह रहे हम इस धरती को स्वर्ग बनाना
अगर कहीं हो स्वर्ग, उसे धरती पर लाना
सूरज, चाँद, चाँदनी, तारे
सब हैं प्रतिपल साथ हमारे
दो कुरूप को रूप सलोना
इतने सुंदर बनो कि जितना आकर्षण है।।

द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी